भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक
"कलम, बलिदान और स्वाभिमान की परिभाषा"
नववर्ष का अभिनंदन
देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं
संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

पंजाब केसरी

युवा भारत युवा अखबार!
PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom
बुधवार 1 जनवरी 2025 ◆ दिल्ली ◆ तदनुसार 18 पौष 2081 LD ****
Punjab Kesari, Delhi
वर्ष : 42 / अंक : 1
मूल्य ₹ 4.50
16 नेपाली रुपए/हवाई जहाज से ₹ 10.00
पृष्ठ संख्या 12
Ph. : 011-30712200, 45212200

राष्ट्रीय सर्राफा

	सोना		चांदी
दिल्ली 24K	77710	चांदी तैयार	90500
कोलकाता 24K	77560	चांदी तैयार	90500
मुम्बई 24K	77560	चांदी तैयार	90500
चेन्नई 24K	77560	चांदी तैयार	98000

शेयर सूचकांक

BSE	78139.01	-109.12
NSE	23568.15	-13.25

मौसम
Min 8°c Max 18°c

पंजाब केसरी
युवा भारत युवा अखबार!
कूपन न. 83

भाजपा-आप में पोस्टर वॉर

भाजपा ने केजरीवाल को 'चुनावी हिन्दू' बताया

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

दिल्ली में 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' के बाद अब 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान राशि योजना'को लेकर घमासान मच गया है। विधानसभा चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां एक ओर आप बीजेपी पर 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना' को रोकने की कोशिश का आरोप लगा रही है तो वहीं दूसरी ओर भाजपा अरविंद केजरीवाल को चुनावी हिंदू बता रही है। इस बीच बीजेपी ने एक पोस्टर जारी कर अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा है। इसी पोस्टर में आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को चुनावी हिंदू बताया गया है।बीजेपी ने एक्स हैंडल पर एक पोस्टर जारी किया है जिसमें अरविंद केजरीवाल कान पर अगरबत्ती और गले में रुद्राक्ष की माला पहने हुए नजर आ रहे हैं। जारी किए गए पोस्टर में लिखा है- 'चुनावी हिंदू। इस पोस्टर के बैकग्राउंड में घंटियां दिखाई दे रही है। पोस्टर में नीचे लिखा हुआ है- 'मंदिर जाना है बस मेरे लिए एक छलावा, पुजारियों का सम्मान मेरा चुनावी दिखावा, सनातन धर्म का मैंने हमेशा मजाक उड़ाया।'पार्टी ने केजरीवाल को हिंदी फिल्म भूल-भुलैया का छोटा पंडित करार दिया।

योजना पर भाजपा का कटाक्ष

- जो 10 साल से इमामों को सैलरी बांटता रहा।
- जो ख़ुद और उनकी नानी प्रभु श्रीराम का मंदिर बनने से खुश नहीं थे।
- जिसने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले।
- जिसकी पूरी राजनीति हिन्दू विरोधी रही।
- इसके बाद बीजेपी ने पूछा कि उन्हें अब चुनाव आते ही पुजारियों और ग्रंथियों की याद आई?

मौलवियों के बाद अब पुजारियों और ग्रंथियों को ठगने की चाल

वहीं बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मौलवियोंको 18000 रुपये देने का वादा करके उनको ठग लिया और उनको पिछले 17 माह से 18000 रुपये नहीं दिया है। अब यही अरविंद केजरीवाल पुजारियों और ग्रंथियों को ठगने का प्लान बना रहे हैं।" गौरव भाटिया ने कहा, "अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना अब बच्चों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। 30 दिसंबर को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक आदेश में केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए उस वीडियो को हटाने का आदेश दिया, जिनमें बच्चों को राजनीतिक अभियान में भाग लेते हुए दिखाया गया है।"

केजरीवाल ने दी भाजपा को सीधी चुनौती

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "बीजेपी वाले मुझे कल से गंदी-गंदी गालियां दे रहे हैं, जब से पुजारी, ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा हुई है।" आप ने भाजपा को चुनौती देने वाला पोस्टर भी जारी किया। केजरीवाल ने सवाल करते हुए कहा, "मेरा उनसे प्रश्न है- क्या मुझे गाली देने से देश का फ़ायदा होगा? आपकी 20 राज्यों में सरकारें हैं। गुजरात में तो आपकी 30 साल से सरकार है। अभी तक आपने वहाँ पुजारियों और ग्रंथियों का सम्मान क्यों नहीं किया? चलो अब ही कर दो? मैंने अब सबको रास्ता दिखा दिया है।" पोस्टर वार के साथ ही दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले आप और भाजपा में जंग तेज हो गई है। पार्टी ने कार्यकर्ताओं ने हर विधानसभा क्षेत्र में अरविन्द केजरीवाल द्वारा घोषित योजनाओं का प्रचार करना शुरू कर दिया है।

मरघट वाले बाबा के दर्शन कर शुरू किया योजना का पंजीकरण

अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की शुरुआत की। केजरीवाल ने मरघट वाले बाबा के दर्शन कर इस योजना को शुरू किया। मंगलवार को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ कश्मीरी गेट स्थित मरघट वाले बाबा मंदिर गए। यहां उन्होंने पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान केजरीवाल ने खुद पुजारी का रजिस्ट्रेशन किया। पहले हनुमान मंदिर से योजना शुरू करने का प्लान था। इस दौरान केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने रजिस्ट्रेशन रोकने की कोशिश की। लेकिन भक्त को भगवान से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। यहां के महंत का आज जन्मदिन है। केजरीवाल ने उनके साथ जन्मदिन भी मनाया। इससे पहले, दिल्ली सरकार द्वारा पुजारियों और ग्रंथियों को वेतन देने की घोषणा पर भाजपा की ओर से सवाल उठाने पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि उनका हाथ 22 राज्यों में किसी ने नहीं पकड़ा है। वे पीएम मोदी से कहें कि 22 राज्यों में ये योजना लागू करें। पुजारियों और ग्रंथियों के खिलाफ भाजपा के लोग क्यों आ गए हैं? आप हमसे काम पर प्रतियोगिता करें, काम कर नहीं पाते हैं विरोध करने पहले आ जाते हैं।

कड़ी ठण्ड के बीच वर्ष 2025 का आगाज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): कड़ाके की सर्दी के बीच वर्ष 2025 का आगाज हो गया और दिल्ली समेत पूरे देश में लोगों ने जश्न मनाया। कनाट प्लेस और इंडिया गेट अनेक क्षेत्रों में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा और सबने जश्न मनाते हुए ठंड पर मानो विजय पा ली हो। चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। राष्ट्रीय राजधानी में इस साल का आखिरी दिन मंगलवार को बादलों से घिरा रहा और अधिकतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.7 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.6 डिग्री अधिक है।

(शेष अंदर के पृष्ठों पर)

पाक में बैठे आतंकियों के दो आकाओं की संपत्ति कुर्क

जम्मू, (पंजाब केसरी): जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरार होने के बाद पाक के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में बैठकर अपनी गतिविधियों को अंजाम देने वाले, आतंकवादियों के दो आकाओं की राजौरी स्थित संपत्ति को कुर्क कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुर्क की गई छह कनाल और 18 मरला जमीन थानामंडी तहसील के भट्टियां गांव के इश्तियाक अहमद और उसी गांव के जाहिद अली खान की है। उन्होंने कहा, ''पाक में रह रहे आतंकियों के इन आकाओं पर राष्ट्र-विरोधी तत्वों का समर्थन करने से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

संशोधित रिटर्न भरने की सीमा बढ़ी

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने संशोधित आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन अब 15 जनवरी 2025 तक बढ़ा दी है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई थी। करदाता जो इस तारीख तक आईटीआर फाइल नहीं कर पाए थे उनके लिए लेट फीस के साथ रिवाइज्ड आईटीआर फाइल करने की अंतिम तारीख पहले 31 दिसंबर रखी गई थी। जीएसटी रजिस्टर्ड करदाताओं को अपने वार्षिक लेनदेन को कंसोलिडेट करने के लिए यह रिटर्न जमा करना आवश्यक होगा। जीएसटी वार्षिक रिटर्न फाइल न करने पर 5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाली कंपनी को 50 रुपये प्रतिदिन (सीजीएसटी और एसजीएसटी के तहत 25-25 रुपये) या टर्नओवर का 0.04 प्रतिशत अधिकतम सीमा पेनल्टी के रूप में जमा करना होगा। 5 करोड़ रुपये से 20 करोड़ रुपये टर्नओवर वाली कंपनी को 100 रुपये प्रतिदिन (सीजीएसटी और एसजीएसटी के तहत 50-50 रुपये) या टर्नओवर का 0.04 प्रतिशत अधिकतम सीमा पेनल्टी देनी होगी।

थॉमस कुक के आईटी बुनियादी ढांचे पर साइबर अटैक

नई दिल्ली,(पंजाब केसरी): यात्रा सेवा प्रदाता थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसके सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) बुनियादी ढांचे पर साइबर हमला हुआ है और वह इसकी जांच तथा सुधारात्मक कार्रवाई के लिए सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ काम कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया ''हमारे आईटी बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले से संबंधित एक घटना हुई है।''

गौकशी के शक में युवक की हत्या

पंजाब केसरी/मुरादाबाद

- मुरादाबाद में तनाव, भारी फोर्स तैनात

पश्चिम यूपी में मुरादाबाद के हिंदू बहुल मंडी समिति इलाके में एक मुस्लिम युवक की गोकशी के शक में पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में तनाव फैल गया है। पुलिस ने देर रात पोस्टमार्टम कराने के बाद मंगलवार सुबह भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच युवक के शव का उसके परिवार के सदस्यों द्वारा अंतिम संस्कार करा दिया है। कई मुस्लिम बहुल इलाकों में भी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मुरादाबाद मंडल के आयुक्त, औंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और किसी भी परेशानी को रोकने के लिए आवश्यक पुलिस तैनाती की गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कुमार रणविजय सिंह ने कहा कि कुछ लोगों ने असालतपुरा इलाके के शाहीदीन (29) को सोमवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे मंडी समिति परिसर से पकड़ा था। आरोप है कि वह तीन लोगों के साथ गोकशी कर रहा था। गोहत्या से नाराज भीड़ ने पकड़े गए युवक की डंडों और रॉड से बुरी तरह पीटाई की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मुरादाबाद जिला अस्पताल में सोमवार की रात उसकी मौत हो गई। रात में ही शव का पोस्टमार्टम कराया गया और सुबह परिवार के साथ अंतिम संस्कार करा दिया गया। हत्याओं की धाराओं में अज्ञात व्यक्तियों पर केस दर्ज है।

अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग

इसरो की नजर एक और तकनीकी उपलब्धि पर

पंजाब केसरी/श्रीहरिकोटा

- रॉकेट ने 15 मिनट से अधिक की उड़ान के बाद उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया है

भविष्य के अंतरिक्ष मिशन के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी - अंतरिक्ष 'डॉकिंग' का प्रदर्शन करने वाले इसरो के दो अंतरिक्ष यान सोमवार की देर रात सफलतापूर्वक एक दूसरे से अलग हो गए और उन्हें वांछित कक्षा में स्थापित कर दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने इसकी जानकारी दी।मिशन के निदेशक एम. जयकुमार ने कहा, ''पीएसएलवी - सी60 मिशन को पूरा कर लिया गया है।'' इसरो के प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट ने 15 मिनट से अधिक की उड़ान के बाद उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, जहां तक हमारा सवाल है, रॉकेट ने अंतरिक्ष यान को सही कक्षा में स्थापित कर दिया है और 'स्पाडेक्स' उपग्रह एक के पीछे एक चले गए हैं, और समय के साथ, ये आगे की दूरी तय करेंगे और उनके करीब 20 किलोमीटर दूरी तय करने के बाद 'डॉकिंग' की प्रक्रिया शुरू होगी।'' सोमनाथ ने मिशन नियंत्रण केंद्र में अपने संबोधन में कहा, ''हमें उम्मीद है कि डॉकिंग प्रक्रिया में एक और सप्ताह का समय लग सकता है और यह बहुत कम समय में...करीब सात जनवरी को होने जा रहा है।''

प्रयागराज में संगम के तट पर नव वर्ष 2025 का स्वागत करतीं छात्राएं।

यमन में मौत की सजा पाई निमिषा प्रिया की मदद को आगे आई सरकार

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

भारत ने मंगलवार को घोषणा की कि वह केरल की नर्स निमिषा प्रिया को 'हर संभव मदद' प्रदान कर रहा है। निमिषा प्रिया को यमन में एक यमनी नागरिक की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई है।विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, हमें यमन में निमिषा प्रिया की सजा के बारे में पता है। हम समझते हैं कि प्रिया का परिवार प्रासंगिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। सरकार इस मामले में हर संभव मदद कर रही है। यह बयान यमन के राष्ट्रपति रशद अल-अलीमी की ओर से निमिषा प्रिया की मौत की सजा को हाल ही में मंजूरी दिए जाने के बाद आया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एक महीने के भीतर फांसी हो सकती है, जिससे परिवार सदमे में है और उसे बचाने के लिए समय की कमी महसूस कर रहा है।निमिषा की माँ, 57 वर्षीय प्रेमा कुमारी, मृत्युदंड की सज़ा माफ करवाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने यमन की राजधानी सना की यात्रा की। इस यात्रा का मकसद यमन में स्थित एनआरआई सामाजिक कार्यकर्ताओं के संगठन सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल की मदद से मृतक के परिवार के साथ दिया (ब्लड मनी) के भुगतान पर बातचीत करना था।

छापेमारी के दौरान 6.6 करोड़ की नकली दवाएं जब्त

नई दिल्ली,(पंजाब केसरी): केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और औषधि नियंत्रण निदेशालय पश्चिम बंगाल ने कोलकाता में संयुक्त जांच के दौरान एक थोक कंपनी के परिसर से 6.6 करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं जब्त की हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जांच के दौरान थोक विक्रेता कंपनी की मालिक के रूप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है और उसे सीडीएससीओ, पूर्वी जोन के औषधि निरीक्षक ने हिरासत में लिया है।कोलकाता स्थित 'केयर एंड क्योर फॉर यू' नाम की कंपनी में की गई छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में कैंसर रोधी, मधुमेह रोधी और अन्य दवाएं जब्त की गईं, जिनके नकली होने का संदेह है। बयान में कहा गया है कि आयरलैंड, तुर्की, अमेरिका और बांग्लादेश सहित विभिन्न देशों में निर्मित बताई गई इन दवाओं के पास भारत में इनके आयात को वैध साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं मिले।

डल्लेवाल अनशन मामला — केंद्र हस्तक्षेप करे तो डल्लेवाल बातचीत को तैयार

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को दी मोहलत

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आज पंजाब सरकार को भूख हड़ताल पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए दो दिन की मोहलत दी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की वेकेशन बेंच ने पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर अगली सुनवाई दो जनवरी 2025 तक के लिए स्थगित कर दी।

पंजाब एजी गुरमिंदर सिंह ने कोर्ट को बताया कि कल पंजाब बंद था। इसकी वजह से ट्रैफिक नहीं चला। इसके अलावा एक मध्यस्थ ने भी आवेदन दिया है जिसमें कहा गया है कि अगर यूनियन हस्तक्षेप करती है तो डल्लेवाल बातचीत के लिए तैयार हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने वक्त मांगने के आवेदन को मंजूर कर लिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को 31 दिसंबर तक का समय दिया था।

- बातचीत के बारे में क्या चल रहा है इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे
- अगर कोई समाधान निकलता है तो हम खुश होंगे : सुप्रीम कोर्ट

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे कि क्या चल रहा है, बातचीत के बारे में। अगर कुछ ऐसा होता है जो सभी पक्षों को स्वीकार्य है, तो हम समान रूप से खुश होंगे। अभी हम केवल अपने आदेशों के अनुपालन को लेकर चिंतित हैं।' जस्टिस सूर्यकांत ने आगे कहा कि अवमानना करने वालों ने डल्लेवाल को अस्पताल में एडमिट करवाने के लिए तीन दिन का वक्त मांगा है। एडवोकेट जनरल ने भी कुछ मौखिक स्थितियां बताई हैं। इसको देखते हुए डल्लेवाल भर्ती कराने के आदेश को लागू करने के लिए कुछ और समय देने की अर्जी मंजूर की जाती है। बेंच ने अगली सुनवाई की तारीख पर पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी को वर्चुअल तरीके से मौजूद रहने के लिए कहा है। 28 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक तौर पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह डल्लेवाल के अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में पंजाब सरकार के मुख्य सचिव और डीजीपी पंजाब की तरफ से दी गई रिपोर्ट को लेकर वह बिल्कुल खुश नहीं है। गौरतलब है कि डल्लेवाल 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर हैं और केंद्र सरकार से फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत किसानों की मांगों को मंजूर करने की मांग कर रहे हैं। डल्लेवाल कैंसर के मरीज होने के अलावा और भी कई बीमारियों से पीड़ित हैं। केंद्र और हरियाणा सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस मुद्दे पर उनके पास कोई निर्देश नहीं हैं। महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि पक्षकारों और वार्ताकारों ने किसानों से बातचीत करके अदालत के निर्देशों का पालन करने की कोशिश की थी।

2024 में भारत ने लिखी प्रगति की कहानी

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पटल पर छाया रहा देश, जमीन से लेकर आसमान तक अपना झंडा बुलंद किया

डिजिटल सामग्री के क्षेत्र में भारत बना वैश्विक केंद्र

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): वर्ष 2024 भारत के लिए कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का साल रहा है, जिसमें कई अभूतपूर्व घटनाएं शामिल हैं, जो देश की वैश्विक शक्ति को दर्शाती हैं। ये मील के पत्थर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत संभव हुए हैं, जिनके मार्गदर्शन में भारत ने पिछले दशक में लगातार नई ऊंचाइयों को छुआ है। 2024 की ये उपलब्धियां सिर्फ घटनाएं नहीं हैं, बल्कि प्रगति की एक कहानी हैं। भारत ने पहली बार विभिन्न प्लेटफार्मों पर महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डिजिटल सामग्री क्रिएटर को सम्मानित करने के लिए नेशनल क्रिएटर्स अवार्ड लॉन्च किया। जो अपनी तरह की अनूठी पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में 'नेशनल क्रिएटर अवार्ड' प्रदान किए। जिसने जता दिया कि भारत डिजिटल सामग्री के लिए एक वैश्विक केंद्र बन चुका है। इस वर्ष भारत ने पहली बार 'विश्व धरोहर समिति' की बैठक आयोजित की। यह प्रतिष्ठित सभा का 46वां सत्र जुलाई 2024 में नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ। इस बैठक में असम के मोइदाम को विश्व धरोहर स्थल के रूप में शामिल किया गया, जो अहोम राजवंश की टीला-दफन प्रणाली को दर्शाता है। यह भारत की 42वीं विश्व धरोहर प्रविष्टि थी। पिछले दशक में भारत में कुल 13 नए विरासत स्थलों को यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया है। वहीं, आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 नवंबर 2024 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन के 130 साल के इतिहास में पहली बार वैश्विक सहकारी सम्मेलन और महासभा की मेजबानी की। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस आयोजन ने वैश्विक सहकारी आंदोलन में भारत के बढ़ते प्रभाव को दिखाया और यह भारत की समावेशी विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जमीन से लेकर आसमान तक भारत ने अपना झंडा बुलंद किया।

भारत की हाइपरसोनिक मिसाइल ने दिखाई ताकत

भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल को लेकर भी बड़ी खबर आई। नवंबर 2024 में डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) ने भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल पारंपरिक और परमाणु हथियारों को अधिक दूरी तक ले जाने में सक्षम है। यह मिसाइल ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक गति से उड़ती है, जिससे यह एक हाइपरसोनिक मिसाइल बनती है। इस ऐतिहासिक परीक्षण ने भारत को उन कुछ चुनिंदा देशों की सूची में ला खड़ा किया, जो इस उन्नत तकनीक से लैस हैं।

रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में भी अभूतपूर्व काम

हमने रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में भी अभूतपूर्व कार्य किया। अक्टूबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। जो सी-295 विमान का निर्माण करेगा। यह भारत का पहला निजी क्षेत्र का सैन्य विमान संयंत्र है। यह ऐतिहासिक विकास देश के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत आत्मनिर्भरता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पनडुब्बियों में 2,867 करोड़ के टॉरपीडो लगाने का करार

रक्षा मंत्रालय ने पारंपरिक पनडुब्बियों की क्षमता बढ़ाने और कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों में इलेक्ट्रॉनिक हैवी वेट टॉरपीडो लगाने के लिए लगभग 2,867 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के साथ पहला अनुबंध लगभग 1,990 करोड़ रुपये का है, जबकि फ्रांस के 'नेवल ग्रुप" के साथ दूसरा अनुबंध 877 करोड़ रुपये का है। दोनों अनुबंधों पर यहां रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। बयान में कहा गया है, "रक्षा मंत्रालय ने डीआरडीओ-एआईपी प्रणाली के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्लग के निर्माण, भारतीय पनडुब्बियों में इसे लगाने और कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों पर ईएचडब्ल्यूटी लगाने के लिए लगभग 2,867 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।"

महाकुम्भ के दौरान रिंग रेल पर 560 ट्रेन चलाने की तैयारी

प्रयागराज, (पंजाब केसरी) : महाकुम्भ 2025 के दौरान रेलवे ने 10,000 से अधिक नियमित और 3000 से अधिक विशेष ट्रेन चलाने की तैयारी की है। अधिकारियों के मुताबिक, इन 3,000 विशेष ट्रेन में से 1800 ट्रेन छोटी दूरी के लिए, 700 ट्रेन लंबी दूरी के लिए और 560 ट्रेन रिंग रेल पर चलाई जाएंगी। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी ने पत्रकारों को बताया कि प्रयागराज-अयोध्या-वाराणसी-प्रयागराज, प्रयागराज-संगम प्रयाग-जौनपुर-प्रयाग-प्रयागराज, गोविंदपुरी-प्रयागराज-चित्रकूट-गोविंदपुरी और झांसी-गोविंदपुरी-प्रयागराज-मानिकपुर-चित्रकूट-झांसी मार्गों पर रिंग रेल की योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी सहित कुल नौ रेलवे स्टेशन के साथ-साथ मेला क्षेत्र में कुल 560 टिकटिंग पॉइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जोशी ने बताया कि इन काउंटर से प्रतिदिन लगभग 10 लाख टिकट वितरित किए जा सकेंगे।

केंद्र सरकार गरीबों को देगी दो करोड़ घर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2028-29 के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत अतिरिक्त दो करोड़ आवास गरीबों को उपलब्ध कराएगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय मंगलवार को जारी अपनी वार्षिक समीक्षा में यह बात कही। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस वर्ष 30 दिसंबर तक राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 3.33 करोड़ मकान आवंटित करने का संचयी लक्ष्य दिया गया है, जिनमें से 3.22 करोड़ मकान स्वीकृत किए जा चुके हैं और 2.68 करोड़ मकान पूरे हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को एक राष्ट्रीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से 10 लाख से अधिक पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को पहली किस्त जारी की थी। सरकार के अनुसार, पीएमएवाई-जी लाभार्थियों का सत्यापन करने और धोखाधड़ी को रोकने के लिए आधार के साथ एकीकृत और एआई-सक्षम फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक से लैस एक ई-केवाईसी ऐप का उपयोग किया जा रहा है।

दिल्ली में मोदी तीन जनवरी को सौंपेंगे झुग्गी वालों को फ्लैट की चाबी

स्वाभिमान फ्लैट के नाम से 1645 नए मकान बनाए गए हैं। नए साल पर 3 जनवरी को पीएम मोदी अशोक विहार में इन घरों की चाबियां झुग्गियों में रहने वाले लोगों को देंगे। इन फ्लैट्स का निर्माण डीडीए ने किया है। एक दिन पहले ही दिल्ली विकास प्राधिकरण ने गरीबों के लिए आवास योजनाओं की घोषणा की थी। यह ऐलान दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले किया गया है। दिल्ली में एक तरफ जहां आम आदमी पार्टी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को लुभाने का प्रयास कर रही है तो वहीं अब बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी ऐसी योजनाओं को आगे बढ़ा रही है। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की अध्यक्षता में सोमवार को हुई डीडीए की बैठक में दिल्ली के निवासियों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और सबसे गरीब लोगों की आवास की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में कई निर्णय लिए गए। प्राधिकरण ने तीन आवासीय योजनाओं को लॉन्च करने की मंजूरी दी है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प: नायब

चंडीगढ़, (पंजाब केसरी) हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष 2025 सभी के लिए मंगलमय हो, विकास के पथ पर प्रदेश यूं ही आगे बढता रहे तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में हरियाणा अपनी अग्रणी भूमिका निभाए। इसके लिए प्रदेश के सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री मंगलवार सांय अम्बाला शहर पुलिस लाईन मैदान में आयोजित पांच दिवसीय दिव्य गीता सत्संग के समापन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित कर रहे थे। श्री कृष्ण कृपा जीयो गीता परिवार के तत्वाधान में इस गीता सत्संग का आयोजन किया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिओ गीता को अपने स्वैच्छिक कोष से 11 लाख देने की घोषणा की।

हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाएगा

स्पैडेक्स परीक्षण भारत के अपने अंतरिक्ष स्टेशन, भावी मिशन में मददगार होगा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारत नए साल में अपने दो उपग्रहों के 'डॉकिंग' परीक्षण में कामयाबी की उम्मीद कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के साथ तालमेल में सबसे महंगे पृथ्वी अवलोकन अंतरिक्ष यान को प्रक्षेपित करने को लेकर भी देश आशान्वित है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का पहला उपग्रह डॉकिंग प्रयोग (स्पेडैक्स) सात जनवरी को होने वाला है, जिससे भारत के इस जटिल तकनीक में महारत हासिल करने वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल होने की संभावना है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, "यह पहला मिशन छोटे उपग्रहों वाला है। हम इसे भारी उपग्रहों के साथ आगे बढ़ाएंगे और यह डॉकिंग (उपग्रहों के जुड़ने की) प्रौद्योगिकी हमें भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और उसके बाद के मिशन की स्थापना में मदद करेगी।" सिंह ने कहा, "इसरो का स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण में एक नए युग की शुरुआत है, जो भारत की तकनीकी क्षमता और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। 'डॉकिंग' क्षमता भविष्य के मिशनों को अंतरिक्ष में पेलोड के स्थानांतरण के माध्यम से अकल्पनीय परिणाम प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी, जो एक तरह का चमत्कार होगा और विकसित भारत का प्रमाण होगा।" उन्होंने कहा कि नए साल में इसरो मार्च तक नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह प्रक्षेपित कर सकता है, जिसे अपनी तरह का सबसे महंगा उपग्रह बताया जा रहा है। नए साल में श्रीहरिकोटा से 100वां प्रक्षेपण होगा, जब जनवरी में जीएसएलवी 'नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन' (नाविक) सेवाओं के लिए एनवीएस-दो उपग्रह प्रक्षेपित करेगा।

सुरक्षा बलों का विरोध कर रही महिलाओं से झड़प

इंफाल/चुराचांदपुर, (पंजाब केसरी): मणिपुर के कांगपोकपी जिले में कुकी-जो समुदाय की महिलाओं की मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ झड़प हो गयी, जिससे जातीय संघर्ष से प्रभावित इस राज्य में फिर से तनाव बढ़ गया। पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह घटना थम्नापोकपी के पास उयोकचिंग में उस समय हुई, जब भीड़ ने सेना, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम की तैनाती को बाधित करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, संयुक्त बलों ने 'न्यूनतम बल प्रयोग' के साथ भीड़ को 'तितर-बितर' कर दिया और अब हालात 'शांतिपूर्ण और नियंत्रण में' है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों को 'इलाके पर नियंत्रण रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने' के लिए पहाड़ी की चोटी पर तैनात किया गया था।

स्थानीय लोगों ने दावा किया कि ट्विचिंग के सैबोल गांव में सुरक्षा बलों के बल प्रयोग में कई लोग घायल हो गए। ट्विचिंग कुकी-नियंत्रित पहाड़ियों और मेइती प्रभुत्व वाली इंफाल घाटी के बीच तथाकथित 'बफर जोन' में स्थित है। उन्होंने कहा कि स्थानीय महिलाएं सुरक्षाकर्मियों द्वारा सामुदायिक बंकरों पर 'जबरन कब्जे' का विरोध करने के लिए एकत्र हुई थीं। आदिवासी एकता समिति ने घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-दो को अनिश्चित काल के लिए अवरुद्ध कर दिया और केंद्रीय बलों को वापस बुलाये जाने की मांग की।

पूर्वोत्तर हिंसा की 77 फीसदी घटनाएं मणिपुर में हुईं : गृह मंत्रालय

वर्ष 2023 में समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुई हिंसा की कुल घटनाओं में से लगभग 77 प्रतिशत घटनाएं मणिपुर में हुईं। गृह मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। मणिपुर, बहुसंख्यक मेइती समुदाय और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच लंबे समय से जातीय हिंसा का गवाह रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में मणिपुर में जातीय संघर्ष के कारण हिंसक घटनाओं में वृद्धि देखी गई और इसके परिणामस्वरूप 2022 की तुलना में नागरिकों व सुरक्षा बलों के कर्मियों के हताहत होने की संख्या में वृद्धि हुई। गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुई कुल हिंसक घटनाओं में से लगभग 77 प्रतिशत घटनाएं मणिपुर में हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वोत्तर में हुई कुल 243 हिंसक घटनाओं में से 187 घटनाएं मणिपुर में हुईं।

हिमाचल में डिजिटल माध्यम से होगी दूध की खरीद

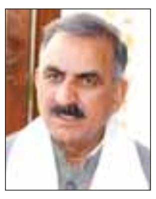

शिमला, (विक्रांत सूद): मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पशुपालकों को लाभान्वित करने के लिए वर्तमान राज्य सरकार दूध के लाभकारी मूल्य प्रदान कर रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल देश का पहला राज्य है जिसने दूध खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू किया है, जो देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि किसानों से गाय का दूध 45 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस का दूध 55 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा जा रहा है। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार 161.52 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश में छः नए दुग्ध अभिशीतन संयंत्र और दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने जा रही है।

पीपीएफ व लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें स्थिर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): पीपीएफ और एनएससी सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें एक जनवरी, 2024 से शुरू चौथी तिमाही के लिए अपरिवर्तित रहेंगी। वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया, 'वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी।' अधिसूचना के अनुसार सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। तीन साल की सावधि जमा पर दर तीसरी तिमाही में दी जा रही 7.1 प्रतिशत पर बनी रहेगी। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और निवेश 115 महीनों में परिपक्व होंगे। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर जनवरी-मार्च 2025 की अवधि के लिए 7.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी। तीसरी तिमाही की तरह, मासिक आय योजना में निवेश पर 7.4 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। पिछली चार तिमाहियों से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार ने पिछली बार वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के लिए कुछ योजनाओं में बदलाव किया था।

भाजपा के 'संविधान विरोधी राज' में गरीब, वंचित, मनुवाद का दंश झेल रहे

नई दिल्ली,(पंजाब केसरी) : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के खिलाफ अपराध की कुछ हालिया घटनाओं का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार के संविधान विरोधी राज में गरीब तथा वंचित मनुवाद का दंश झेल रहे हैं। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, संसद में गृहमंत्री अमित शाह, बाबासाहेब डॉ आंबेडकर जी का अपमान करते हैं और भाजपा शासित राज्यों में वही वंचित-विरोधी मानसिकता दोहराई जा रही है।

सांसद निधि बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए करने पर चर्चा करेगी संसदीय समिति

- **वर्तमान में प्रत्येक सांसद को अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रति वर्ष 5 करोड़ रुपये तक के कार्यों के लिए जिला कलेक्टर को सुझाव देने का प्रावधान है**

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) पर नवगठित संसदीय समिति की पहली बैठक सात जनवरी 2025 को होगी जिसमें इस मद की निधि को मौजूदा 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ करने के अनुरोध पर चर्चा की जाएगी। राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश इस समिति के अध्यक्ष हैं। एमपीएलएडीएस पर समिति के निर्धारित एजेंडे के अनुसार, संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना पर नवगठित समिति की पहली बैठक 7 जनवरी 2025 को संसद भवन एनेक्सी में आयोजित की जाएगी जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार किया जाएगा और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के प्रतिनिधियों के विचार सुने जायेंगे। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा ने 29 अक्टूबर 2023 को इस मद की राशि को मौजूदा 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने का आग्रह किया था।

☞ यात्रीगण कृपया ध्यान दें ☜

महत्वपूर्ण सूचना

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे की नई समय–सारणी दिनांक 01.01.2025 से प्रभावी होगी। नई समय–सारणी 2025 की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएं/विवरण निम्नानुसार हैं:–

1. टर्मिनलों पर रेलगाड़ियों के प्रस्थान एवं आगमन समय में परिवर्तन (104 रेलगाड़ियां) (Including Preponement/Postponement of time)
2. रेलगाड़ियों के आगमन समय में संशोधन – (140 रेलगाड़ियां)
3. रेलगाड़ियों का गतिवर्धन (144 रेलगाड़ियां)
4. टर्मिनल में परिवर्तन (03 रेलगाड़ियां)
5. रेलगाड़ी संख्या में परिवर्तन (मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियां) (34 रेलगाड़ियां)
6. स्टेशन के नाम में परिवर्तन (03 स्टेशन)
7. रेलगाड़ी के नाम में परिवर्तन (06 रेलगाड़ियां)
8. चलने के दिनों में परिवर्तन (01 रेलगाड़ी)
9. रेलगाड़ियों की श्रेणी में परिवर्तन – सुपर फास्ट से मेल (14 रेलगाड़ियां) और मेल/एक्सप्रेस से सुपर फास्ट (08 रेलगाड़ियां)
10. रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन (04 रेलगाड़ियां)
11. अधिकतम स्वीकार्य गति में बढ़ोतरी (03 रेलगाड़ियां)
12. नई रेलगाड़ियों की शुरुआत (28 रेलगाड़ियां)
13. रेलगाड़ियों का विस्तार (21 रेलगाड़ियां)
14. फेरों में वृद्धि (04 रेलगाड़ियां)
15. प्रायोगिक ठहराव (69 रेलगाड़ियां)

रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि वे अपनी यात्रा आरंभ करने से पहले कृपया रेल मदद हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप, भारतीय रेल की वेबसाइट (https://enquiry.indianrail.gov.in) के माध्यम से अद्यतन समय–सारणी को देखें या अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:–

https://nr.indianrailways.gov.in/view_section.jsp?fontColor=black&backgroundColor=LIGHTSTEELBLUE&lang=0&id=0,2,1706

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा – हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
4002/2024

एलएसी पर सेना ने बरकरार रखा आक्रामक रुख

- **सैन्य क्षमता बढ़ाने पर ध्यान**
- **4.22 लाख करोड़ की रक्षा खरीद को भी अंतिम रूप दिया**

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): वैश्विक संघर्षों और भूराजनीतिक विखंडन से भरे इस साल में भारत ने अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया और करीब 4.22 लाख करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को अंतिम रूप दिया।

इस साल भारत और चीन की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में सीमा पर टकराव वाले स्थानों से अपने सैनिकों को वापस बुलाने का काम पूरा कर लिया। भारत और चीन ने 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास डेमचोक और देपसांग पर टकराव के अंतिम दो बिंदुओं से अपने-अपने बलों को वापस बुला लिया। इस बीच, लगभग 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रक्षा कर रही भारतीय सेना ने इस साल आक्रामक रुख बनाए रखा तथा वास्तविक सीमा के पास चीन की ओर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने के लिए अपने समग्र निगरानी तंत्र को मजबूत किया। इस वर्ष भारत ने अहम समुद्री क्षेत्र में अपनी सामरिक ताकत का विस्तार किया। भारतीय नौसेना ने लाल सागर में और उसके आसपास मालवाहक पोतों पर बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल हमले कर रहे हूती उग्रवादियों से निपटने के लिए 30 से अधिक पोत तैनात किए।

सूरत के स्टील प्लांट में भीषण आग, 4 मजदूरों की मौत

सूरत,(पंजाब केसरी): नए साल की पूर्व संध्या पर गुजरात में बड़ा हादसा हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सूरत के हजीरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित स्टील प्लांट में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। इसमें 4 मजदूरों की जिंदा जलकर मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि यह घटना आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) में हुई। सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि स्टील प्लांट में जलते हुए कोयले के अचानक बाहर गिर गए। इससे प्लांट के एक हिस्से में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर चार मजदूरों की जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना के वक्त मजदूर प्लांट में लिफ्ट पर थे। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। इनमें से तीन की लाशें पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल लाई गई हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि यह घटना कोरेक्स प्लांट में उपकरण की विफलता के कारण हुई। एएमएनएस हजीरा ऑपरेशंस में उपकरण की विफलता के कारण कोरेक्स प्लांट में हुआ यह हादसा बेहद दुखद है।

12 राशियां और आपका दिन

Forecast for 1 January, 2025
By: Dr. Prem Kumar Sharma
(Astrologer, Palmist, Numerologist & Vastu Consultant)
Email: psharma@premastrologer.com,
Url: http://www.premastrologer.com
Contact: Panchkula: +91-172-2562832, 2572874
Delhi: +91-11-47033152/40532026

मेष ARIES (21 मार्च- 20 अप्रैल) संपत्ति के मामलों में धैर्य रखें। पारिवारिक आयोजन से घर खुशहाल बनेगा। आर्थिक स्थिति बनाए रखने के लिए खर्चों पर ध्यान दें। यात्रा करते समय मौसम का ध्यान रखें।
लकी नंबर: 8, लकी कलर: ब्लू

वृषभ TAURUS (21 अप्रैल- 20 मई) खर्चों पर नियंत्रण रखकर वित्तीय स्थिति सुधारें। ग्राहक से संबंधित कामकाजी मामलों में धैर्य रखें। शरीर डिटॉक्स करने के लिए हर्बल टी और नींबू पानी पीएं।
लकी नंबर: 5, लकी कलर: ग्रीन

मिथुन GEMINI (21 मई- 21 जून) अपने खर्चों पैर नियंत्रण रखे! आत्मविश्वास से काम में आगे बढ़ें। परिवार के साथ पुरानी यादें साझा करें, रिश्ते मजबूत होंगे। यात्रा के लिए आज का दिन शुभ है।
लकी नंबर: 9, लकी कलर: रेड

कर्क CANCER (22 जून- 22 जुलाई) आर्थिक योजना बनाना फायदेमंद साबित हो सकता है। व्यापार में किया गया निवेश अच्छी आय का स्रोत बन सकता है। स्वास्थ्य सुधार के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।
लकी नंबर: 1, लकी कलर: मैजेंटा

सिंह LEO (23 जुलाई- 23 अगस्त) काम में छोटे-छोटे लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ें, सफलता मिलेगी। मेडिटेशन पर ध्यान देने से मानसिक शांति मिलेगी। आर्थिक मामलों में सलाह लेने से स्थिति सुधरेगी।
लकी नंबर: 17, लकी कलर: सैफ्रॉन

कन्या VIRGO (24 अगस्त- 23 सितंबर) आज टैक्स प्लानिंग में फायदे का मौका मिल सकता है। काम में प्राथमिकताएं तय करने से बेहतर नतीजे मिलेंगे। परिवार में हल्की-फुल्की तकरार हो सकती है, लेकिन संयम बनाए रखें। साथी के साथ संबंधों में और मजबूती आएगी।
लकी नंबर: 7, लकी कलर: सैफ्रॉन

तुला LIBRA (24 सितंबर- 23 अक्टूबर) खर्चों को कम करने की योजना बनाये। हल्का और पौष्टिक खाने से आप ऊर्जावान रहेंगे। परिवार में विश्वास बनाकर रिश्तों को गहरा करें। आपसी प्रशंसा से रिश्तों में मजबूती आएगी।
लकी नंबर: 3, लकी कलर: गोल्डन

वृश्चिक SCORPIO (24 अक्टूबर-22 नवंबर) अनावश्यक खर्च से बचें। त्वचा की देखभाल के लिए स्किन स्पेशलिस्ट से कंसल्ट करें। प्रोफेशनल नेटवर्क मजबूत करने के लिए नए कनेक्शन बनाएं।
लकी नंबर: 8, लकी कलर: पीच

धनु SAGITTARIUS (23 नवंबर- 21 दिसंबर) खर्चों पर नियंत्रण से अच्छी बचत होगी। अच्छी नींद लेने से आप एक्टिव रहेंगे! बिजनेस में विस्तार के मौके मिल सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताकर रिश्तों को मजबूत करें।
लकी नंबर: 5, लकी कलर: ग्रे

मकर CAPRICORN (22 दिसंबर-21 जनवरी) खर्चो पर ध्यान देने से आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। अपने रचनात्मक विचारों को आत्मविश्वास के साथ साझा करें। परिवार के साथ किसी खास उत्सव की योजना बनाएं।
लकी नंबर: 18, लकी कलर: ऑरेंज

कुंभ AQUARIUS (22 जनवरी- 19 फरवरी) काम में आपके नए विचारों की सराहना की जाएगी। आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें। परिवार से कम सहयोग मिलने पर हिम्मत न हारें। यात्रा के दौरान विंडो सीट का आनंद लें।
लकी नंबर: 6, लकी कलर: ब्राउन

मीन PISCES (20 फरवरी- 20 मार्च) फाइनेंसियल स्थिति को अच्छा करने के लिए धैर्य से काम ले! करियर में लक्ष्य के करीब जाने के लिए फोकस बनाए रखें और धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहें। रिश्तेदारों से संपर्क करने से पुरानी यादें ताजा होंगी और रिश्ते मजबूत होंगे।
लकी नंबर: 22, लकी कलर: पीच

नववर्ष का अभिनंदन
भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक
"कलम, बलिदान और स्वाभिमान की परिभाषा"
देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं
संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी
HAPPY 2025 NEW YEAR
पंजाब केसरी
युवा भारत युवा अखबार!
PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom
Punjab Kesari, Delhi
वर्ष : 42 / अंक : 1
Ph. : 011-30712200, 45212200
बुधवार 1 जनवरी 2025 ◆ दिल्ली ◆ तदनुसार 18 पौष 2081

'क्वाड' सदस्य देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र की आवश्यकताओं को मिलकर करेंगे पूरा

भारत 2025 में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन की करेगा मेजबानी

● क्वाड के 20 साल पूरे, हिन्द महासागर में आई सुनामी और भूकम्प के बाद मदद के लिए आगे आए थे भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच, भारत और 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के अन्य सदस्य देशों ने स्वतंत्र, खुला और शांतिपूर्ण क्षेत्र सुनिश्चित की दिशा में काम करने के लिए समूह की दृढ़ प्रतिबद्धता की मंगलवार को पुन: पुष्टि की। समूह के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने "क्वाड सहयोग" की 20वीं वर्षगांठ पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह प्रतिबद्धता दोहराई।

विदेश मंत्रियों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन द्वारा अपनी शक्ति का प्रदर्शन किए जाने के बीच कहा कि 'क्वाड' इस क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेगा। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान 20 साल पहले 2004 में हिंद महासागर में आए भूकंप और सुनामी के बाद सहायता मुहैया कराने के लिए एक साथ आगे आए थे। इस समूह ने बाद में 'क्वाड' का रूप लिया। क्वाड ने पिछले कुछ वर्षों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचे एंव संपर्क सुविधा के मामलों समेत कुछ सबसे बड़ी आवश्यकताओं और चुनौतियों से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत अगले 'क्वाड' शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा जो 2025 की दूसरी छमाही में होने की संभावना है। इन चारों देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा कि 'क्वाड' हिंद-प्रशांत की भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेगा।

साझेदारों के रूप में हमारा एक ऐसे स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर साझा दृष्टिकोण है जो शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हो। मंत्रियों ने कहा कि हम आसियान देशों की महत्ता एवं एकता के साथ-साथ हिंद-प्रशांत पर उसके दृष्टिकोण को मुख्य धारा में लाने और लागू करने के प्रति अपने अटूट समर्थन की पुष्टि करते हैं। सुनामी इतिहास की सबसे भयानक आपदाओं में से एक थी, जिसमें 14 देशों में लगभग 25 लाख लोगों की जान चली गई और 17 लाख लोग विस्थापित हुए। हमारे चारों देशों ने मिलकर 40,000 से अधिक आपातकालीन प्रतिक्रिया दल भेजे तथा आपदा से प्रभावित लाखों लोगों की सहायता के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम किया।

आतंकवाद के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

आपदा से निपटने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया के रूप में जो शुरू हुआ, वह हमारे क्षेत्र के लोगों के लिए सकारात्मक परिणाम देने वाली पूर्ण साझेदारी में विकसित हो गया है। 'क्वाड" के सदस्य देश जलवायु परिवर्तन, कैंसर और महामारी से लड़ने से लेकर गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, आतंकवाद विरोधी प्रयासों, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र तक कई जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। 2021 से चारों देशों के नेता दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 'क्वाड" के सकारात्मक योगदान को आगे बढ़ाने के लिए हर साल मिलते हैं। भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान क्वाड के सदस्य है।

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी

इंफाल, (पंजाब केसरी): मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। पिछले तीन-चार महीनों में शांति की स्थिति देखकर मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। वहीं कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया भर की यात्रा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर जाने से परहेज करते हैं। उन्होंने बीरेन सिंह के बयान का वीडियो रीपोस्ट करते हुए 'एक्स' पर कहा, "प्रधानमंत्री मणिपुर जाकर यही बात वहां क्यों नहीं कह सकते? उन्होंने 4 मई, 2023 से जानबूझकर राज्य का दौरा करने से परहेज किया है, लेकिन वह देश और दुनिया भर में यात्रा कर रहे हैं। मणिपुर के लोग प्रधानमंत्री द्वारा की जा रही इस उपेक्षा को समझ नहीं पा रहे। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राज्य में हुए जातीय संघर्ष के लिए मंगलवार को माफी मांगी।

सभी को 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं !

रिश्वतखोरी में गिरफ्तार सीबीआई इंस्पैक्टर का पदक वापस

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): केंद्र सरकार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निरीक्षक राहुल राज को 2023 में जांच में उत्कृष्टता के लिए प्रदान किए गए केंद्रीय गृह मंत्री के पदक को वापस ले लिया है। राज को एजेंसी ने कथित तौर पर 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा था और उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया था। यह कार्रवाई सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद की सिफारिश पर की गई है, जिन्होंने एजेंसी की आंतरिक सतर्कता प्रक्रिया में सामने आए भ्रष्ट तत्वों पर कार्रवाई की है। एक अधिकारी ने बताया कि 2023 में प्रतिष्ठित पदक पाने वाले राज को 19 मई को मलय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के अध्यक्ष अनिल भास्करन और उनकी पत्नी सुमा अनिल से 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया था।

महाकुंभ मेले में गूंजी किलकारी

प्रयागराज, (पंजाब केसरी): संगम नगरी प्रयागराज में लगे महाकुंभ में स्थापित अस्थाई सेंट्रल हॉस्पिटल ने अपनी सेवाएं देना शुरू कर दी हैं। इस हॉस्पिटल में दो महिलाओं की डिलीवरी कराई गई. खास बात ये है कि एक महिला ने बेटे को तो दूसरी ने बेटी को जन्म दिया है। दोनों महिला सफाईकर्मी हैं। जिनकी डिलीवरी महाकुंभ क्षेत्र में बने हॉस्पिटल में हुई है, इसीलिए हॉस्पिटल और परिजनों की सहमित से बालक का नाम 'कुंभ' तो बालिका का नाम 'गंगा' रखा गया है।

बालक का जन्म डॉ. वर्तिका और बालिका का डॉक्टर नूपुर श्रीवास्तव के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने कुशलतापूर्वक संपन्न कराया है। अस्पताल के अंदर खुशी का माहौल है। डॉक्टर और परिजनों का कहना है कि महाकुंभ क्षेत्र में भगवान के रूप में 'कुंभ' और 'गंगा' का जन्म हुआ है। दरअसल, कौशाम्बी की रहने वाली 20 वर्षीय सोनम सफाईकर्मी हैं।

आज से बदल जाएंगे कई नियम, मिडिल क्लास पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): हर साल की तरह नए साल से कई नए बदलाव होने वाले हैं। जिनका असर आम आदमी की जेब पर पड़ सकता है। इनमें यूपीआई पेमेंट से लेकर गैस सिलेंडर के दाम और एफडी के अलावा कई अन्य चीजें शामिल हैं।

एलपीजी की कीमतों में हो सकता है बदलाव

जनवरी 2025 में एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है क्योंकि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत फिलहाल 73.58 डॉलर प्रति बैरल है। बता दें कि तेल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतों की रिव्यू करती हैं।

फिक्स्ड डिपॉजिट के नियम बदलेंगे

बैंक ग्राहकों को ध्यान देना चाहिए कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट से संबंधित नियम भी 1 जनवरी, 2025 से बदल जाएंगे।

किसानों को राहत की उम्मीद

RBI ने 1 जनवरी, 2025 से किसानों को बिना गारंटी के मिलने वाले लोन की सीमा को बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया है। पहले यह सीमा 1.60 लाख रुपये थी।

जीएसटी नियमों में हो सकता है बदलाव

1 जनवरी, 2025 से करदाताओं को सख्त जीएसटी अनुपालन नियमों का सामना करना पड़ेगा और महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक अनिवार्य मल्टी-फैक्टर प्रमाणीकरण (एमएफए) है। इसे धीरे-धीरे जीएसटी पोर्टल तक पहुंचने वाले सभी टैक्सपेयर्स के लिए लागू किया जाएगा।

यूपीआई की लेनदेन सीमा बढ़ेगी

1 जनवरी, 2025 से यूपीआई के लिए लेनदेन सीमा बढ़ा दी जाएगी। पहले, अधिकतम लेनदेन सीमा 5,000 रुपये थी। इसे अब 1 जनवरी, 2025 से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दी जाएगी।

ईपीएफओ मेंबर्स के लिए एटीएम सुविधा

ईपीएफओ में रजिस्टर्ड 7 करोड़ से अधिक कर्मचारियों को नए साल पर एक खास तोहफा मिलेगा क्योंकि केंद्र एटीएम से पीएफ निकालने की सुविधा देगी।

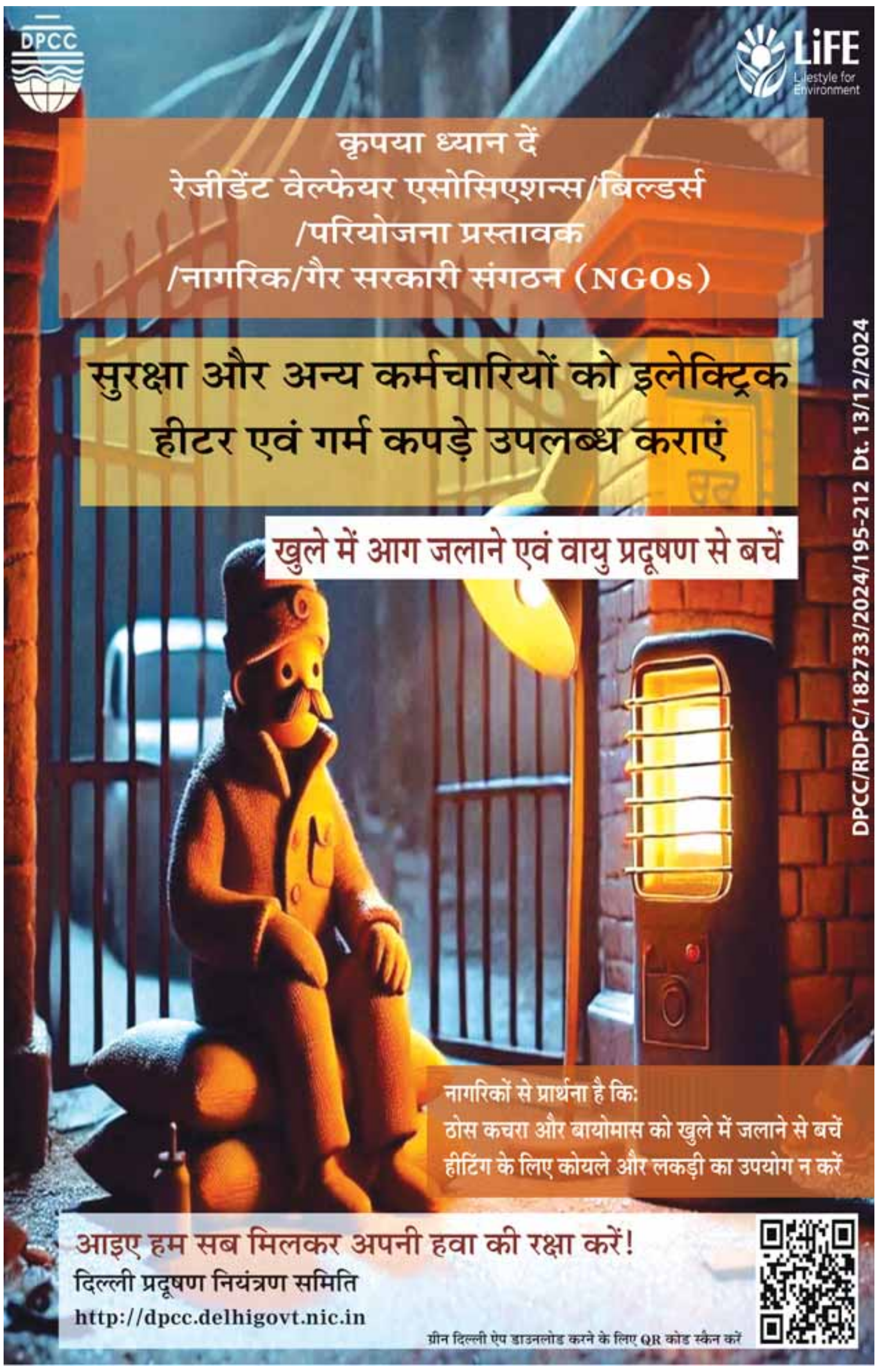

गिरावट — आरबीआई ने ऋण को बट्टे खाते में डालने में तेज वृद्धि पर भी चिंता जताई

बैंकों का एनपीए 12 साल के निचले स्तर पर

मुंबई, (पंजाब केसरी) : बैंकों की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार जारी है और उनकी सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) या खराब ऋण अनुपात सितंबर, 2024 में घटकर 12 साल के निचले स्तर 2.6 प्रतिशत पर आ गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कर्ज चुकाने में चूक की कमी और स्थिर ऋण मांग के चलते ऐसा हुआ। आरबीआई ने ऋण को बट्टे खाते में डालने में तेज वृद्धि पर भी चिंता जताई। खासकर निजी क्षेत्र के बैंकों (पीवीबी) के बीच ऐसा देखा जा रहा है। इससे बिना गारंटी वाले ऋण खंड में बिगड़ती संपत्ति गुणवत्ता को छुपाया जा सकता है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के दिसंबर, 2024 अंक के अनुसार, शुद्ध एनपीए अनुपात लगभग 0.6 प्रतिशत था। रिपोर्ट भारतीय वित्तीय प्रणाली की जुझारू क्षमता और वित्तीय स्थिरता के जोखिमों पर वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के सामूहिक मूल्यांकन को दर्शाती है।

इक्विटी मूल्यांकन में वृद्धि, माइक्रोफाइनेंस ऋणों पर नजर रखें बैंक

आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि इक्विटी मूल्यांकन में वृद्धि, माइक्रोफाइनेंस और उपभोक्ता ऋण खंडों में तनाव की स्थिति और बाहरी स्पिलओवर से जोखिम जैसी कमजोरियों पर कड़ी निगरानी की आवश्यकता है। वैश्विक विनियामक पहलों ने तकनीकी प्रगति, साइबर सुरक्षा खतरों और तीसरे पक्ष पर निर्भरता से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों और सीमा पार भुगतान प्रणालियों में कमजोरियों को दूर करना प्राथमिकता बनी हुई है।

विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना में 17,581 करोड़ का निवेश

सरकार ने कहा कि कंपनियों ने अक्टूबर, 2024 तक विशेष इस्पात के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 17,581 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सरकार ने देश में 'विशेष इस्पात" के उत्पादन को प्रोत्साहित करने और पूंजी निवेश आकर्षित करके आयात कम करने के मकसद से इस क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना शुरू की है। इस्पात मंत्रालय ने बयान में कहा कि कंपनियां अक्टूबर, 2024 तक 17,581 करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी हैं। इससे 8,660 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं।

केला निर्यात को एक अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य

समुद्री मार्ग से नीदरलैंड जैसे देशों को ताजे केले की सफलतापूर्वक परीक्षण खेप का निर्यात करने के बाद भारत अब रूस को इस फल का निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य बना रहा है। सोमवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। भारत ने आने वाले वर्षों में एक अरब डॉलर के केला निर्यात का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में, भारत से केले सहित अधिकांश फलों का निर्यात कम मात्रा और अलग-अलग पकने की अवधि के कारण हवाई मार्ग से हो रहा है।

निर्यात का आकार बढ़ाने के लिए भारत केले, आम, अनार और कटहल जैसे ताजस फलों और सब्जियों के लिए समुद्री प्रोटोकॉल विकसित कर रहा है ताकि समुद्री मार्गों के माध्यम से उनके निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।

बीते साल की महत्वपूर्ण घटनाओं ने बदल दी भारत की तस्वीर

साल 2024 खत्म होने वाला है। इस साल देश में कुछ ऐसी घटनाएं हुईं जिसने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। नया संसद भवन निर्माण और हाल ही में यहां हुए सांकेतिक हमले से लेकर उत्तरकाशी टनल हादसे तक कुछ ऐसी घटनाएं हुईं जिनकी चर्चा देश से लेकर विदेश तक में रहीं। इन मुद्दों ने लोगों के जहन में कई सवाल भी खड़े किए।

यही वह साल रहा जब देश की संसद ने लोकसभा एवं राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की 33 फीसदी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाया। इसी साल विपक्ष के बड़े नेता और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी लोकसभा के लिए अयोग्य घोषित हुए, और बाद में अपनी सांसदी बचाने के लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट में जाना पड़ा।

2024 द लास्ट सनसेट....

2024 की आखिरी शाम को सलाम... साल 2024 का सूर्यास्त मंगलवार को एक कैलेंडर वर्ष के साथ संपन्न हो गया। इसके साथ ही बीते साल हुई अच्छी-बुरी, खुशी-गम की अनेक किस्से-कहानियां अपने साथ जाता साल संजोकर ले गया। कोई अपनों से बिछड़ गया तो किसी के परिवार में कोई बिछड़ा मिल गया। खट्टे-मीठे अनुभव के साथ साल गुजर गया। बीते साल की यादें किसी न किसी रूप में हम सभी को अपना स्मरण करवाती रहेंगी, लेकिन उम्मीद पर दुनिया कायम है क्योंकि रात कितनी ही लंबी क्यों न हो, सवेरा जरूर होता है। डूबता सूरज जहां दिन भर की कार्य योजना और हमारे दैनिक जीवन की जिम्मेदारियों को संपन्न कराने का बोध कराता है, वहीं हर दिन नया सूरज, नया सवेरा, कुछ न कुछ नया जरूर लेकर आता है। सूरज का अस्त होना और उसका उदय होना ही पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन का बोध कराता है। बेशक हम दिनों को साल और कैलेंडर के माध्यम से याद करते हैं, लेकिन दुनिया तो हर दिन सूर्योदय और सूर्यास्त के साथ ही चल रही है और यूं ही चलती रहेगी...

-फोटो: मिहिर सिंह

अरेस्ट — ईडी की गिरफ्त में अरविंद

26 | जून सीबीआई ने कथित शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में केजरीवाल को अरेस्ट किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत ने सीबीआई को केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने की इजाजत दी थी। जब सीबीआई ने केजरीवाल को अरेस्ट किया तब वह पहले से ही ईडी मामले में हिरासत में थे।

रिहाई — जेल से बाहर आए केजरीवाल

13 | सितंबर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। करीब 156 दिनों के बाद अब वो जेल से बाहर आ गए। शराब घोटाले में उन्हें सीबीआई के केस में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी। आम आदमी पार्टी नेता और केजरीवाल मंत्रिमंडल में पूर्व डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया ने उनकी रिहाई को सत्य की जीत बताया है।

ब्लास्ट — सीआरपीएफ स्कूल के बाहर

20 | अक्टूबर दिल्ली के रोहिणी स्थित प्रशांत विहार इलाके में हुए धमाके से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। यह धमाका केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के स्कूल की दीवार के पास हुआ, जिसके बाद धुएं का एक बड़ा गुबार उठता देखा गया। धमाके की वजह से स्थानीय लोग घबराहट में आ गए, और आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गए।

हादसा — आईजीआई की छत गिरी...

28 | जून दिल्ली में बारिश की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (IGI) के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिर गई। हादसे में कार में बैठे एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई, 8 घायल हैं। टर्मिनल-1 पर डोमेस्टिक फ्लाइट के लिए पार्किंग एरिया में सुबह गाड़ियों की लंबी लाइन लगी थी। इसी दौरान पार्किंग की छत गिर गई। छत का भारी-भरकम हिस्सा और लोहे के तीन सपोर्ट बीम भी गाड़ियों पर गिर गए। इस दौरान यहां खड़ी कारें बीम में दब गईं।

हादसा... 7 बच्चों की हुई थी मौत

बेबी केयर सेंटर में लगी आग...

26 | मई को शाहदरा के विवेक विहार स्थित न्यू बोर्न बेबी केयर अस्पताल में ऑक्सीजन सिलिंडर फटने से भीषण आग लग गई। इस हादसे में सात नवजात बच्चों की मौत हो गई है। जबकि पांच बच्चों को इलाज दूसरे अस्पताल में भेजा गया।

उपलब्धि

दिल्ली की तीसरी महिला सीएम के रूप में आतिशी ने ली शपथ

21 | सितंबर को आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं हैं। उनसे पहले बीजेपी की ओर से सुषमा स्वराज और कांग्रेस की ओर से शीला दीक्षित दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। कांग्रेस की शीला दीक्षित 1998 में दिल्ली की सीएम बनी थीं। सुषमा स्वराज 1998 में केवल 52 दिनों के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं थीं।

दहशत — डर के साए में स्कूल गए छात्र...

दिल्ली एनसीआर के 150 से ज्यादा स्कूलों में बम की धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद पुलिस प्रशासन और अभिभावकों में अफरा-तफरी मच गई। इसे लेकर अभिभावकों और बच्चों में डर का माहौल है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने कहा कि स्कूलों में बम मिलने के झूठे मैसेज वायरल हो रहे हैं। अभिभावक इन अफवाहों पर ध्यान न दें।

अनहोनी — कोचिंग सेंटर में डूबे 3 यूपीएससी के छात्र

27 | जुलाई दिल्ली में एक शाम और दिल दहलाने वाली घटना हुई, बारिश के चलते ओल्ड राजेंद्र नगर के राउ आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया। इसमें डूबने से 3 स्टूडेंट की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शाम 7 बजे सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ को बुलाया गया। देर रात 3 स्टूडेंट के शव और 14 छात्रों को सुरक्षित निकाला गया।

एक तरफ ट्रेन में लगी आग तो दूसरी तरफ पलटी...

03 | जून दिल्ली के ओखला रेलवे स्टेशन पर ताज एक्सप्रेस ट्रेन ओखला-तुगलकाबाद ब्लॉक सेक्शन पहुंची तभी चार डिब्बों में आग लग गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुई। वहीं दूसरी तरफ जखीरा फ्लाइओवर के नीचे पलटी मालगाड़ी।

कीर्तिमान

मोदी ने तीसरी बार पीएम की शपथ लेकर रचा इतिहास

9 जून को नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को शपथ दिलाई। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा मैं 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने तथा देश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मंत्रिपरिषद के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'

आए राम... राम मंदिर उद्घाटन की खुशी

22 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या के राम मंदिर का उद्घाटन किया।

गम इनके जाने का हुआ दुख...

पूर्व पीएम... डॉ. मनमोहन सिंह

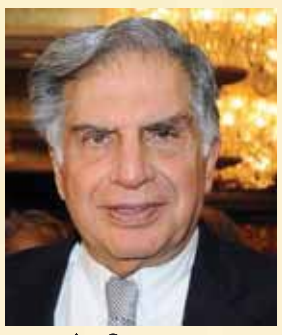
उद्योगपति... रतन टाटा

लोक गायिका... शारदा सिन्हा

तबलावादक...जाकिर हुसैन

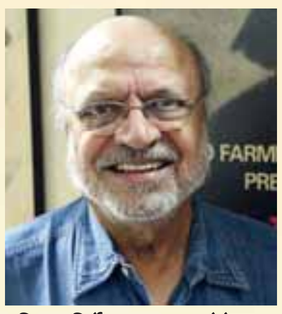
फिल्म निर्देशक... श्याम बेनेगल

गायक... पंकज उधास

जश्न... ये पल याद आएंगे...

सूर्यकुमार यादव का कैच...

मनु भाकर

नीरज चोपड़ा

शतरंज के बादशाह गुकेश डी

भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी ने कमाल कर दिया है। आंध्र प्रदेश के इस खिलाड़ी ने बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुश्किल समय में शानदार पारी खेली है और शतक जमाया है। नीतीश ने पर्थ टेस्ट मैच में अपना टेस्ट डेब्यू किया था।

केरल के वायनाड में भूस्खलन से 200 से अधिक मौतें हुईं...

सुर्खियों में रहा कोलकाता डॉ. रेप मर्डर केस...

हाथरस कांड में 123 की मौत...

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारत सरकार 03 जनवरी 2025 को ₹32,000 करोड़ के लिए प्रतिभूतियों की बिक्री की घोषणा

भारत सरकार ने दो दिनांकित प्रतिभूतियों की बिक्री (पुनर्निर्गम) की घोषणा की है :

क्र. सं.	प्रतिभूतियों के नाम	अधिसूचित राशि सांकेतिक (₹ करोड़ में)	खुदरा निवेशकों के लिए निर्धारित* (₹करोड़ में)
1	6.79% सरकारी प्रतिभूति 2034	22,000	1100
2	7.09% सरकारी प्रतिभूति 2074	10,000	500

भारत सरकार के पास उपरोक्त प्रत्येक प्रतिभूतियों में ₹2,000 करोड़ रुपए की सीमा तक, अतिरिक्त अभिदान बनाए रखने का विकल्प होगा।

यह बिक्री इस अधिसूचना में उल्लिखित नियमों और शर्तों के अधीन होगी। (जिसे 'विशिष्ट अधिसूचना') कहा गया है। यह नीलामी भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई - 400001 में, भारत सरकार द्वारा 27 मार्च 2018 को जारी सामान्य अधिसूचना एफ.स.4(2)- डब्ल्यू एंड एम/2018 में निर्दिष्ट नियम और शर्तों के अनुसार आयोजित की जाएगी।

ये नीलामिया **विविध मूल्य पद्धति** का प्रयोग करके भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई द्वारा **03 जनवरी 2025 (शुक्रवार)** को आयोजित की जाएंगी। इन नीलामियों के परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे और सफल बोलीकर्ताओं को **06 जनवरी 2025 (सोमवार)** को भुगतान करना होगा।

कृपया विस्तृत विवरण के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर **30 दिसम्बर 2024** की भारतीय रिज़र्व बैंक की प्रेस प्रकाशनी देखें।

खुदरा निवेशक ध्यान दें*
(*भविष्य निधियां, न्यास, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां, कंपनियां, हिंदू अविभक्त परिवार तथा अलग-अलग व्यक्ति)

खुदरा निवेशक किसी बैंक अथवा प्राथमिक व्यापारी के माध्यम से उनके लिए निर्धारित राशि हेतु गैर-प्रतिस्पर्धी आधार पर नीलामियों में हिस्सा ले सकते हैं। व्यक्तिगत निवेशक भी रिटेल डायरेक्ट पोर्टल (https://rbiretaildirect.org.in) के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसार बोली लगा सकते हैं। अधिक जानकारी, प्राथमिक व्यापारियों/बैंक शाखाओं की विस्तृत सूची और टेलीफोन नंबरों तथा आवेदन फॉर्मों के लिए रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) या फिम्डा की वेबसाइट (www.fimmda.org) देखें।

सरकारी प्रतिभूतियां सुरक्षा, चलनिधि तथा दीर्घ अवधि के लिए आकर्षक प्रतिफल प्रदान करती हैं।

" पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं "

हरियाणा बॉर्डर पर किसान आंदोलन...

Government of Haryana

HARYANA SHEHRI VIKAS PRADHIKARAN
Offers e-Auction of
Residential, Commercial, Institutional Properties and Multi Storey Apartments

Date: 21 to 28 January, 2025

Date of e-auction	Category	Name of Zones
21 January, 2025 (Tuesday)	Residential and Commercial properties (Preferential)	All Zones
22 January, 2025 (Wednesday)	Residential and Commercial properties	Panchkula and Hisar Zone
23 January, 2025 (Thursday)	Residential and Commercial properties	Rohtak and Faridabad Zone
24 January, 2025 (Friday)	Residential and Commercial properties	Gurugram Zone
25 Januray, 2025 (Saturday)	Nursing Home and Clinic Site, All School Sites	All Zones
28 January, 2025 (Tuesday)	Major Sites (Commercial Sites, Shopping Mall, Hospitals and Institutional Sites) and Multi Storey Apartments	All Zones

Registration will close one day before the scheduled date of e-Auction, at 5 pm.
e-Auction will start at 10:00 AM

Loan Facility From Leading Banks
*Terms And Conditions Applicable
*Any Individual, Company & Society can participate in this e-Auction.

* The competent authority can withdraw any site from e-auction without any notice.
HSVP e-Auction portal link available on https://hsvphry.org.in
For any queries email us at eauctioncell.hsvp@gmail.com

EPABX - 0172-2567858, 2587185
*In case the closing date of EMD is bank holiday in that case the last bank working day will be the last date of close of EMD through challan.
In continuation to the advertisement published on 27.12.2024

Chief Administrator
Haryana Shehri Vikas Pradhikaran
The detailed information of the sites and terms & conditions of e-auction will be available on https://hsvphry.org.in.

SAMVAD R.O. No. 1083/13/350/2025/31412/142/7 Dt. 31/12/2024

पंजाब केसरी क्लासीफाइड

आवश्यकता

कम्प्यूटर ऑपरेटर

आवश्यकता है ऑनलाइन कार्य हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर सेक्टर 4 रोहिणी 8920860212
1263950

ज्योतिष

खुला चैलेंज शक्ति चमत्कार देखें 11 घंटों में समाधान बाबा पठान बंगाली लव मैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण, पति-पत्नी अनबन, सौतन, दुश्मन, मुठकरनी (दिल्ली)# 7500542070
1263882

पोल्ट्री

एनईसीसी दिल्ली क्षेत्र में आज (01.01.2025) के लिए सुझाया गया फार्म-गेट अण्डे का रेट ₹ 630/- रुपये प्रति 100 अण्डे (व्यापार और उद्योग की जानकारी के लिए) है।
1250396

खोया-पाया

Vishal Negi S/o Laxmi Kant Singh, Khasra No. 49/16 Plot No. 128, Gali No. 37/2-A, B-Block, Kaushik Enclave, Burari Delhi-84 have lost my Second Semester Marksheet of Diploma in Medical Laboratory Technology of VMMC & SJH (Board of Technical Educationl).
1263905

नाम परिवर्तन

मेरे शैक्षिक दस्तावेजों में मेरा नाम KM. Shalo तथा पिता का नाम Kaleechran Sharma व माता का नाम Kamalesh Sharma अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड व पेनकार्ड में मेरा नाम Shalo Sharma तथा पिता का नाम Kalicharan Sharma व माता का नाम Kamlesh Sharma है। दोनों ही मेरे सही नाम हैं। निवासी तहसील खुर्जा जिला बुलंदशहर उत्तरप्रदेश। 1263937

I, Kalavathi B D/o Kuruba Bandi Chinna Kondanna R/o F No. 402 4th Floor Megas Orchid Apartment, Pattandur, Agrahara ECC Road, Whitefield, Bengaluru, Karnataka-560066 have changed my name to Kala Bandi.
1263957

I, Sherrin Dham D/o Dr. Kawaldeep Dham R/o 12/7, 2nd Floor, East Patel Nagar, New Delhi-110008 have changed my name to Sherrin Kaur Dham for all purposes.
1263945

It is for general information that I, Trishkant S/o Vinod Kumar Residing at 30/62-A, Street No.8, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032 declare that name of mine has been wrongly written as Trishkant Nimish in my X and XII Class Educational Documents. The actual name of mine is Trishkant which may be amended accordingly.
1263944

नाम परिवर्तन

It is for general information that I Mohan Shyam Sharma S/o Lakshmi Narayan, R/o 12741, nandgaon road bye pass, Kosikalan (Rural), Mathura, Uttar Pradesh-281403 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Mohan Shyam and Madhu in my minor daughter Unnati aged 17 years in her 10th class educational document and the name of my minor daughter has been wrongly written as Urvashi Sharma in her Adhar card no. 8921 0949 1909, The actual name of mine, my wife and my minor daughter are Mohan Shyam Sharma, Madhu Sharma and Unnati, which may be amended accordingly.
1263940

I, Khyati Sharma W/o Rohan Sharma R/o B-3/71, FF, Safdarjung Enclave, New Delhi-29, my name Khyati Singhal written in my Driving Licence No. P08012005423013, my correct name post marriage is Khyati Sharma.
1263943

मैं, एहतेशाम जावेद पुत्र मोहम्मद जावेद आलम निवासी एच-470, जैतपुर एक्सटेंशन पार्ट-2, बदरपुर, नई दिल्ली-110044 गलती से मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम जावेद आलम लिख दर्ज हो गया है जबकि मेरे पिता का वास्तविक नाम मोहम्मद जावेद आलम है।
1263946

I, Noushaba Khatoon W/o Aslam Ansari R/o I-10, Vijay Vihar, Phase-1, Delhi-110085, have changed my name to Naushaba Khatoon.
1263952

I, Divesh Bansal S/o Rajbir Bansal R/o A-10, Vijay Vihar, Phase-2, Delhi-110085, have changed my name to Divessh Bansal.
1263951

I, Dimple Khanna w/o Shri Ashutosh Khanna R/o 14, Popular Appartment, Sector-13, Rohini, Delhi-110085, Declare that I have changed my daughter name Zara Khanna To Ishaani Khanna For all Future purposes.
1263949

I, Sapna Anand Spouse of 649285A Ex. Sgt. Shrikrishna Anand Resident of 318, Starlite Apartment, Sector 14, Rohini, Delhi-110085, have changed my name from Sapna Anand to Chander Kala Anand vide affidavit dated 28.12.2024 at Delhi..
1263938

I, Anuradha W/o Narender Kumar, R/o Harijan Basti, Dallupura Village, Vasundhra Enclave, Delhi-110096, do hereby declare that my minor son Shreyansh aged 04 years has been adopted by Parkasi Devi W/o Late Jagram Singh, R/o Harijan Basti, Dallupura Village, Vasundhra Enclave, Delhi-110096, vide sub registrar East Geeta Colony Registration No.-2024/4/III/2245 in Book No.-3 Vol No.-1423, Dated-27/09/2024. 7000001

नाम परिवर्तन

I, Priyanshi D/o Sanjeet R/o H.No.1127, Shamshan Ghat Road VPO Bijwasan, Delhi-110061, in LIC Policy No.331400279 my name was written as Priyanka, whereas correct name is Priyanshi.
1263947

I, Vandana W/o Lalit Kumar R/o Pocket-2/113-114, 2nd Floor, Sector-25, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Vandana Saluja.
1263948

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक सूचना

मैं, राजेश कुमार पुत्र श्री हुकुम चंद पता: प्लॉट नंबर 9ए, रेल फैक्ट्री रोड, गोपाल नगर, नजफगढ़, नई दिल्ली - 110043, मेरे इस पते (Address) का राजवीर चावला दुरुपयोग कर रहा है, जिससे मेरा कोई लेना–देना नहीं है।

राजेश कुमार

कोर्ट नोटिस

IN THE COURT OF MS. RAJRANI
Judge Family Court North West Rohini New Delhi
Misc.:7/2019.
As per order

Sh. Jainder S/o Sh.Om Prakash R/o RZ-4, Gopal Nagar, Near Subzi Mandi Jharoda Road, Najafgarh, New Delhi-110043. Permanent Address: H. No.12, Mangu Panna, Tatesar Wala Rasta, Village Jaunti, Delhi ....Petitioner

Versus

Smt. Neelam W/o Sh. Jainder D/o Sh. Bhim Singh R/o Village Chhara, Ladyan Thole, P.O. Chhara, Distt. Jhajjar, Haryana .....Respondent

Notice:

To,
Smt. Neelam D/o Sh. Bhim Singh W/o Sh. Jainder, R/o Village Chhara, P.O. Chhara, District Jhajjar, Haryana.

WHEREAS......application has been made before me and you are hereby informed through this notice, on dated 06/03/2025 you are hereby required to appear in person or by pleader.

Sd/-
Judge Family Court North West Delhi, Rohini, New Delhi.

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5, कायदा 1 व 5)
न्यायालय–प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, मेरठ।
आज्ञानुसार–श्री पदमाकर मणी त्रिपाठी (एच0जेएस0)
वाद संख्या–2754, सन् 2024

अनिल कुमार बालियान आयु लगभग 53 वर्ष पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी एम–15 टॉवर, फ्लैट नं0–103, 104 प्रथम तल अल्फा कोर्प ग्रूप हाऊसिंग कॉलोनी नियर अंशल टाऊन, मोदीपुरम, मेरठ। ....प्रार्थी/याची।

बनाम

श्रीमती सुनीता बालियान आयु लगभग 50 वर्ष पत्नी श्री अनिल कुमार बालियान पुत्री श्री वीरसैन निवासी पुरानी सिसौली नजदीक किसान भवन सिसौली, जिला–मुजफ्फरनगर। ....विपक्षी/रेस्पोडेन्ट।

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत अन्तर्गत धारा–13ए हिन्दू विवाह अधिनियम के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 14 माह 01 सन् 2025 बवक्त 10:00 बजे वास्ते डब्लू0 एस0/तनकीह के असालतान या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात दे सके, हाजिर और जवाब देही दावा की करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तमाल करना चाहते हो।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 12 सन् 2024ई0 जारी किया गया।

आदेशतः
वाद लिपिक, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, मेरठ।

पाठकों को परामर्श

पाठकों को परामर्श दिया जाता है कि वे विज्ञापनों के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई करने से पहले तथ्यों की समुचित जांच स्वयं ही अवश्य कर लें, क्योंकि 'पंजाब केसरी' विज्ञापनदाताओं द्वारा किए गए किसी भी दावे की सच्चाई का न तो कोई आश्वासन देता है और न ही समर्थन करता है। इसलिए पाठकों को स्वयं ही अपने आधार पर सभी तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के लेन–देन के लिए यह समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं होगा।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय सुश्री राजरानी
न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय
उत्तर पश्चिम रोहिणी नई दिल्ली
Misc: 7 / 2019
आदेश के अनुसार

श्री जयइन्द्र पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी आरजेड–4, गोपाल नगर, सब्जी मंडी झारोदा रोड के पास, नजफगढ़, नई दिल्ली–110043
स्थायी पता: मकान नं. 12, मंगू पन्ना, तातेसर वाला रास्ता, गांव जौंती, दिल्ली ....याचिकाकर्ता

बनाम

श्रीमती नीलम पत्नी श्री जयइन्द्र पुत्री श्री भीम सिंह निवासी ग्राम छारा, लाडयान थोल, पी.ओ. छारा, जिला. झज्जर, हरियाणा ... प्रतिवादी

सूचना:

सेवा में,
श्रीमती नीलम पुत्री श्री भीम सिंह पत्नी श्री जयइन्द्र, निवासी ग्राम छारा, पी.ओ. छारा, जिला झज्जर, हरियाणा।

चूँकि.....ने अर्ज़ी दी है अतः आपको इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि तारीख़ 06.03.2025 को स्वयं या वकील के ज़रिए हाज़िर हों।

हस्ता / –
न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय
उत्तर पश्चिम दिल्ली, रोहिणी, नई दिल्ली

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Ms. Jyoti Grover
Civil Judge (Junior Division), Gurugram
LAXMI RAJPAL AND ORS
Vs.
PANKAJ AND ORS
CNR No. HRGR02-004996-2024
Next Date :- 10.02.2025
PUBLICATION ISSUED TO DEFENDANT NO. 2
ROHIT S/O SH. VIVEK KUMAR
R/O H. NO. N-263A, BLOCK-N MAYFIELD GARDEN, GURUGRAM

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 10.02.2025 at 10:00 a.m. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district Notice & district=Gurugram

-Sd./-, Civil Judge (Junior Division),
Seal Gurugram
Dated this day of 23.12.2024

अपने विज्ञापन के लिए चुनिए सही शीर्षक

- डिटेक्टिव सर्विस
- पासपोर्ट/वीजा
- पैकर्स एण्ड मूवर्स
- विज्ञापन संबन्धी
- कैटरर्स
- कूरियर
- कंसलटैंसी
- विविध सेवाएँ
- इंटीरियर डेकोरेशन
- पैस्ट कन्ट्रोल
- कानूनी
- वास्तु
- ज्योतिष
- ब्यूटी पार्लर
- हैल्थ क्लब
- चिकित्सा
- रेकी
- टूर एण्ड ट्रैवल्स
- एस.टी.डी./पी.सी.ओ.
- रजिस्ट्रेशन/ट्रेडमार्क
- रेफ्रीजरेशन
- एयरकंडीशनिंग

कनॉट प्लेस में कड़ी सुरक्षा में नए साल का मना जश्न

सर्द रात में डीसीपी ट्रैफिक ढाल सिंह पटेल सड़क पर स्टाफ के बीच आए नजर, जवानों का बढ़ाया हौसला

फोटो: अमित श्रीवास्तव/नीरज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस में नए साल का जश्न कड़ी सुरक्षा के बीच धूमधाम से मनाया गया। यहां अधिकांश होटलों, रेस्टोरेंट, बार आदि में पूर्व ही बुकिंग हो चुकी थी। ऐसे में दिल्ली पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं यातायात को लेकर व्यापक बंदोबस्त किए गए थे। कनॉट प्लेस में ज्यादा भीड़ न जुटे और कानून-व्यवस्था बनी रहे। इसके लिए कनॉट प्लेस की ओर आने वाले रास्तों को ट्रैफिक पुलिस व लोकल पुलिस ने बैरिकेट्स लगाकर बंद कर दिए। जिन लोगों के पास होटलों व रेस्टोरेंट में बुकिंग की रसीद या एंट्री पास था, सिर्फ उन्हें ही सीपी में एंट्री मिली। सीपी में यातायात व्यवस्था को और पुख्ता करने व सर्द रात में जवानों का हौसला बढ़ाने के लिए खुद डीसीपी ट्रैफिक ढाल सिंह पटेल सड़क पर नजर आए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक नए साल की पूर्व संध्या पर सीपी समेत दिल्ली भर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 20 हजार से अधिक पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान तैनात किए गए।

डीसीपी ट्रैफिक ढाल सिंह

वहीं नव वर्ष की पूर्व संध्या पर कनॉट प्लेस समेत पूरी दिल्ली में जगह यातायात के व्यापक प्रबंध नजर आए। सीपी में डीसीपी न्यू दिल्ली ट्रैफिक ढाल सिंह पटेल स्टाफ के साथ नजर आए। सीपी में पुलिस टीमें जगह-जगह नशे में वाहन चलाने वालों पर पैनी नजर रखे हुए थीं।

डीसीपी ने स्टाफ को सख्त निर्देश दिए थे नशे में वाहन चलाने वालों से सख्ती से निपटा जाए। वे बचने के लिए बहाने बनाएंगे और सिफारिशें लगावाएंगे, मगर उनका कोई बहाना और कोई सिफारिश न सुने। नशे में गाड़ी चलाने वाला आगे खुद की व किसी और की जान के लिए घातक हो सकता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि नए साल पर मुख्य रूप से कनॉट प्लेस, हौज खास तथा इंडिया गेट जैसे लोकप्रिय स्थलों पर टीमों ने पैनी नजर रखी। प्रमुख स्थानों पर 'एल्कोमीटर" से लैस 50 टीम तैनात की गई थीं।

चाय पर चर्चा के दौरान दिल्ली के युवाओं को सुरक्षा संबंधित जानकारी देते स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर मधुप तिवारी।

नशे के खिलाफ किया जागरूक... दिल्ली ट्रैफिक पुलिस नए साल के मौके पर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करती हुई नजर आई। ट्रैफिक पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो भी शेयर किया। जिसमें दिखाया कि शराब पीकर गाड़ी चलाना या नशे में पुलिस से बचकर भागना किस तरह जानलेवा हो सकता है।

नए साल पर दमकल विभाग रहा अलर्ट

दिल्ली दमकल विभाग ने नए साल की पूर्व संध्या के दौरान वाइब्रेंट सेलिब्रेशन और बड़ी भीड़ की आशंका को देखते हुए एहतियात के तौर पर प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा के उपाय बढ़ा दिए। इन जगहों पर दमकल की गाड़ियां तैनात नजर आईं। चिन्हित क्षेत्रों की सूची में कनॉट प्लेस, एयरो सिटी, अंसल प्लाजा, पालिका बाजार, पैसिफिक मॉल, रानी बाग मार्केट, हौज खास विलेज मार्केट, छतरपुर, लाजपत नगर, मजनू का टीला, गांधी नगर मार्केट, मुखर्जी नगर, कालकाजी मंदिर क्षेत्र और गुरु हनुमान मार्ग शामिल हैं। इसके अलावा सभी फायर स्टेशन को अलर्ट मोड पर रखा गया।

नजमा खान भारत में बसने के लिए बन गई काजोल

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारत में अवैध रूप से बसने के लिए बांग्लादेश की रहने वाली नजमा खान ने अपना नाम काजोल रख लिया। वह साल 2005 में तीन साल के बेटे के साथ अवैध रूप से भारत आई थी। डीसीपी (साउथ-वेस्ट) सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि भारत में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान साउथ कैंपस थाना पुलिस ने दोनों मां-बेटे की जोड़ी को पकड़ा है। कानूनी प्रक्रिया के बाद दोनों को वापस बांग्लादेश के लिए डिपोर्ट कर दिया गया है। यहां बता दें कि इसे पहले जिला पुलिस ने आठ बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया था। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि नजमा खान नाम की महिला अपने तीन वर्षीय बेटे नईम खान के साथ सुंदर गुना, विभाग-खुलना, बांग्लादेश से वर्ष 2005 में अवैध रूप से भारत आई थी।

भारतीय मूल की युवती से शादी कर अवैध रूप से रह रहा था बांग्लादेशी नागरिक, गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के सरोजिनी नगर थाना पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अख्तर शेख के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ 28 नवंबर को 2024 को एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। जमानत मिलने के बाद से आरोपी फरार हो गया था। पुलिस इस मामले में उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने फिलहाल आरोपी को एफआरआरओ को आरोपी की संबंधित जानकारी भेज दी है। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सरोजनी नगर थाना पुलिस ने गत 28 नवंबर को एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी मोहम्मद अख्तर शेख को गिरफ्तार किया था। जमानत मिलने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था।

चीन से ऑपरेट हो रहा ठगी का रैकेट, 5 अरेस्ट

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दक्षिणी पश्चिमी जिले की साइबर पुलिस ने आनलाइन शेयर बाजार में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को जांच में पता चला है कि लोगों से ठगी करने वाला गिरोह चीन व अन्य देश में बैठे लोग ऑपरेट कर रहे हैं।

हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले चार आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के एटीएस स्टाफ ने मुठभेड़ के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में एक आरोपी के पैर में गोली लगी। पकड़े गए आरोपियों की पहचान घायल रोहित कपूर (35) और उसके सहयोगी रिंकू उर्फ सागर (40), राहुल कुमार (34) व सुमित (35) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी रोहित कपूर और रिंकू उर्फ सागर पर पहले से 80 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज है और दोनों घोषित बदमाश है। वहीं, राहुल पर छह और सुमित पर दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से चार पिस्टल, आठ कारतूस, चाकू और चार वाहन बरामद किए है। इनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस 16 मामले सुलझाने का दावा कर रही है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में दिल्ली के अलग-अलग थानों में हथियार के बल पर डकैती की कुछ घटनाएं दर्ज की गईं। बदमाश पीड़ितों से सोने व चांदी के आभूषणों की चोरी कर रहे थे। जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपी वारदात को अंजाम देने के लिए शारीरिक नुकसान पहुंचाने से भी नहीं डर रहे थे। घटनाओं की देखते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए लोकल पुलिस स्टेशनों के साथ-साथ लोकल पुलिस को भी जिम्मा सौंपा गया। आरोपियों को एसीपी ऑपरेशन अरविंद यादव के नेतृत्व में इंस्पेक्टर मनीष (एटीएस), इंस्पेक्टर अनुज यादव (एंटी-नारकोटिक्स), एसआई अनिल चिकारा, एसआई नरेश कुमार, एएसआई दशरथ, हेड कांस्टेबल अनिल और कांस्टेबल मनीष की बनाई गई टीम ने पकड़ा है। टीम ने इलाके में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस को फुटेज की मदद से आरोपियों के वाहन व उनके बारे में जानकारी मिली। इसी बीच गत 29 दिसंबर को ऑपरेशन टीम को दो व्यक्तियों के ठिकाने के बारे में गुप्त सूचना मिली। ये आरोपी दिल्ली-मध्य प्रदेश में हथियार के बल पर डकैतियों के कई मामलों में वांटेड थे। टीम ने शाम करीब 4:30 बजे दोनों आरोपियों को पंजाबी बाग के मादीपुर के सीमेंट साइडिंग इलाके के देखा। पुलिस ने उनका रास्ता रोका और उन्हें रुकने के लिए कहा।

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 31.01.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

काम का नाम (स्थान के साथ)	ए. सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–II के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/डी.के.जेड.–I के कार्य क्षेत्र में अत्यधिक सघन क्षेत्र में अतिक्रमण को रोकने के लिए चारदीवारी का निर्माण।
	बी. सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–II के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/डी.के.जेड.–II के कार्य क्षेत्र में डीकेजेड–II रेलवे कॉलोनी में ब्लॉक संख्या 158–170 की क्षतिग्रस्त सनशेड में सुधार और छतों की मरम्मत के कार्य हेतु।
	सी. सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–III के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/निज़ामुद्दीन के कार्य क्षेत्र में सेवा नगर कॉलोनी, चाणक्यपुरी ऑफिसर्स एन्कलेव, लाजपत नगर कॉलोनी, सरोजिनी नगर रेलवे कॉलोनियों में पुरानी पाइप लाइनों के स्थान पर नई पाइप लाइनों का प्रावधान तथा जलापूर्ति व्यवस्था/पीवीसी टैंकों में सुधार एवं एमआर और एमएसओआर में कैंप कार्यालय की मरम्मत के कार्य हेतु।
	डी. सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–III के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/सरदार पटेल मार्ग के कार्य क्षेत्र में एस.पी. मार्ग और बरार स्क्वायर में साइड प्लास्टर की मरम्मत और बाहर से बाहरी सफेदी कार्य हेतु।
	ई. सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–III के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/निज़ामुद्दीन के कार्य क्षेत्र में चाणक्यपुरी रेल एन्कलेव में एसएसई/वर्क्स ऑफिस परिसर का निर्माण कार्य हेतु।
काम की लागत (₹)	ए. ₹93,94,612.73 बी. ₹74,99,980.00 सी. ₹3,28,71,742.05 डी. ₹1,44,99,943.52 ई. ₹54,99,999.20
धरोहर राशि (₹)	ए. ₹1,87,900/- बी. ₹1,50,000/- सी. ₹3,14,400/- डी. ₹2,22,500/- ई. ₹1,10,000/-
समापन अवधि	ए. 04 महीने बी. 06 महीने सी. 06 महीने डी. 06 महीने ई. 06 महीने

1. उपरोक्त निविदा वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
पत्र सं.: 128–डब्ल्यू/269/निविदा सूचना/24–25/डब्ल्यू–ई/
टेंडर नं. 20–ए,बी, सी, डी, ई दिनांक: 30.12.2024 3995/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना : अधोहस्ताक्षरी द्वारा विद्युत नगरीय वितरण मण्डल-महानगर, जानकीपुरम् क्षेत्र, मविविनिलि, लखनऊ के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु उ.प्र. सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट पर ई-निविदायें दो भागों में आमंत्रित की जाती है, निविदाओं का विवरण निम्नवत् है:- **S.N.**1. **E-Tender No.** : 35/EUDC-Maha/J.Z/2024-2025, **Earnest MoneyRTGS/ NEFT/ IMPS only (Refundable) :** 8000.00, **Tender Document Fee+18% GST through RTGS/NEFT only (Non Refundable) :** 1000+180 =1180 (Inclusive GST), **Bid Submission date & time :** 09.01.2025 Time 14:00 pm, **Technical Bid opening Date & time :** 10.01.2025 Time 14:00 pm, **Short Detail of work :** विद्युत नगरीय वितरण खण्ड-विश्वविद्यालय के अन्तर्गत जमा योजना में प्रस्तावित एल.टी. लाइन एवं 11 के.वी. लाइन का निर्माण कार्य, पोल/लाइन स्थानान्तरित करने, विभिन्न क्षमता के परिवर्तकों को स्थापित करने तथा परिवर्तकों को ऊर्जीकृत करने हेतु। इच्छुक फर्मों द्वारा ई-निविदा के सापेक्ष उ.प्र. सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट पर निर्धारित तिथि तक निविदा शुल्क (जी.एस.टी. सहित) एवं धरोहर धनराशि उपरोक्त तालिका के अनुसार जो अधिशासी अभियन्ता, विद्युत नगरीय वितरण खण्ड, महानगर के पंजाब नेशनल बैंक, महानगर, लखनऊ के खाता सं.-0758002100027903, आई.एफ.सी. कोड PUNB0075800 में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा करना होगा। निविदा शुल्क (जीएसटी सहित) एवं धरोहर धनराशि RTGS/NEFT के माध्यम से जमा करने के साक्ष्य स्वरूप यू.टी.आर. संख्या, पे-इन-स्लिप (Copy of issued Bank confirmation mail) की मूल प्रति निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर प्रपत्र में इंगित आवश्यक प्रपत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रतियों के साथ प्रस्ताव निर्धारित तिथि तक अपलोड किये जा सकते हैं। ई-निविदा का प्रथम भाग (तकनीकी बिड) निर्धारित तिथि को समय 14:00 बजे खोला जायेगा तद्नुसार तकनीकी विश्लेषण के उपरान्त निविदा में अर्ह फर्मों का द्वितीय भाग (फाइनेन्शियल बिड) खोला जायेगा। निविदा खुलने की तिथि पर सार्वजनिक अवकाश की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में नियत समय पर खोली जायेगी। भविष्य में सम्बन्धित निविदा में यदि कोई संशोधन अथवा निविदा खोलने की तिथि में विस्तार होता है, तो उसकी सूचना उ.प्र. सरकार की ई-टेन्डर वेबसाइट https://etender.up.nic.in तथा मध्यांचल की वेबसाइट https:// mvvnl.in पर उपलब्ध करायी जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को एक अथवा समस्त निविदा प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त / विभक्त करने का अधिकार सुरक्षित है। **हेल्पलाइन नम्बर 0522-4957729 "राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बल्ब की जगह एल.ई.डी. लगायें" हस्ता./- अधीक्षण अभियन्ता वि.नं.वि.म.-महानगर 'जानकीपुरम् क्षेत्र, लखनऊ। पत्रांक : 4333 दिनांक : 31.12.2024**

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पटना सिटी भवन प्रमंडल, गुलजारबाग पटना।

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक– 2776 (अनु0) दिनांक 21.11.2024 द्वारा प्रेषित एवं तदनुसार सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार पटना के पी0आर0 सं0– 13164 (BCD) 2024–25 के द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में पंचायत सरकार भवनों के निर्माण से संबंधित प्रकाशित ई–निविदा आंमत्रण सं0 09/2024–25 में निम्न के अनुसार तिथि एवं समय को विस्तारित किया जाता है:–

कंडिका		पूर्व निर्धारित तिथि	संशोधित तिथि
3	निविदा कागजात प्राप्त करने (डाउनलोड करने) की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 21.11.2024 से 01.01.2025 के 15:00 बजे तक।	दिनांक 20.01.2025 से 13.02.2025 के 15:00 बजे तक।
4	निविदा जमा करने (अपलोड करने) की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 02.01.2025 को 15:00 बजे तक।	दिनांक 15.02.2025 को 15:00 बजे तक।
5 (क)	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 04.01.2025 को 16.00 बजे	दिनांक 17.02.2025 को 16.00 बजे
5 (ख)	वित्तीय बिड खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 09.12.2024	दिनांक 24.02.2025 को 16.00 बजे

अन्य सभी शर्तें पूर्ववत् रहेगी।
विस्तृत जानकारी हेतु बेबसाईट state.bihar.gov.in/prdbihar /www.eproc2.bihar.gov.in पर देखा जा सकता है।

PR- 15848 (B C D) 2024-25

कार्यपालक अभियंता
पटना सिटी भवन प्रमंडल,
गुलजारबाग, पटना

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

सीएम आतिशी ने शुरू किया ग्रंथियों के लिए सम्मान योजना का रजिस्ट्रेशन

ग्रंथियों ने कहा- महाराजा रणजीत सिंह के बाद पहली बार किसी सरकार ने ग्रंथियों के बारे में सोचा...

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा सोमवार को घोषित की गई पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना के लिए मंगलवार को रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने करोलबाग स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचीं जहां उन्होंने ग्रंथियों का रजिस्ट्रेशन किया। इस दौरान ग्रंथियों ने आम आदमी पार्टी की प्रचंड जीत के लिए अरदास भी की। सीएम आतिशी ने कहा कि करोलबाग के गुरुद्वारा संत सुजान सिंह महाराज से हमने ग्रंथियों की इस योजना में रजिस्ट्रेशन की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन के दौरान सभी ग्रंथियों ने हमें और अरविंद केजरीवाल को आशीर्वाद दिया और कहा कि महाराजा रणजीत सिंह के बाद पहली बार कोई ऐसी सरकार आई है जिसने ग्रंथियों के बारे में सोचा है। चाहे मंदिर में पुजारी हो या गुरुद्वारा में ग्रंथी हो वो समाज के हर सुख-दुख में, परिवार के हर हर सुख-दुख में हमारे साथ होते है। जब पुजारी और ग्रंथी जीवन के हर सुख दुख में हमारे साथ है तो सरकार की भी ये जिम्मेदारी बनती है कि उनकी भी देखरेख करें। इसलिए इस पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा हुई है। सीएम आतिशी ने कहा कि मैं भाजपा से पूछना चाहती हूं कि क्या पुजारियों-ग्रंथियों को प्रतिमाह 18,000 रुपए की सम्मान राशि नहीं मिलनी चाहिए? मेरा भाजपा से हाथ जोड़कर निवेदन है कि, पुजारियों-ग्रंथियों का हमारी जिंदगी में एक बहुत सम्मान योग्य स्थान है और उनके नाम पर भाजपा राजनीति न करें।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक व कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने बदरपुर के मौजपुर मेट्रो स्टेशन के पास विजय पार्क में मंदिर के पुजारियों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया।

भाजपा हार के डर से हताश है: संजय सिंह

उधर, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि जब से अरविंद केजरीवाल ने पुजारियों और ग्रंथियों के लिए सम्मान राशि योजना की घोषणा की है तब से भाजपा पूरी तरह से बौखला गई है। उसको समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें? उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की इस योजना से अब भाजपा को लग रहा है कि उनके हाथ से बाजी खिसक गई। अगर भाजपा में जरा सी भी नैतिकता है। उनके मन में अगर जरा सा भी पुजारियों और ग्रंथियों के प्रति सम्मान है तो 20 राज्य में इनकी सरकार है वहां कहीं भी ऐसी योजना लागू करके दिखा दें। शुरुआत तो करो। पहले अपने-अपने राज्य में लागू करो ना। इसलिए भाजपा हार के डर से हताश है। चुनाव होने के पहले ही भाजपा बुरी तरह से चुनाव हार चुकी है।

वीरेन्द्र सचदेवा को नरसिंह हनुमान मंदिर के महंत ने दिया आशीर्वाद

प्रवीन खंडेलवाल और प्रवीण शंकर कपूर भी रहे मौजूद...

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): ऐतिहासिक नरसिंह हनुमान मंदिर चांदनी चौक के महंत गौरव शर्मा ने मंगलवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, सभी दिल्ली वालों और भाजपा परिवार को वर्ष 2025 के लिए मंगल कामनाएं दीं। सांसद प्रवीन खंडेलवाल को भी महंत ने मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर आदि की उपस्थिति में शुभकामनाएं दीं। महंत गौरव ने वर्ष 2025 के लिए मंगल आशीष दी और साथ ही दिल्ली के सभी हिन्दुओं से अनुरोध किया कि दिल्ली में हिन्दुओं के साथ छलावा करने वालों के झूठे वायदों के साथ गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, उन सभी सावधान रहें। उन्होंने कहा कि यह सब चुनावी घोषणाएं हैं और कुछ नहीं हैं। दिल्ली सरकार नई-नई स्कीम लेकर आ रही है। मगर कुछ होने वाला नहीं है, सभी महंत-पुजारी शुरू से ही सजग हैं। उन्होंने कहा कि मौलवियों मस्जिद के मौलाना को शुरू से लाभ देने का काम दिल्ली की आप सरकार ने किया है, मगर उन्होंने कभी पुजारियों की तरफ कभी नहीं देखा।

सीपी हनुमान मंदिर महंत के बयान के कारण मंदिर नहीं गए केजरीवाल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने चुनाव को देखते हुए पुजारी-ग्रंथी सम्मान राशि योजना की घोषणा तो कर दी, मगर वह यह भूल गए की पुजारी हमेशा से भाजपा से जुड़े रहे हैं और भलीभांति जानते हैं की केजरीवाल हमेशा से अयोध्या राम मंदिर का विरोध करते रहे हैं। पूर्व सीएम ने हनुमान मंदिर कनाट प्लेस से पुजारी सम्मान योजना लागू करने की घोषणा की, मगर वहां के महंत पं. सुरेश शर्मा ने इसे अस्वीकार कर दिया और उनका बयान मंगलवार सुबह प्रकाशित हुआ जिससे बौखलाकर केजरीवाल ने कनाट प्लेस हनुमान मंदिर नहीं जाने का निर्णय लिया और अपना बचाव करने लिए अचानक मरघट वाले हनुमान मंदिर के पुजारी के घर जा पहुंचे।

दिसंबर में पावर डिमांड ने बनाया नया रिकॉर्ड, 5213 मेगावाट पर पहुंचा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली में बढ़ती सर्दी के बीच बिजली की मांग ने भी दिसंबर में नया रिकॉर्ड बना दिया। साल के अंतिम दिन मंगलवार को बिजली की मांग 5,213 मेगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। यह इस महीने की अब तक की अधिकतम मांग है। दिसंबर में बिजली की यह अधिकतम मांग 5,000 मेगावाट के आंकड़े को पार करके 5,213 पर पहुंची। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) के अनुसार मंगलवार को सुबह 10:50 बजे बिजली की मांग 5,213 मेगावाट पहुंच गई। सोमवार को यह 5,046 मेगावाट तक रही थी। बीएसईएस के प्रवक्ता ने कहा कि बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) ने अपने-अपने क्षेत्रों में अब तक इस मौसम की अधिकतम बिजली मांग क्रमशः 2,194 मेगावाट और 1,038 मेगावाट को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी के वितरण क्षेत्रों में 3,900 मेगावाट से अधिक की अधिकतम बिजली मांग का 53 प्रतिशत हिस्सा हरित ऊर्जा के जरिये पूरा किया जाएगा।

शीला दीक्षित पर '360 पन्नों के सबूत' का बेटे संदीप ने केजरीवाल से मांगा हिसाब

संदीप भाजपा की कहानी को आगे बढ़ा रहे हैं : आप

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : कांग्रेस नेता व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित के आरोपों पर आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया है। आप का कहना की संदीप दीक्षित भाजपा की कहानी को आगे बढ़ा रहे हैं। यही कारण है कि वे प्रवेश वर्मा द्वारा नोट के बदले वोट विवाद में खुलेआम काला धन बांटने पर आंखें मूंद लेते हैं और दूरदर्शिताहीन भाजपा के साथ मिलकर सुबह से शाम तक अरविंद केजरीवाल को गालियां देते रहते हैं।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उतारे गए संदीप दीक्षित ने 'आप' सुप्रीमो पर जोरदार प्रहार किया है। पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप ने केजरीवाल से उनकी सरकार के कामकाज का हिसाब मांगा तो पुराने वादों की याद दिलाकर घेराबंदी की। संदीप दीक्षित ने केजरीवाल से यह भी पूछा कि 360 पन्नों के उस कथित सबूत का क्या हुआ जो वह उनकी मां शीला दीक्षित के खिलाफ दिखाया करते थे?

संदीप दीक्षित ने सवालों की बौछार करते हुए यह भी कहा कि वह अरविंद केजरीवाल और सीएम आतिशी के खिलाफ मानहानि का केस करके 10 करोड़ का दावा ठोकेंगे।संदीप दीक्षित ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अरविंद केजरीवाल पर सिलसिलेवार तरीके से सवाल दागे। उन्होंने कहा, 'पिछले 10-12 सालों में इन्होंने मेरी स्वर्गीय माता जी पर हमले किए थे, मैं उनसे सवाल पूछना चाहता हूं। या तो आम आदमी पार्टी मेरे सवालों का जवाब दे या सवाल पूछने बंद करे।' शीला दीक्षित पर लगाए गए आरोपों का जिक्र करते हुए संदीप ने कहा कि यदि केजरीवाल के पास एक भी सबूत था तो वह क्यों बाहर नहीं आया?

केजरीवाल सिर्फ वोट की राजनीति कर रहे हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सभी दिल्लीवासियों को नव वर्ष 2025 की शुभकामनाएं दी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि विधानसभा चुनावों में वोट हासिल करने के लिए अरविन्द केजरीवाल हर दिन नई - नई योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं परंतु सत्ता में आने के बाद शुरु की योजना के लिए फंड मुहैया कराने में सरकार के पास पर्याप्त साधन नहीं है। जब सरकार के पास पुरानी योजनाओं की राशि लोगों को देने के लिए नहीं है, तब केजरीवाल महिला सम्मान योजना, पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना आदि की घोषणा करके दिल्ली वालों को बेवकूफ क्यों बना रहे हैं, यह कांग्रेस नहीं दिल्ली की जनता जानना चाहती है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि मैं अरविन्द केजरीवाल से पूछना चाहता हूं कि आप मंदिरों में पुजारियों और गुरुद्वारे में ग्रंथियों का सम्मान राशि देने के लिए पंजीकरण कर रहे हैं, लेकिन मस्जिदों के मौलवी और मुआज्जिनों को मिलने वाला वेतन पिछले 18 महीनों से नही मिल रहा है, उस पर अरविन्द केजरीवाल या मुख्यमंत्री आतिशी ने चुप्पी क्यों साध रखी है, जबकि इमामों का वेतन वक्फ बोर्ड देता है। कल दिल्ली की मस्जिदों के इमामों और मुअज्जिनों ने अपने वेतन की मांग को लेकर लिए केजरीवाल निवास पर विरोध प्रदर्शन भी किया था।

कमलजीत सहरावत ने आप सरकार की विफलताओं पर चार्जशीट जारी की

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा की महामंत्री एवं पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत ने मंगलवार को पश्चिमी दिल्ली जिला कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आम आदमी पार्टी द्वारा पिछले 10 साल में उनकी विफलताओं और झूठे वायदों को उजागर कर दिल्ली सरकार के खिलाफ चार्जशीट जारी की।उन्होंने पश्चिमी दिल्ली लोकसभा की 10 विधानसभाओं में वायदों की पोल खोली। इस मौके पर पश्चिमी जिलाध्यक्ष चन्दरपाल बक्शी, नजफगढ़ जिलाध्यक्ष रमेश शोखंदा और जोन चेयरमैन अमित खड़खड़ी मौजूद रहे। कमलजीत सहरावत ने कहा कि दिल्ली सरकार पिछले 10 साल में कोई राशन कार्ड नहीं बना पाई है। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में 1,56,800 राशन कार्ड बनाने थे, लेकिन 2015 तक 68,000 राशन कार्ड ही बनाए गए। आखिर दिल्ली की जनता को केन्द्र सरकार की राशन योजनाओं से दूर क्यों रखा गया। तीन लाख से अधिक बुजुर्गों को 2015 से पेंशन नहीं दी गई। कच्चे कर्मचारियों चाहे वह गेस्ट टीचर्स हों, निगम कर्मचारी हों या फिर सिविल डिफेंस कर्मी हों, किसी को पक्का नहीं किया गया। दिल्ली में किसानों को किसान का दर्जा नहीं दिया गया।

CHHATTISGARH MEDICAL SERVICES CORPORATION LTD.
SOUTH-EAST COMMERCIAL COMPLEX, SECTOR-27, NAVA RAIPUR,
ATAL NAGAR, CHHATTISGARH-492015 (www.cgmsc.gov.in)

No. 12154 | Request for Proposal | Date: 31/12/2024

Chhattisgarh Medical services Corporation Ltd. invites Request For Proposal online through e-tender portal i.e. www.eproc.cgstate.gov.in from Central Public Sector Enterprises for appointment of Project Management Consultant for Planning, Designing, Construction, Furniture, IT (Networking) and maintenance during defect liability period on Quality Cost Based Selection (QCBS) methodology for the project in which the works would be as below: -

Comprehensive Technical Supervision & verification of work measurement & Bill, Quality assurance & maintaining necessary site records adherence to approved contract clause assist in finalizing construction program of 04 Medical Colleges at Janjgir-Champa, Kabirdham, Manendragarh & Geedam. The tentative cost of the project is Rs. 1020.00 Crore only.

The Bidder must not have been blacklisted by any Govt. (Central or State) at time of submission of bid. The Bidders are required to submit undertaking in this regard.

Name & description of work	RFP Document Fees	Bid Security/Earnest Money Deposit
Comprehensive Technical Supervision & verification of work measurement & Bill, Quality assurance & maintaining necessary site records adherence to approved contract clause assist in finalizing construction program of 04 Medical Colleges at Janjgir-Champa, Kabirdham, Manendragarh & Geedam.	Rs. 10000/- for the Project (RTGS/NEFT/Net Banking) (Non Refundable)	Rs. 50 Lacs for the Project (RTGS/NEFT /Net Banking) (Refundable)

Start date of download the tender and Bid Submission	Pre-Bid Meeting	Last date of bid Submission	Date of Opening of Technical Bid
10.01.2025 from 11:00 AM	17.01.2025 at 03:00 PM	31.01.2025 upto 05 PM	04.02.2025 at 11:00AM

Managing Director, Chhattisgarh Medical services corporation Ltd. Naya Raipur, Chhattisgarh reserves the right to accept or reject any application without assigning any reason or incurring any liability whatsoever. Bidders are advised to regularly scan through above website as corrigendum/ amendments etc. if any, will be notified on the website only and separate press advertisement will not be made for this.

S-42628/4 Sd./- Superintending Engineer

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
जनपद-शाहजहांपुर

ई-निविदा विस्तारण सूचना : विद्युत वितरण मण्डल, शाहजहांपुर के अंतर्गत विद्युत आपूर्ति हेतु अतिआवश्यक कार्यों हेतु इच्छुक सक्षम निविदाकारों हेतु ई-टेण्डर पोर्टल (www.etender.up.nic.in) के माध्यम से ई-निविदा विस्तारित की जाती है। **1. अल्पकालीन निविदा संख्या-64 (कार्य)/वि.वि.मं.शाह./2024-2025,** विद्युत वितरण खण्ड-तिलहर, शाहजहांपुर के अन्तर्गत मैसर्स-विनायक फिलिंग स्टेशन, खानपुर, खुदागंज हेतु नये संयोजन सम्बन्धी कार्य बाह्य एजेन्सी के माध्यम से कराये जाने हेतु। उपरोक्त वर्णित निविदा के सापेक्ष बिड प्रस्तुतीकरण की **अन्तिम तिथि 06.01.2025 (10:00 बजे तक)** एवं निविदा खोले जाने की तिथि **06.01.2025 (16:00 बजे)** नियत है। उक्त निविदा से सम्बन्धित अन्य समस्त सुसंगत विवरण ई-टेण्डर पोर्टल पर अवलोकित किया जा सकता है। **हस्ता./-अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मंडल, शाहजहांपुर। "राष्ट्र हित में बिजली बचायें" पत्रांक : 5686 दिनांक : 31.12.2024**

कोई मंदिर या बौद्ध धार्मिक स्थल न तोड़ा जाए : आतिशी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को एक पत्र लिखकर दिल्ली में मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों को न तोड़ने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इन धार्मिक स्थलों को तोड़ने का आदेश न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाएगा, बल्कि सामाजिक तनाव भी पैदा कर सकता है। सीएम आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को लिखे पत्र में कहा कि एलजी ने मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों को तोड़ने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली में कोई भी मंदिर या धार्मिक स्थल न तोड़ा जाए। सीएम आतिशी ने कहा, कोई भी धार्मिक स्थल तोड़ने से लोगों की भावनाएं आहत हो सकती हैं। बौद्ध धार्मिक स्थलों से दलितों की आस्था जुड़ी है।

धार्मिक कमेटी ने बिना मुख्यमंत्री को दिखाए मंदिर तोड़ने की फाइल एलजी को भेजी है। सीएम ने अपने पत्र में 22 नवंबर, 2024 को धार्मिक समिति की बैठक के संदर्भ का उल्लेख किया है, जिसमें दिल्ली के कई धार्मिक स्थलों को तोड़ने का आदेश दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस आदेश में मुख्यमंत्री और दिल्ली के गृह मंत्री को दरकिनार कर सीधे एलजी को फाइल भेजी गई। सीएम ने कहा कि धार्मिक स्थलों का विध्वंस लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करेगा। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि इन मंदिरों और बौद्ध स्थलों को तोड़ने से बचा जाए।

सीएम आतिशी द्वारा लिखे पत्र में उन धार्मिक स्थलों की सूची भी दी गई है, जिन्हें तोड़ने का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले साल तक धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में निर्णय मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के माध्यम से लिया जाता था।

दिल्ली में नहीं तोड़ा जा रहा कोई मंदिर-मस्जिद : राजनिवास

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा मंदिरों और बौद्ध स्थलों को ध्वस्त न करने को लेकर रविवार को एलजी वीके सक्सेना को लिखे गये पत्र पर राजनिवास ने प्रतिक्रिया दी है। राजनिवास ने एक बयान जारी कर कहा कि कोई मंदिर, मस्जिद, चर्च या कोई अन्य पूजा स्थल नहीं तोड़ा या ढहाया जा रहा है। इस विषय के संबंध में कोई फाइल उपराज्यपाल के पास नहीं आई है। बयान में आगे कहा गया है कि मौजूदा मुख्यमंत्री अपनी और अपने पूर्ववर्ती सीएम की विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए घटिया राजनीति कर रही हैं। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने पुलिस को उन उपद्रवी तत्वों के खिलाफ अतिरिक्त निगरानी रखने के सख्त निर्देश जारी किए हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर धार्मिक स्थलों या महापुरुषों की मुर्तियों के साथ तोड़फोड़ कर सकते हैं।

आतिशी मंदिर तोड़ने वाले बयान को वापस लें : सचदेवा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री आतिशी के धार्मिक समिति द्वारा मंदिर आदि तोड़ने की उपराज्यपाल को सीधी सिफारिश के बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि धार्मिक समिति की अध्यक्षता दिल्ली सरकार के गृहमंत्री करते हैं और मुख्यमंत्री एवं उपराज्यपाल को रिपोर्ट देते हैं। मुख्यमंत्री बताएं की क्या उनकी सरकार के गृह विभाग ने ऐसी कोई सिफारिश की है। सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मंदिर तोड़ने सम्बंधी बयान देकर दिल्ली का साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश की है। दिल्ली वालों को याद है कि 2020 चुनाव से पूर्व भी इसी तरह आम आदमी पार्टी ने सीएए को लेकर किया था और फिर चुनाव बाद आप पार्षद के नेतृत्व में दिल्ली में दंगे हुए थे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
बुलंदशहर वृत्त, लो.नि.वि., बुलंदशहर

पत्रांक-8958/96 एम (iV)-बु.शहर वृत्त/2024-25 दिनांक-16.12.2024

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि., बुलन्दशहर द्वारा निम्नलिखित कार्य की मदवार दरों पर ऑनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in के माध्यम से उक्त कार्य के लिये लोक निर्माण विभाग में तालिका के कॉलम 12 के अनुसार रोड निर्माण में रजिस्टर्ड फर्म/ठेकेदार द्वारा दिनांक 03.01.2025 से 10.01.2025 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक उ.प्र. सरकार से प्रचलित एस.बी.डी. के अनुसार आमंत्रित की जाती है। कार्य की तकनीकी निविदा दिनांक 10.01.2025 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि को कार्यालय बन्द होता है तो उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में ऑनलाईन खोली जायेगी तथा निविदा खोलने का समय तथा वैधता पूर्ववत् होगी। ऑनलाईन फाईनेन्शियल बिड खोलने हेतु समय व तिथि वेबसाइट पर दर्शायी जायेगी।

क्र. सं./ लॉट सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	5 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रु.लाख में)	धरोहर धनराशि (रु.लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा काल सहित	अनुरक्षण अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी.एस.टी. सहित (रु. में)	संबंधित अधिशासी अभियंता का पता	संबंधित अधीक्षण अभियंता का पता	संबंधित मुख्य अभियंता का पता	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 2024-25 में झाझर-रबुपुरा-मेहंदीपुर भोले का मंदिर मेहंदीपुर खादर (चंडीगढ़) अन्य जिला मार्ग के किमी. 1 से 10 (500) में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	1670.00	42.00	30.00	12 माह	5 साल	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी.रु. 414.0=2714.00	अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियंता बुलंदशहर वृत्त लो.नि.वि. बुलंदशहर	मुख्य अभियंता मे.क्षे.लो.नि.वि. मेरठ	A

1 कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम सं.-6 में वर्षाकाल सहित अंकित है।
2 निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
3. समस्त पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा पिछले 5 वर्षों का टर्न ओवर जोकि सी.ए. से सत्यापित हो, एवं पिछले 5 वर्षों से सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्यों का विवरण चाणक्य सॉफ्टवेयर में निविदा डालने के पूर्व अपलोड किया जायेगा। ई-निविदा, जोकि http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी। उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ.प्र. के चाणक्य सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा से सम्बन्धित नियम/ शर्तें तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
5. लोक निर्माण विभाग में निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होना है। प्रहरी का यू.आर.एल. http://wms.uppwd.gov.in/Prahari है।
6. शासनादेश संख्या 17/2024/सा0-113/23-1-2024-23-1099/113/2023 लोक निर्माण अनुभाग-1 लखनऊ दिनांक-16.01.2024 में निहित प्राविधानों के अनुसार कार्य की अनुरक्षण अवधि 5 वर्ष होगी जिसकी गणना कार्य समाप्ति की वास्तविक तिथि से की जायेगी।

हस्ता./-(कंचन सिंह) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., गौतमबुद्धनगर
आर.ओ.संख्या-225162 दिनांक-28.12.2024
हस्ता./-(मनीष वर्मा) अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि., बुलन्दशहर

उत्तर रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	30-Elect-58-T-2024-25-E3 दिल्ली मंडल में दोषपूर्ण सौर संयंत्र, सौर वॉटर हीटर (एसडब्ल्यूएच), सौर पंप और स्टैंड-अलोन सौर स्ट्रीट लाइट और उपरोक्त संयंत्र के सीएएमसी की मरम्मत के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रू0 207.08 लाख
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रू0 253600.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	27.01.2025, 12.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	27.01.2025, 12.00 बजे
वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

3991/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एम्स दिल्ली भारतीय तटरक्षक बल के चिकित्सा अधिकारियों को देगा सीपीआर प्रशिक्षण

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : अचानक हार्ट अटैक से मौत की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। विडंबना यह है कि ऐसी मौतों को टालना संभव है। इसके लिए जरूरी है कि समय पर मरीज को सीपीआर देकर हार्ट की बंद पड़ी धड़कन को दोबारा चालू किया जाय। अच्छी बात यह है कि इस महत्वपूर्ण सीपीआर ट्रेनिंग के लिए भारतीय तटरक्षक बल ने एम्स दिल्ली के साथ समझौता किया है। तटरक्षक चिकित्सा अधिकारियों के चिकित्सा प्रशिक्षण और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए यह समझौता मील का एक पत्थर साबित होगा। यह समझौता ज्ञापन कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) के लिए भारतीय दिशानिर्देशों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य तटरक्षक कर्मियों को महत्वपूर्ण जीवन रक्षक कौशल से लैस करना है। इस समझौते पर भारतीय तटरक्षक बल की ओर से सर्जन कमांडर संजय दत्ता और सीआरटीसी एम्स समन्वयक डॉ. शैलेंद्र कुमार ने हस्ताक्षर किए। एम्स नई दिल्ली में निदेशक एम्स, प्रो. एम. श्रीनिवास के नेतृत्व में आयोजित हस्ताक्षर समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें भारतीय तटरक्षक बल के महानिरीक्षक ज्योतिंद्र सिंह, सर्जन कमांडर दिव्या गौतम, वीएसएम; एम्स नई दिल्ली में एनेस्थिसियोलॉजी, पेन मेडिसिन और क्रिटिकल केयर के प्रमुख प्रो. गंगा प्रसाद शामिल थे।

N·S·D·C RE-IMAGINE FUTURE

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना आम जनता, सेक्टर स्किल काउंसिल्स और हमारे सम्मानित ट्रेनिंग पार्टनर्स को सूचित करने के लिए जारी की जा रही है कि नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NSDC) ने दिनांक 14 अक्टूबर 2024 से श्री संजीव के सिंह, जो पहले कार्यकारी उपाध्यक्ष (इम्पैक्ट फाइनेंसिंग) के रूप में नियुक्त थे, के साथ सभी रोजगार संबंध समाप्त कर दिए हैं।

कृपया ध्यान दें कि श्री संजीव के सिंह अब नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन का प्रतिनिधित्व करने, किसी भी प्रकार की भागीदारी करने या लेन-देन करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। 14 अक्टूबर 2024 के बाद श्री संजीव के सिंह के साथ की गई कोई भी बातचीत, लेन-देन, संचार या समझौता आपकी स्वयं की कानूनी जोखिम, लागत और परिणाम पर होगा और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा मान्यता प्राप्त या स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन श्री सजीव के सिंह द्वारा 14 अक्टूबर 2024 के बाद किए गए किसी भी समझौते या प्रतिबद्धता के लिए कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

किसी भी प्रश्न या सहायता के लिए, कृपया हमसे संपर्क करें : hr@nsdcindia.org

CbC 63113/12/0008/24-25

चुनावों में बाहरी उम्मीदवार का करेंगे बहिष्कार

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): मंगोलपुरी विस के कार्यकर्ताओं व जनता ने इस बार चुनावों में बाहरी उम्मीदवार का बहिष्कार करने का मन बना लिया है साथ ही बाहरी उम्मीदवार की एंट्री का लेकर मोर्चा खोल दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि भाजपा ऐसे उम्मीदवार को टिकट न दें जिसकी क्षेत्र में कोई पहचान न हो, कोई बड़ा नेता जिसकी जमीनी स्तर पर कोई पकड़ न हो, ऐसा उम्मीदवार जो मंगोलपुरी से न हो, वही ऐसे लोगों को विधानसभा चुनाव में टिकट न दी जाए जो कांग्रेस, आप व अन्य किसी पार्टी से भाजपा में शामिल हुआ हो।

GOVERNMENT OF HARYANA TENDER NOTICE
PRDH R.O. No. 11/2025/160/31418/I/142/7 Dt. 31/12/2024

SR. NO	NAME OF DEPARTMENT	NAME OF WORK NOTICE TENDER	OPENING DATE CLOSING DATE	AMOUNT / EMD (APPROX.) IN RUPEES	WEBSITE OF THE DEPARTMENT	NODAL OFFICER/CONTACT DETAILS/EMAIL
1	PANCHAYATI RAJ SONIPAT	CONST. OF VERANDA NEAR BARAMBHI WALA POND IN VILLAGE MADIN BLOCK KATHURA + 8 WORKS	CLOSING DATE 09.01.2025	108.19 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9416391006 prexeeng.snp@gmail.com
2	PANCHAYATI RAJ SIRSA	GIGORANI- CONSTRUCTION OF AANGANWARI CENTRE AT VILLAGE GIGORANI, BLOCK NATHUSARI CHOPTA, DISTT. SIRSA (D-PLAN SC) + 11 WORKS	30.12.2024 07.01.2025	73.98 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01666247479 prexeeng.srs@hry.nic.in
3	ZILA PARISHAD FATEHABAD	HAROLI (ZP) CONSTRUCTION OF HEALTH WELLNESS CENTRE/SUB HEALTH CENTRE WITHOUT LABOUR ROOM AND RESIDENCE AT VILLAGE HAROLI BLOCK NAGPUR DISTRICT FATEHABAD	30.12.2024 03.01.2024	44.47 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9416728389 zpftb@hry.nic.in
4	PANCHAYATI RAJ HISAR	SAHARWA CONST. OF SC (DHANAK) CHOUPAL. + 23 WORKS	27.01.2024 02.01.2025	174.24 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9466629211 prexeeng.hsr@hry.nic.in
5	PANCHAYATI RAJ PANCHKULA	SULTANPUR VANGY CONS OF NEW DHARAMSHALA (BALANCE WORK)	30.12.2024 06.01.2025	28.59 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9467628236 prexeeng.pkl@hry.nic.in
6	SHKM GOVT MEDICAL COLLEGE NALHAR NUH	DEVELOPMENT OPERATION AND MAINTENANCE OF ULTRASOUND COLOR DOPPLER MACHINE AT SHKM GMC, NALHAR, NUH.	02.01.2024 21.01.2025	2 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01267282007 tendergmcmewat@gmail.com
7	FORESTS DEPARTMENT HARYANA PANCHKULA	DIGGING OF WATER BODY AT WLS CHHICHILLA UNDER CSS SCHEME +1 OTHER WORKS	30.12.2024 08.01.2025	49.15 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9815109078 pccfwlhry@gmail.com
8	PANCHAYATI RAJ ROHTAK	RENOVATION OF VET. HOSPITAL IN VILLAGE JASSIA + 12 WORKS	30.12.2024 06.01.2025	145.48 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9215555586 SDOPRROHTAK134@GMAIL.COM

FOR FURTHER INFORMATION KINDLY VISIT : www.etenders.hry.nic.in

साल के अंतिम दिन शेयरों में गिरावट

सेंसेक्स 109 अंक लुढ़का

मुंबई, (पंजाब केसरी): विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी लगातार जारी रहने और वैश्विक बाजारों के कमजोर संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार वर्ष 2024 के अंतिम कारोबारी दिन मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 109 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी लगभग स्थिर रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 109.12 अंक यानी 0.14 प्रतिशत गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 687.34 अंक गिरकर 77,560.79 पर आ गया था। हालांकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी शुरुआती गिरावट से काफी हद तक उबरने में सफल रहा और अंत में 0.10 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,644.80 पर बंद हुआ।

इस तरह घरेलू बाजार में वर्ष 2024 का समापन गिरावट के साथ हुआ। हालांकि इस साल सेंसेक्स कुल 5,898.75 अंक यानी 8.16 प्रतिशत उछला जबकि निफ्टी में 1,913.4 अंक यानी 8.80 प्रतिशत की तेजी रही है। सेंसेक्स ने इस साल 27 सितंबर को 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड शिखर को छुआ था। निफ्टी भी उस दिन 26,277.35 के अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

महाकुंभ में सस्ती दरों पर मिलेगा राशन

महाकुंभनगर, (पंजाब केसरी): महाकुंभ में योगी सरकार ने अखाड़ों, संस्थाओं और कल्पवासियों के लिए बड़े पैमाने पर अन्न भंडार की व्यवस्था की है। ऐसा पहली बार है, जब महाकुंभ में इतने बड़े पैमाने पर अखाड़ों, संस्थाओं और कल्पवासियों को नाम मात्र की कीमत पर राशन की सुविधा प्रदान की जा रही है। सीएम योगी के निर्देश पर अखाड़ों-संस्थाओं और कल्पवासियों को मात्र 5 रुपए में आटा और 6 रुपए में चावल उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था है।

विष्णुदेव सरकार के लिए उपलब्धियां भरा रहा बीता साल

रायपुर, आशीष शर्मा/पंजाब केसरी। छत्तीसगढ़ में बीता हुआ साल 2024 नक्सलवाद के खिलाफ भाजपा सरकार के लिए उपलब्धियों भरा रहा है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद 1 वर्ष के दौरान नक्सल विरोधी अभियान में 240 से अधिक नक्सली ढेर कर दिए गए। इसके अलावा 790 से अधिक माओवादियों ने आत्म समर्पण कर मुख्य धारा में लौटने का निर्णय लिया।

विष्णु देव सरकार के लिए यह साल उपलब्धियों भरा रहा है। इसके अलावा मुठभेड़ में पुलिस को लगभग 284 से अधिक अत्याधुनिक हथियार मिले हैं। नक्सलवाद के ख़ात्मे को लेकर तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने सुरक्षा बल और पुलिस ने पूरी ताकत लगाई है। इस मामले में सरकार की रणनीति भी कारगर साबित हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर नक्सल विरोधी अभियान को सटीक ढंग से अमलीजामा पहनाया गया है।

यही वजह है कि सबसे दुर्गम माने जाने वाले नक्सली क्षेत्र में भी फोर्स ने घेराबंदी कर नक्सलियों को ध्वस्त कर दिया। सुरक्षा बलों के बस्तर में बढ़ते दबाव के बाद नक्सली लगातार पीछे हटते चले गए हैं। अब वह सीमावर्ती इलाकों में सिमटकर रह गए हैं। दूसरी तरफ राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के अंदरूनी गांव में विकास को लेकर भी प्लान तैयार किया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

E-mail: eebalram-phe-cg@nic.in

पत्र क्र.4173/व.ले.लि/ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2024

बलरामपुर, दिनांक 30.12.2024

निविदा निरस्तीकरण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदाएं अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती हैं।

स. क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक/दिनांक	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	जी क्रमांक
1	159963	16/16.10.2024	61.18	242503259

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से देखी जा सकती है।

हस्ता./-कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खंड-बलरामपुर (छ.ग.)

G-242504968/3

प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर धीमी रही

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों का उत्पादन नवंबर 2024 में धीमा होकर 4.3 प्रतिशत रहा। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

एक साल पहले इसी माह में यह 7.9 प्रतिशत था। पिछले महीने इन क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि अक्टूबर 2024 में दर्ज 3.7 प्रतिशत बढ़ोतरी से अधिक थी। मासिक आधार पर नवंबर में इन क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

नवंबर 2024 में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कमी आई। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन वृद्धि क्रमशः 7.5 प्रतिशत, 2.9 प्रतिशत, दो प्रतिशत, 4.8 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत रही।

पिछले साल नवंबर में कोयला की उत्पादन वृद्धि 10.9 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पाद की 12.4 प्रतिशत, उर्वरक की 3.3 प्रतिशत, इस्पात की 9.7 प्रतिशत और बिजली की 5.8 प्रतिशत थी। समीक्षाधीन महीने में सीमेंट का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार बढ़कर 13 प्रतिशत हो गई।

रेप मामले में ट्यूशन टीचर को 111 साल कैद

तिरुवनंतपुरम, (पंजाब केसरी): केरल के तिरुवनंतपुरम की विशेष त्वरित अदालत ने पांच साल पहले 11वीं कक्षा की छात्रा को बहला-फुसलाकर उससे बलात्कार करने के जुर्म में एक शिक्षक (ट्यूशन शिक्षक) को 111 साल के सश्रम कारावास की मंगलवार को सजा सुनाई तथा उसपर 1.05 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अदालत के आदेश अनुसार, यदि दोषी मनोज (44) जुर्माना नहीं भर पाता है तो उसे एक साल की और सजा काटनी होगी। मनोज की पत्नी को जब पता चला कि उसके पति ने एक नाबालिग से बलात्कार किया है तो उसने आत्महत्या कर ली। न्यायाधीश आर.रेखा ने अपने फैसले में कहा कि मनोज पर किसी भी तरह की दया नहीं की जा सकती। यह घटना 2 जुलाई, 2019 की है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)
ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निआसू क्रमांक 32,33,34,35,36/वलेलि/2024-25 जगदलपुर, दिनांक 27/12/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपए)	निर्धारित समयावधि
1		2	4	4	
01	163399	बस्तर जिले के विकासखंड बास्तानार के गंजोपारा एनीकट कम काजवे का निर्माण कार्य सह सोलर पंप एवं विद्युत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	211.64 लाख	1.50 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
02	163401	बस्तर जिले के विकासखंड बास्तानार के साडरा एनीकट का निर्माण कार्य सह सोलर पंप एवं विद्युत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	284.45 लाख	1.50 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
03	163402	बस्तर जिले के विकासखंड लोहण्डीगुड़ा के बड़ेधाराउर स्टापडेम का निर्माण कार्य सह सोलर पंप एवं विद्युत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	283.88 लाख	1.50 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
04	163404	बस्तर जिले के विकासखंड लोहण्डीगुड़ा के आंजर स्टापडेम कम काजये का निर्माण कार्य सह सोलर पंप एवं विद्युत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	291.35 लाख	1.50 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
05	163405	बस्तर जिले के विकासखंड बास्तानार के मूतनपाल स्टापडेम कम काजवे का निर्माण कार्य सह सोलर पंप एवं विद्युत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	277.55 लाख	1.50 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 03.01.2025 17:31 Hours
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 17.01.2025 17:30 Hours

रिमार्क- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 03.01.2025 समय 17:31 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है।

-हस्ताक्षर/-कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जलसंसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-242504980/7

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT
(INVITATION FOR BIDS (IFB)
(e-Procurement Module)

TheExecutive Engineer, Chamba Division, HPPWD Chamba H.P. on behalf of Governor of H.P. invites the item rate bids, in electronic tendering system, from the eligible class of contractors registered with HPPWD for the works as detailed in the table.

Sr. No.	Name of work	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of tender form (Rs.)	Class	Completion period
1	2	3	4	5	6	7
1	Repair &Maintenance of Qtr. No. 1 to 4, Type-IV for General Pooled accommodation at Hardaspura Distt. Chamba (SH:- Painting ,Distempering, Wood work Shutter work)	8,33,050/-	17,000/-	350/-	D & C	Two Months
2	Repair and maintenance of (Type-1Qtr. No. 1 to 4) (Type No. II QtrNo.1 to 4,5 to 8,9, to 12 Block A 13 to 16) (Type-III Qtr. No. 3 to4,5 to 8) for General Pooled accommodation at Hardaspura Distt.Chamba (SH:- Painting , P/L Tile wood work ,shutter work etc)	24,05,574/-	48,000/-	500/-	D & C	Two Months

1. Starting Date for downloading 02/01/2025 at 10.00 AM
2. Deadline for submission of Bid 11/01/2025 at 11.00AM
3. Date of Technical bid opening 11/01/2025 at 11.30 AM

The undersigned has right to extend or cancel the bids without declaring any reasons there-of.
The Bidders are advised to note other details of tenders from the department website www.hptenders.gov.in

Sd./-Executive Engineer, Chamba Division,
HPPWD Chamba, Pin-176310, Tel.01899-222229
Email:-ee-cha-hp@nic.in

RO. NO. 4214/2024-2025 On behalf of Governor of Himachal Pradesh

योजना एवं विकास विभाग
बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमंडल–02, रोसड़ा
अल्पकालीन पुनर्निविदा निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 06(SBD)/2024-25
(केवल ई–टेन्डर पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

बिहार के राज्यपाल महोदय की ओर से बिहार राज्य के किसी भी कार्य विभाग/निगम/अन्य राज्य सरकार/केन्द्र सरकार /सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय ख्याति के किसी भी एजेंसी में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदकों से प्रतिशत दर निविदा दो बीड प्रणाली (तकनीकी एवं वित्तीय) अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। यदि संवेदक बिहार राज्य के किसी कार्य विभाग/निगम में पूर्व से निबंधित नहीं है, तब एकरारनामा के पूर्व निम्नलिखित कार्य का स्वीकार पत्र (लेटर ऑफ एक्सेपटेंस) प्राप्त होने के बाद बिहार राज्य के किसी भी कार्य विभाग/निगम (जिसमें निबंधन की प्रक्रिया लागू हो) में निबंधन कराना अनिवार्य होगा।

1. कार्यों की विवरणी : –

ग्रुप संख्या	कार्य का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (लाख रू० में)	अग्रधन की राशि (ऑन लाईन मोड या ऑफ लाईन मोड में केवल B.G. के रूप में) (लाख रू० में)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय केवल ऑनलाइन मोड में भुगतान) (रूपये में)	बीड प्रोसेसिंग शुल्क (अप्रत्यर्पणीय केवल ऑनलाइन मोड में भुगतान) (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)
01.	02	03	04	05	06	07
01	समस्तीपुर जिला अंतर्गत **खानपुर** प्रखण्ड के पंचायत **नत्थुद्वार** में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य।	300.081	6.002	10000.00	e-proc2 के वेब पेज के अनुसार	14माह

2. विज्ञापन निर्गत करने की तिथि : दिनांक –26.12.2024
3. निविदा कागजात अपलोड करने की प्रारम्भिक की तिथि एवं समय : दिनांक 09 01 2025 को 10 00 बजे पूर्वाहन से। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
4. प्री–बीड मीटिंग का समय, स्थान एवं तिथि : दिनांक 02.01.2025 समय 3:30 बजे, मुख्य अभियंता का कार्यालय, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, विरवेश्वरैया भवन, चतुर्थ तल, कमरा नं0–423, बेली रोड, पटना–800015
5. निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 18.01.2025 समय 3.00 बजे अपराहन तक। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6. तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 21.01.2025 समय 3.30 बजे अपराहन से। (कंडिका 5 में उल्लेखित अंतिम तिथि से दो कार्य दिवस के पश्चात् की तिथि)। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
7. वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय : सक्षम पदाधिकारी द्वारा बाद में घोषित की जायेगी। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
8. निविदा खोलने का स्थान : www.eproc2.bihar.gov.in पर
9. निविदा की वैधता अवधि : 120 दिन(निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि के बाद)
10. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन प्रमण्डल, कार्य प्रमंडल–02, रोसड़ा।

कार्यपालक अभियंता
स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन,
कार्य प्रमंडल–02, रोसड़ा

PR. No.015895 (Planning) 2024-25

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

संपूर्ण सुरक्षा केन्द्र में आएँ, नि:शुल्क एच.आईवी. व यौन जनित रोग जाँच एवं उपचार पाएँ।

अर्थजगत

दाल मसूर में तेजी, तेल-तिलहन में मंदी का रुख

नई दिल्ली, (एनएनएस): स्टॉकिस्टों की हल्की-फुल्की लिवाली से मसूर मोटी विदेशी तथा देशी बिल्टी में 25-50 रुपए, गेहूं दड़ा मिल पहुंच तथा चक्की पहुंच में 10-15 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी आई। बारीक चावल में भी 50-200 रुपए प्रति क्विंटल की मंदी दर्ज की गई। तेल-तिलहन बाजार में, स्टॉकिस्टों की लिवाली कमजोर पडऩे से सरसों, सरसों एक्सपैलर, सोयाबीन रिफाइंड मिल डिलीवरी, बिनौला मिल डिलीवरी तथा चावल तेल पंजाब में 50-150 रुपए प्रति क्विंटल की मंदी आई। चीनी मिल डिलीवरी बाजार में, लिवाली बढऩे से खतौली की चीनी में 60 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी आई। गुड़-शक्कर बाजार में, लिवाली बढऩे से गुड़ पेड़ी तथा चाकू में 50-100 रुपए की तेजी आई।

कल क्या होगा?

वीरवार पौष सुदी तृतीया को गेहूं, जौ, जई, ढैंचा, मक्की, बाजरा, मूंग, मोठ, मटर, उड़द, राजमा चित्रा, शर्मिली, देशी चना, तुवर, मसूर, खांडसारी, लौंग, बड़ी इलायची, धनिया, बादाम, जीरा, अजवायन, हल्दी, केसर, दालचीनी, कलौंजी, इमली, जायफल, जावित्री, अमचूर, गुड़-चीनी, सोना-चांदी में लाभ तथा बारीक चावल, काबली चना, ग्वार, ग्वारगम, देशी घी, दूध पाउडर, सोयाबीन, सरसों, सूरजमुखी सीड, बिनौला, एवं इसका तेल, रुई, जस्ता, टिन, सौंफ, सूत, कॉपर, पीतल, निकिल, लोहा-इस्पात में हानि की संभावना है। भाग्यांक 1-2-5-7 है। यात्रा विचार- उत्तर दिशा की ओर 10.23 बजे पूर्वाहन के बाद यात्रा शुभ होगी।

अनाज-दाल : गेहूं एमपी देशी 4200/4400, दड़ा (मिल पहुंच) 3135/3140, चक्की (पहुंच) 3145/3150, आटा चक्की (10 किलो)(जीएसटी सहित) 340/345, रोलर फ्लोर मिल आटा (50 किलो) 1675/1680, मैदा (50 किलो) 1745/1750, सूजी (50 किलो) 1780/1790, चोकर (48 किलो)1270/1280, चावल: बासमती लालकिला 14000, स्वाद 9000, शरबती सेला 3900/3950, स्टीम 4200/4300, (1121 नं.) चावल सेला 6500/6600, स्टीम 7600/7700, सोर्टेक्स 7700/7800, (1509 नं.) चावल सेला 5200/5300, स्टीम 5900/6000, बासमती (1718) सेला 5500/5600, बाजरा: कैटलफीड 2640/2650, ज्वार: पीली 2800/ 2850, सफेद 3800/3900, मक्की: एमपी 2550/2680, जौ : 2440/2450, दाल उड़द: छिलका (लोकल) 9000/10200, धोया लोकल 8700/9200, दाल मूंग: छिलका 9000/9500, बढिय़ा 10000/11500, मूंग धोया: लोकल 8500/9000, दाल मसूर: लोकल 7600/7700, बढिय़ा 7800/7900, मलका: लोकल 7500/7600, बढिय़ा 7700/7800, मोठ 5450/5500, दाल अरहर: दड़ा 12200/12700, पटका 13200/13900, चना (खड़ी मोटर) राजस्थान 6600/6625, एमपी 6575/6600, चनादाल: लोकल 7450/7550, बढिय़ा 7600/7700, बेसन (35 किलो) (जीएसटी अतिरिक्त): एग्रोप्योर 3000, राजमा चित्रा: चीन 9800/10000, ब्राजील इंडियन 8400/8500, पुणे 6800/10500, काबली चना: छोटा 7000/7200, लोबिया: ब्राजील 7800/8000, मटर: सफेद देशी 3800/3850.

चीनी मिल डिलीवरी : अफजलगढ़ 3765, सिंभावली 3960, शामली3740, देवबंद 3835, किनौनी 3975, बुढ़ाना &, खतौली 3880, मवाना 3730, दौराला 3965, अगौता 3750, धामपुर 3782

गुड़-शक्कर :गुड़ पेड़ी 4200/4300, चाकू 3900/4000, ढैया 4300/4400, शक्कर 4600/4700, खांडसारी 4900/5000

तिलहन और तेल : सरसों 6400/6450, खली एक्सपेलर: सरसों 2400/2600, बिनौला 3000/3150, डिऑयल्ड एक्सटे्रक्शन (टन): राइसब्रान कंटीन्यूस 10500/10600, सरसों 20500/20600, सोयाबीन पीला 33500/34500, सूरजमुखी 24000/24500, मूंगफली (40-45 प्रश.) 30000/32000, राईसब्रान (प्रति यूनिट) 125/126, खाद्य तेल (जीएसटी अतिरिक्त): मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड (टीन) 2450/2600, सरसों तेल (टीन) 2200/2400, सरसों एक्सपेलर 13300, तिल तेल 14800, सोयाबीन रिफाइंड मिल डिलीवरी 13200, सोया तेल डिगम्ड &, (टीन) 2000/2150, सनफ्लावर 2350/2400, गोला तेल (टीन) 3800/3950, अरंडी 13600/13700

लोहा व इस्पात : सरिया: कामधेनु: (8 एमएम) 66200, (10 एमएम) 65000, (12 एमएम) 62700, (16-25 एमएम) 63800, कामधेनु पीएएस-10000 (पीस): (8 एमएम) 376, (10) 577, (12) 814, (16) 1449, (20 एमएम) 2264, (25 एमएम) 3535, अम्बा शक्ति -500 एसडी: (8 एमएम) 66000, (10 एमएम)64200, (12 एमएम) 63400, (16-25 एमएम) 63200, (32 एमएम) 63600, अम्बा शक्ति-ट्राईकोर (8 एमएम) 65800, (10) 63700, (12) 63200, (16-25) 62170, (32) 63000, केवीएस टीएमटी बार (8 एमएम) 66100, (10) 62900, (12) 63400, (16-25) 63100, (28-32) 62700, बिरला (8 एमएम) 65600, (10 एमएम) 63500, (12 एमएम) 63200, (16-25 एमएम) 62300, टीएमटी: जयभारत: (8 एमएम) 65600, (10 एमएम) 64400, (12 एमएम) 63100, (16-25 एमएम) 61700, अनमोल-500 एसडी: (8 एमएम) 65000, (10 एमएम) 64400, (12 एमएम) 63200, (16-205 एमएम) 63000, चैनल: राना (जीएसटी अतिरिक्त) 49000, एमएस (केवीएस) (75&40) (100&50) 51000, जयभारत 49500, अनमोल 49500, बिरला 50500, गार्डर (ज्वाइस्ट): जयभारत 50000, अनमोल 50000, टी-आयरन: राना 50000, (बिलट): (ढाई से तीन इंच) 40500, (साढ़े तीन इंच) 41500, (चार इंच) 42000, (पांच इंच) 42500, (छ: इंच) 42500, स्क्रैप: पुरानी 35000, मैल्टिंग स्क्रैप 36000, इंगट 41500, राउंड 46000.

अलौह धातु : (किलो/जीएसटी अतिरिक्त): एंटीमनी : चीन &, कैडमियम: रॉड &, मैक्सिको &, प्लेट &, लैड (सीसा): बैट्री सफेद 102, बैट्री काला 86.50, देशी मुलायम 172/189, देशी सख्त (एक-डेढ़ प्रतिशत) 172/189, चार प्रतिशत 176/192, पी.पी.&, गन मैटल स्क्रैप: लोकल 605, मिक्स 615, जालंधर 635, स्टील बर्तन &, ब्रास (पीतल): हनी 517/546, रेडिएटर देशी 366, रेडिएटर विदेशी 366, चादरी देशी 502/532, पुर्जे स्क्रैप 487/517, टिन (रांग): इंगट मलेशिया &, इंडोनेशिया 2530, जिंक (जस्ता): इंगट (पटरा) एचजेडएल 292, एजेड 296, आईजेड 295, आईजे 297,पीएमआई 235, ड्रास (ढीमा) 212, निकिल कैथोड: रसियन-(4&4) 1330, (8&8) 1335, (4&24) 1340, नार्वे (4&4) 1345, (4&24) 1350, कॉपर (तांबा): आरमेचर प्लांट 745, भटठी 743, सीसी 810, एल्यूमीनियम: सीजी इंगट 244, शीट कटिंग 223, वायर स्क्रैप 227, बर्तनफूट 195, पुर्जाफूट 174, रॉड: लोकल 236, कम्पनी 262.

In Loving Memory of
SH. MADAN LAL JAIN
A man of dignity, a man of wisdom, a man of kindness, a man of humanity indeed. It's been 36 years since you left for heavenly abode, but I still endeavour to live by your teaching, "By elevating the lives of others, your life reaches its highest dimensions."
DINESH JAIN (Samta Times)
6A, Industrial Area, Tilak Nagar, New Delhi-18 Ph: 9810061124

In Loving Memory of
SH. MADAN LAL JAIN
A man of dignity, a man of wisdom, a man of kindness, a man of humanity indeed. It's been 36 years since you left for heavenly abode, but I still endeavour to live by your teaching, "By elevating the lives of others, your life reaches its highest dimensions."
DINESH JAIN
6A, Industrial Area, Tilak Nagar, New Delhi-18 Ph: 9810061124

In Loving Memory of
SH. MADAN LAL JAIN
A man of dignity, a man of wisdom, a man of kindness, a man of humanity indeed. It's been 36 years since you left for heavenly abode, but I still endeavour to live by your teaching, "By elevating the lives of others, your life reaches its highest dimensions."
DINESH JAIN
Founder & Administrator, "Parshvsthali" Digambar Jain Mandir, Dinesh Jain Complex, 34/3, Delhi Jaipur Road, Gurugram Ph: 9810061124

नोएडा के डियर पार्क में दिखेंगे अफ्रीका के हिरण

नोएडा, (पंजाब केसरी): सेक्टर-91 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में प्रस्तावित डियर पार्क सनसेट सफारी परियोजना के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने अनुमति दे दी है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना की डीपीआर को राज्य वन एवं जंतु विभाग पहले ही मंजूरी दे चुका है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सीजेडए की दो समितियों की मंजूरी मिलनी थी, जो मिल गई है। मंत्रालय की मंजूरी के बाद सीजेडए की शर्तों का पालन करते हुए हिरण नोएडा प्राधिकरण यहां ला सकेगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि करीब 30 एकड़ में मिनी जू की तर्ज पर इस डियर पार्क को बनाने में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह जिले की पहली सनसेट सफारी होगी।

नोएडा इंटरनेशनल के अंदर एयरफोर्स ने मांगी जमीन

नोएडा, (पंजाब केसरी): नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर के भीतर एयरफोर्स अपना दफ्तर बनाएगा। इसके लिए यमुना प्राधिकरण से 300 वर्ग मीटर की जमीन मांगी गई है। बताया जा रहा है कि बहुत जल्द एयरफोर्स के बड़े अधिकारी यमुना प्राधिकरण के दफ्तर में पहुंचेंगे। अगले साल के पहले हफ्ते में इंडियन एयरफोर्स को प्राधिकरण जमीन दे देगा। एयरफोर्स के बड़े अधिकारियों ने कहा कि अभी दिल्ली में स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सामान आयात-निर्यात होता है। वहां पर ज्यादा लोड है। उसी को कम करने के लिए जेवर एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल बिल्डिंग में नए दफ्तर बनाया जाएगा। अपना दफ्तर बनाने के लिए ही एयरफोर्स ने 300 वर्गमीटर जमीन यमुना प्राधिकरण से मांगी है। इससे सुरक्षा व्यवस्था भी ज्यादा बेहतर होगी। आपको बता दें कि कि दिन-रात नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर काम चल रहा है। करीब 8,000 से ज्यादा लोग देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे को बनाने का काम कर रहे हैं।

बाइक सवार बदमाश से पुलिस की मुठभेड़

नोएडा, (पंजाब केसरी): सेक्टर-49 थाना पुलिस की सोमवार देर रात चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाश नदीम ने अपने को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जिस पर पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। सेक्टर-49 थाना पुलिस के अनुसार सोमवार रात पुलिस टीम थाना क्षेत्र के सेक्टर-76 मैट्रो स्टेशन के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने सेक्टर-50 नोएडा जाने वाली रोड़ पर सीवेज प्लांट के पास सर्विस रोड से बाइक सवार युवक को रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पकड़े गए बदमाश से एक तमंचा, कारतूस व चोरी की एक बाइक बरामद की है।

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

अमन कुमार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लडका जिसका नाम **अमन कुमार, पुत्रः शोभा देवी, पताः मकान नंबर 24 तंकुआ मोहल्ला, चिल्ला गांव, दिल्ली** जोकि दिनांक 14.10.2024 को दोपहर लगभग 01:00 बजे से अपने घर से गुमशुदा/अपहृत है। इस सन्दर्भ में **FIR No. 418/2024, U/s: 137(2) BNS, Dated 19.11.2024** पुलिस थाना **मयूर विहार, दिल्ली** में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे गुमशुदा/अपहृत लडके की पहचान दी गई है:

नामः अमन कुमार, उम्रः 16 वर्ष, कदः 5'7", रंगः सांवला, शरीरः मध्यम, पहनावाः काले रंग की टी–शट और लोअर, पैरों में काले रंग की चप्पल।

अगर किसी को इस गुमशुदा/अपहृत लडके के बारे में कोई जानकारी मिले कृपया थाना प्रभारी **मयूर विहार, दिल्ली** को संपर्क करें।

वेबसाइटः http://cbi.nic.in, ई–मेलः cic@cbi.gov.in
फोनः 011–24368638/24368641, फैक्सः 011–24368639

थाना प्रभारी
पुलिस थाना मयूर विहार, दिल्ली
फोनः 011-22710335, 8750870627

DP/17138/ED/2024

थाना शहर **जिला गुरुग्राम**

शिकायतकर्ता- सचिन S/o लखमीचंद पता फिरोजपुर झिरका मेवात हरियाणा जिला नूंह हाल पता House- 167 न्यू कॉलोनी मोड़ भीम नगर गुरुग्राम।
अभियोग संख्या- 206 दिनांक- 29/10/2024 U/S 127(6) BNS थाना शहर गुरुग्राम।
पत्र क्रमांक नं. 673-5A दिनांक 08.11.24
गुमशुदा- आंचल पत्नी सचिन पता फिरोजपुर झिरका मेवात हरियाणा जिला नूंह हाल पता- House -167 न्यू कॉलोनी मोड भीम नगर गुरुग्राम।

इश्तहार गुमशुदा महिला आंचल

आप सभी को सूचित किया जाता है कि दिनांक 25/10/2024 को आंचल पत्नी सचिन पता फिरोजपुर झिरका मेवात हरियाणा जिला नूंह हाल पता- House -167 न्यू कॉलोनी मोड़ भीम नगर गुरुग्राम, उम्र 24 साल बिना बतलाये कहीं चली गई है जिसकी लगातार तलाश जारी है आंचल के बारे में पता चले तो प्रबंधक अफसर थाना गुरुग्राम हरियाणा को नीचे दिये गए मोबाइल नम्बरों पर सूचित करें। मोबाइल नंबर - 9999981833, 9540194938
गुमशुदा की शारीरिक बनावट- गोल चेहरा रंग गोरा हृष्ट-पुष्ट शरीर जिसने हरे रंग का सूट पहना हुआ था और पैरों मे गुलाबी रंग की मोटी चप्पल पहनी है जिसकी लंबाई 5.3 इंच। **हस्ता./- थाना शहर गुरुग्राम**

PRDH-RO. No. 1084/11/2972/2025/31409/142/7 dt. 31.12.2024

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्
भगवान इस जग के कण-कण में विद्यमान हैं।

संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

आदित्य नारायण चोपड़ा
adityachopra@punjabkesari.com

2024, चुनाव और प्रणाली

बीता वर्ष 2024 चुनावी गुणा-गणित का ऐसा साल रहा जिसमें भारत की चुनाव प्रणाली ही भारी विवाद में रही। इस गये साल को हम चुनावी वर्ष भी कह सकते हैं जिसका अन्त देश की अर्थव्यवस्था को नये उदारवादी व बाजारमूलक चक्र में डालने वाले पूर्व प्रधानमन्त्री डा. मनमोहन सिंह के स्वर्गवास से हुआ। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि डा. सिंह की आर्थिक नीतियों का प्रभाव राजनीति पर भी पड़ा क्योंकि इन नीतियों पर विभिन्न दक्षिणपंथी व मध्यमार्गी राजनैतिक दलों के बीच आर्थिक नीतियों में मतैक्य भी देखने को मिला। बाजारमूलक अर्थव्यवस्था के राजनैतिक प्रभावों का असर इस वर्ष के भीतर होने वाले राष्ट्रीय लोकसभा के चुनावों पर भी देखने को मिला और पांच राज्यों में हुए चुनावों पर भी। इन सभी चुनावों में भारत के कल्याणकारी राज की परिकल्पना का रूपान्तरण हमें कथित रेवड़ी संस्कृति के रूप में दिखा। प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल ने गरीब जनता को विभिन्न योजनाओं के बहाने सीधे नकद राशि देने के वायदे किये। बेशक ये वायदे महिला उत्थान या कल्याण के बहाने किये गये। पूरे वर्ष बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर विपक्षी दलों का जहां जोर रहा वहीं सत्ताधारी दल की ओर से हिन्दू राष्ट्रवाद को नये-नये जामों में पेश किया गया।

सत्ता पक्ष व विपक्ष के इस चुनावी युद्ध में कुल मिलाकर विजय सत्ता पक्ष की ही हुई मगर विपक्ष के राजनैतिक विमर्श को भी राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता मिली। लोकसभा के चुनाव परिणाम कहीं से भी चौंकाने वाले नहीं रहे क्योंकि इन चुनावों में जमीन पर जो हवा चल रही थी परिणाम भी उसी के अनुरूप आये। जहां समूचे विपक्षी गठबन्धन इंडिया को 545 सदस्यीय लोकसभा में 234 स्थान मिले वहीं सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को अपने बलबूते पर 240 सीटें ही प्राप्त हुईं मगर इसके एनडीए गठबन्धन को पूर्ण बहुमत 293 सीटों का मिला। दस वर्ष बाद अकेले भाजपा के अपने बहुमत में कमी आयी जबकि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को 2024 में हुए चुनावों में अपने बूते पर 99 सीटें मिलीं। कांग्रेस के 2014 से गिरते ग्राफ को इन चुनावों में सम्बल मिला क्योंकि यह 2014 में केवल 44 सीटें ही प्राप्त कर पाई थीं और 2019 में 52 पर अटक गई थी। दूसरी तरफ भाजपा को इन चुनावों में क्रमशः 282 व 302 सीटें प्राप्त हुई थीं। विपक्षी इंडिया गठबन्धन की 234 सीटें आने पर संसद में विपक्ष की ताकत में बढ़ौतरी अवश्य हुई मगर यह भाजपा को सत्ता से विमुख करने में सफल नहीं हो सकी।

> यह नि:संकोच कहा जा सकता है कि ईवीएम मशीन का बटन दबाते हुए मतदाताओं को सन्तुष्टि नहीं होती है और वह अपने मत का फैसला मशीन के भरोसे छोड़ देता है। जबकि चुनावी नियम के अनुसार मतदाता और प्रत्याशी के बीच कोई भी तीसरी दृश्य या अदृश्य शक्ति नहीं आ सकती है। चुनाव आयोग का पहला धर्म मतदाताओं का विश्वास जीतना ही होता है। समाप्त हुए वर्ष में यह मुद्दा बहुत गर्म रहा जिसके आगे भी उठने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। साल के अन्त में एक देश-एक चुनाव का मसला भी उभर कर सामने आया।

विभिन्न राज्यों जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड में हुए चुनावों में भाजपा व उसके सहयोगी दलों को अच्छी सफलता मिली। इन राज्यों में जम्मू-कश्मीर के चुनाव महत्वपूर्ण रहे क्योंकि इस राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के दस वर्ष बाद सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के लिए चुनाव हुए थे जिनमें विपक्षी दलों के इंडिया गठबन्धन की नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में विजय हुई। ओडिशा में भाजपा ने पिछले 20 वर्षों का बीजू जनता दल का शासन उखाड़ फेंका और हरियाणा में भी लगातार तीसरी बार अपनी सरकार बनाई जबकि आन्ध्र प्रदेश में इसके सहयोगी दल तेलगूदेशम को शानदार विजय मिली और महाराष्ट्र में इसके गठबन्धन महायुति को भी दो तिहाई से अधिक बहुमत प्राप्त हुआ। झारखंड में इंडिया गठबन्धन को अवश्य शानदार सफलता मिली। इस प्रकार हम देखते हैं कि राज्यों में भाजपा की मजबूती पर कोई फर्क नहीं पड़ा जबकि राष्ट्रीय स्तर पर इसका समर्थन हल्का जरूर हुआ मगर इसके बावजूद लोकसभा में यह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इस लिहाज से भी सरकार बनाने का पहला हक भाजपा का ही था और सहयोगी दलों के साथ इसका पूर्ण बहुमत होने की वजह से सरकार इसकी ही बननी थी। भारत में चुनाव कराने का जिम्मा चुनाव आयोग का ही होता है मगर दुखद यह रहा कि बीते वर्ष में चुनाव आयोग की भूमिका पर विपक्षी दलों ने बहुत गंभीर सवाल उठाये जिनका उत्तर देने में चुनाव आयोग सफल नहीं रहा।

विपक्षी दलों ने चुनाव प्रक्रिया के बारे में जो सवाल खड़े किये वे वास्तव में चिन्ताजनक भी कहे जा सकते हैं, मसलन कुल पड़े वोटों और गिने हुए वोटों में अन्तर पाया जाना चुनावों की पवित्रता पर सन्देह पैदा करता है। इसी प्रकार मतदान की निश्चित समय सीमा के बाद आखिरी एक घंटे में मतदान केन्द्रों में जमा लोगों के वोटों की संख्या अपेक्षा से अधिक पाये जाने की वजह से भी शंकाएं खड़ी हो रही हैं। मतदान पूरा होने के बाद इसके प्रतिशत का हिसाब-किताब मत गिनने के दिन से कुछ घंटों पहले ही देने की वजह से भी विपक्षी दलों को हैरानी होती नजर आयी। चुनावों में आधुनिकतम टैक्नोलॉजी के प्रयोग के बावजूद मतदान प्रतिशत निकालने में इतनी देरी भी कहीं न कहीं चुनाव आयोग को प्रश्नों के घेरे में खड़ी करती है जिसकी वजह से विपक्षी दल वैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। जबकि चुनाव आयोग ईवीएम मशीनों से ही चुनाव कराने के निर्णय पर अड़ा हुआ है। इस मामले से सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। यह मामला सीधे चुनाव आयोग और देश के मतदाताओं के बीच का है।

यह नि:संकोच कहा जा सकता है कि ईवीएम मशीन का बटन दबाते हुए मतदाताओं को सन्तुष्टि नहीं होती है और वह अपने मत का फैसला मशीन के भरोसे छोड़ देता है। जबकि चुनावी नियम के अनुसार मतदाता और प्रत्याशी के बीच कोई भी तीसरी दृश्य या अदृश्य शक्ति नहीं आ सकती है। चुनाव आयोग का पहला धर्म मतदाताओं का विश्वास जीतना ही होता है। समाप्त हुए वर्ष में यह मुद्दा बहुत गर्म रहा जिसके आगे भी उठने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। साल के अन्त में एक देश-एक चुनाव का मसला भी उभर कर सामने आया। सरकार ने इस मामले पर विचार करने के लिए संसद की संयुक्त समिति का गठन किया और विषय उसके हवाले कर दिया। इसके पक्ष-विपक्ष में भी राजनैतिक दल हैं। जाहिर है कि सत्तारूढ़ दल इसके पक्ष में है। मगर इससे पहले समूची चुनाव प्रणाली में सुधार किये जाने का विषय पूरी तरह गौण हो चुका है जबकि चुनावों में धनतन्त्र का कब्जा स्वतन्त्र भारत का सबसे बड़ा मुद्दा है। 1974 में स्व. जय प्रकाश नारायण के सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन में यह प्रमुख मुद्दा था। सभी प्रमुख राजनैतिक दल इस विषय पर बात ही नहीं करना चाहते हैं। इसे विडम्बना ही कहा जायेगा क्योंकि चुनाव ही भारतीय लोकतन्त्र की आधारभूमि होते हैं। इनकी पवित्रता और शुचिता पर ही सम्पूर्ण लोकतान्त्रिक ढांचा खड़ा होता है और चुनाव आयोग इसका निगेहबान होता है। बीता साल ऐसे ही चन्द सवाल छोड़ कर जा रहा है।

मिला-जुला यह वर्ष बहुत से...

2024 का यह बीता वर्ष बहुत से उतार-चढ़ाव लेकर आया,
22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम का प्राण प्रतिष्ठा उत्सव मनाया,
ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने कीर्तिमान रचाया,
तो 'गुकेश डी' ने शतरंज की दुनिया में विश्वभर में भारत का नाम चमकाया,
काम्या कार्तिकेयन ने सात चोटियों पर भारतीय तिरंगा लहराया,
तो इसी वर्ष माननीय प्रधानमंत्री जी की अपील पर देशवासियों-
ने संविधान का अमृत काल मनाया,
कितनी बार एक्जिट पोल और चुनाव परिणाम के आंकड़ों ने चौंकाया,
तो बहुत सी महान हस्तियों का हमारे सिर से उठ गया साया,
मिला-जुला यह वर्ष बहुत से अनुभव लाया,
और 2025 के लिए एक नई उमंग और विश्वास को मन में जगाया।।

-गीता पाढा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बीते 25 वर्ष कैसे रहे !

फिरोज बख्त अहमद

आज 2025 का पहला दिन है और ''पंजाब केसरी'' के सभी पाठकों को हार्दिक अभिनंदन। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले वर्ष और बीते 25 साल का आज विश्लेषण किया जाए तो पता चलेगा कि अपने जीवन की राजनीति के 25 सार्वजनिक वर्षों के बाद अब भी जनता के लिए सबसे लोकप्रिय और ताक़तवर नेता हैं। भले ही मोदी का बायोडेटा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह जी की शैक्षिक उपलब्धियों से भिन्न हो, मगर मोदी का जो बायोडेटा जनता के दिल में है, वह तो करोड़ों पृष्ठ का है और जो उनसे पूर्व किसी भी अन्य नेता अथवा प्रधानमंत्री का नहीं रहा है और न ही होने की संभावना दिखाई देती है, क्योंकि 2014 से 2024 तक उन्हें जनता के सर्वप्रिय नेता होने का श्रेय प्राप्त है।

वैसे बीता साल मोदी के लिए अंग्रेज़ी भाषा में 'मिक्सड बैग' अर्थात ठंडा-गर्म और हार-जीत का मामला रहा। इस वर्ष ऐसा नहीं कि मोदी पर काले बादल नहीं आए हैं, ख़ूब आए हैं। भारत विरोधी तत्वों द्वारा किसानों को भड़काए जाने पर उनका विरोध और कई वर्ष पूर्व दाढ़ियों का शाहीन बाग़ आंदोलन, चुनाव से पूर्व विरोधियों का जनता को भड़काना कि संविधान बदला जाएगा, 4 जून का उम्मीद के अनुरूप न आने वाला परिणाम आदि ऐसे मुद्दे थे कि जिससे कुछ समय तक मोदी जी अवश्य कमज़ोर पड़े, मगर उनकी विशेषता है कि वे हर हार और पिछड़ जाने के बाद मिस्र में स्थापित फीनिक्स मूर्ति की भांति पुनः डबल आत्मविश्वास और ताक़त के साथ उभरते हैं।

इसका एक उदाहरण है कि जब 2019 का चुनाव होने वाला था और भाजपा विरोधियों ने एक गठबंधन के नाम में जनता को ठगने के चक्कर में मोदी को हीरो से ज़ीरो बनाने का प्रयास किया था तो ऐसा वातावरण सा बन गया था कि ठीक है यदि भाजपा जीत भी जाती है तो शायद मोदी जी प्रधानमंत्री न बन पाएं, मगर नरेंद्र मोदी के मज़बूत इरादों के चलते इन काले बादलों से निकल कर सुनहरी धूप में बहार आए।

वरिष्ठ पत्रकार वीर संघवी ने तो एक साक्षात्कार में कहा है कि अब तक भारत के इतिहास में मोदी से ज़्यादा हरदिल अज़ीज़ प्रधानमंत्री कोई हुआ नहीं है। यही नहीं, उन्होंने अपने चुनावी वायदों को भलीभांति पूरा किया और देश के विकास में स्वयं को समर्पित कर दिया, चाहे वह भारत को विश्व पटल में विकास की चौथी सीढ़ी पर ले जाना हो, देश को इंटरनेट व सड़कों के जाल से जोड़ना हो, रेलवे में बेशुमार सुधार कर वंदे भारत जैसी ट्रेन लाना हो, सैकड़ों हवाई अड्डे सुधारना या बनाना हो, स्वास्थ्य सेवा में मेडिकल ग्रेजुएशन व पीजी में सीटें बढ़ानी हों या अनेकों एम्स की स्थापना करनी हो व आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड, बनाना हो, कश्मीर में शांति हेतु 370/35-ए हटाना हो, ट्रिपल तलाक समाप्त करना हो, राम मंदिर की स्थापना हो, एक इलेक्शन या समान नागरिक संहिता को लागू करना हो, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवपूर्ण तरीके से विश्व गुरु बनने के मार्ग पर अग्रसर करना हो उन्होंने या तो इनमें से अधिकतर कार्य और वायदे पूरे कर दिए हैं या उसी मार्ग पर तीव्र गति से अग्रसर हैं।

> यदि हम चुनाव के रुझान से देखें तो मोदी की यह खासियत है कि वे चुनाव जीतें या हारें, अगले चुनाव के लिए डे वन से ही कमर कस गतिशील हो जाते हैं।

सियासत बड़ा अजीब बॉल गेम है, जहां वोट और सीट की जीत अवश्य माननीय होती है, मगर राजनीति के इस सिक्के का दूसरा रुख यह भी है कि किसी भी नेता की क्रेडिबिलिटी अर्थात विश्वसनीयता इस बात पर भी निर्भर करती है कि उसकी नियत, नियति कैसी है, भले ही उसकी पार्टी चुनाव जीतने में असमर्थ हो। वर्ष 2024 के प्रारंभ में मोदी के लिए सुखद समाचार था, 22 जनवरी को राम मंदिर का विश्व स्तरीय लेवल पर प्राण प्रतिष्ठा, जीर्णोद्धार और जनता के लिए इसके द्वार खोल देना, मगर फिर गाज गिरी क्योंकि अयोध्या में चुनाव हारा और 400 पार नारे को असलियत का जामा न पहना कर 240 ही लोकसभा सीटें जुटा पाए। चुनाव हारे भी, जैसे झारखंड में और उम्मीद के विरुद्ध हरियाणा, महाराष्ट्र आदि में चुनाव जीते भी। फिर उत्तर प्रदेश के मध्यावधि चुनाव में 9 में से 7 सीटें भी जीते। विपक्ष यहां कमजोर ही नजर आया।

यदि हम चुनाव के रुझान से देखें तो मोदी की यह खासियत है कि वे चुनाव जीतें या हारें, अगले चुनाव के लिए डे वन से ही कमर कस गतिशील हो जाते हैं। महाराष्ट्र में जब आघाड़ी से चुनाव हारा तो ख़ामोशी के साथ देवेंद्र फडणवीस को साथ लेकर अगली जीत के लिए कमर कसी और फिर अपने परम विश्वासपात्र फडणवीस को स्थापित कर उनका हक़ अदा किया।

ये सारी स्कीमें मोदी जी पिछले 25 वर्ष से मात्र चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि राजनीति में जनता और अच्छे नेता के उसका हक दिलाने के लिए आरएसएस, अमित शाह और नाम ज़ाहिर न किए जाने पर अपने सलाहकारों के साथ बनाते और लॉन्च करते चले आ रहे हैं और चूंकि नियत सालेह और साफ है, देश में जनता और विदेशों में अन्य राज्याध्यक्ष उन्हें अपने कंधों पर बैठते चले आ रहे हैं, चाहे वह रूस के पुतिन हों, अमेरिका के ट्रंप हों, यूक्रेन के ज़लेंस्की हों या गल्फ के बड़े मुस्लिम देशों के नेता हों।

हां, जिस प्रकार से फुटबॉल खिलाड़ी रोनाल्डो, मैसी या बैकहम खेल के मैदान पर अपनी टीम के गोल स्कोर करने के लिए शतरंज की बिसात पर मोहरे बिठाने की तरह से रणनीति बनाते हैं, ठीक उसी प्रकार से मोदी बतौर एक दक्ष प्रधानमंत्री व राजनेता ही नहीं, बल्कि एक वली-उस-सिफत, समाज कल्याणी साधु, संत, फ़कीर, बुज़ुर्ग करता है। यही कारण है कि उन्होंने अपने निवास स्थान के सामने की सड़क का नाम लोक कल्याण मार्ग रखा है और स्वयं को प्रधानमंत्री कहलाने से अधिक प्रधान सेवक के रूप में पहचान बनाना पसंद करते हैं।

यही कारण है कि भारत की जनता ने पहले उन्हें जाना, इस्तेमाल किया और फिर विश्वास किया कि भारत माता के इतिहास में उनके जैसा दमदार, दिलदार, जानदार, शानदार, वफादार, वज़ादार, कामदार, समझदार और सबसे अधिकर महत्वपूर्ण बात, ईमानदार प्रधानमंत्री न तो अब तक आया है और न ही आने की संभावना है।

संसद में काम कम, हंगामा ज्यादा, जिम्मेदार कौन?

रोहित माहेश्वरी

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस बार जिस तरह की तस्वीरें सामने आईं, संभवत: उन तस्वीरों ने करोड़ों देशवासियों के मन में एक सवाल जरूर पैदा कर दिया होगा कि हम सांसद क्यों चुनते हैं? क्या इसलिए कि संसद में जाकर उनके चुने हुए प्रतिनिधि हंगामा करें, धक्का-मुक्की करें? बीती 19 दिसंबर को संसद परिसर में विरोध-प्रदर्शन के दौरान जाने-अनजाने ऐसा हंगामा हुआ कि धक्का-मुक्की की बातें सामने आईं। दो सांसदों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जो सांसद कानून बनाते हैं, वहीं एक-दूसरे के खिलाफ रपट लिखवाने थाने पहुंच गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई। संसद के इतिहास में 19 दिसंबर 2024 को काला दिन बताया जा रहा है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ऐसे ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद चलेगी? क्या हमारे सांसदों की सहनशक्ति या सुनने की क्षमता दिनों-दिन कम होती जा रही है? क्या हमारे माननीय सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप करते हुए एक-दूसरे को घेरने में सारी ऊर्जा खर्च कर रहे हैं? क्या सत्ता पक्ष-विपक्ष का मकसद सिर्फ हंगामा खड़ा करना रह गया है? आखिर संसद चलाने की जिम्मेदारी किसकी है-सत्ता पक्ष की या विपक्ष की? संसद में गंभीर मुद्दों पर सार्थक चर्चा कम क्यों होती जा रही है?आज ऐसे ही सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश करते हैं?

संसद के शीतकालीन सत्र की 20 बैठकों में लोकसभा में करीब 57 फीसदी और राज्यसभा में करीब 43 फीसदी काम हो पाया है। वह भी शोर-शराबे के बीच निपटाना पड़ा है। कुछ प्रस्ताव, रपटें और विधायी कार्य ऐसे होते हैं जो विप्लव के हंगामों के दौरान ही सदन में पेश करने अनिवार्य होते हैं। 'एक देश, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन का प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हो सका क्योंकि उसमें सत्ता और विपक्ष के सांसद होते हैं। अलबत्ता दोनों सदनों में अडाणी, सोरोस और गृहमंत्री अमित शाह के बयान के बाद बाबा अंबेडकर के ही नारे गूंजते रहे। दोनों तरफ टकराव और समानांतर आक्रामकता का माहौल बना रहा। संसद में संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर बहस हुई लेकिन उस बहस का लब्बोलुआब क्या निकला? लोकसभा में 15 घंटे 43 मिनट और राज्यसभा में 17 घंटा 41 मिनट तक सांसदों ने अपनी राय रखी। संसद में बहुत सार्थक बहस का मौका पक्ष-विपक्ष दोनों के पास मौका था लेकिन दोनों पक्षों के ज्यादातर सदस्य अटैक इज बेस्ट डिफेंस वाली रणनीति के साथ चर्चा को आगे बढ़ाते रहे। बहस के दौरान कई बार ऐसा लग रहा था कि चर्चा संविधान के 75 साल पर नहीं इमरजेंसी के 49 साल पर हो रही हो।

हम संसदीय कार्यवाही को अब एक 'तमाशा' मानते हैं, क्योंकि कुछ भी सकारात्मक नहीं होता। संसद में सत्ता और विपक्ष दोनों ही अनिवार्य और पूरक पक्ष हैं। बेशक संसद चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है, क्योंकि वह ही विधेयक और अन्य प्रस्ताव तैयार करता है। कैबिनेट को जनादेश हासिल है, लिहाजा वह ही बुनियादी और शुरुआती तौर पर बिलों और प्रस्तावों को स्वीकृति देती है। विपक्ष की भूमिका 'दुश्मन' और 'नफरती पक्ष' की ही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि संविधान में उसे 'प्रतिपक्ष' माना गया है। संसद जिद अथवा दुश्मनी-भाव से नहीं चल सकती, क्योंकि जो भी बिल और प्रस्ताव संसद में पारित किए जाते हैं वे पूरकता में ही होने चाहिए। दोनों पक्षों की सहमति और असहमति स्पष्ट होनी चाहिए। अंतत: मतविभाजन अथवा ध्वनि-मत से बिल और प्रस्ताव पारित किए जाएं लेकिन मोदी सरकार के 11वें साल तक राजनीति और संसदीय कार्यवाही 'दुश्मनी-भाव' की ही रही है।

हालांकि पहले 10 साल में विपक्ष बेहद कमजोर रहा लेकिन 18वीं लोकसभा में कांग्रेस और विपक्ष के आंकड़े कुछ ताकतवर हैं, नतीजतन संसद सही अर्थों में 'अखाड़ा' या 'सब्जी मंडी' बनकर रह गई है। यदि लोकसभा की कार्यवाही एक दिन न चले तो 9 करोड़ रुपए और राज्यसभा की कार्यवाही लगातार स्थगित होती रहे तो एक दिन में 5.5 करोड़ रुपए का नुक्सान हो जाता है। क्या यह पैसा खैरात का है या जॉर्ज सोरोस ही यह फंडिंग करता है? हमें बार-बार सोचने और क्षुब्ध होने को बाध्य होना पड़ रहा है कि क्या संसद के मायने हंगामें, नारेबाजी और विप्लवी स्थितियां ही हैं? क्या देश के गणतंत्र और संवैधानिक कार्यों के लिए ऐसी ही संसद की जरूरत है? नफरत और दुश्मनी की सियासत के लिए क्या संसद चाहिए अथवा उसकी कोई सार्थक भूमिका और जरूरत नहीं है? आम जनता में यहां तक टिप्पणियां की जाने लगी हैं कि हमें संसद की जरूरत ही क्या है जब संसद में कार्यवाही तो बाधित ही रहती है?

सवाल है कि सांसद हर बार माहौल क्यों नहीं बनाते? क्या सांसद केवल हंगामा करने के लिए ही पहुंचते हैं? सांसदों ने लोकसभा को पंगु बना कर रख दिया है। बार-बार हंगामा करने वाले सांसदों को चिन्हित किया जाए और उनकी सूची प्रचारित कराई जाए। ऐसे नियम बनाए जाएं कि वेल में आने या पर्चा लहराने या दूसरा किसी भी क़िस्म का हंगामा करने वाले सांसद के ख़िलाफ़ ख़ुद-ब-ख़ुद कोई तय कार्यवाही हो जाए। कुछ सांसद वॉकआउट करने के बाद दोबारा सदन में क्यों आ जाते हैं? केवल दिखावा करने के लिए ऐसा करते हैं, उन्हें देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। संसद चलाने की जिम्मेदारी जितनी सत्ता पक्ष की है, उतनी ही विपक्ष की भी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को शक्तियां संसद से मिलती हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी राजनीतिक दलों पर दबाव कई गुना बढ़ा है। सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को खुश करने के चक्कर में या लोगों की वाहवाही के लिए कई बार शब्दों की लक्ष्मण रेखा पार होती दिखती है। आज की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष में संवाद की कड़ियां जोड़ने वाले नेताओं का अकाल पड़ गया है। दोनों ओर ऐसे नेताओं की भारी कमी है जो बातचीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने में एक असरदार कड़ी की भूमिका निभा सकें।

वह भी भारत के संसदीय लोकतंत्र का ही दौर था जब नरसिम्हा राव ने कश्मीर मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भेजे गए प्रतिनिधिमंडल में विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को शामिल किया था। एक दौर वो भी था जब गंभीर मसलों पर पब्लिक के बीच जाने से पहले विपक्षी नेताओं से सलाह-मशविरा किया जाता था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारतीय लोकतंत्र को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी सहूलियत के हिसाब से परिभाषित किया है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की भूमिका भी बहुत जिम्मेदारी का काम है। संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष का काम है, सरकार के फैसले में कमियां निकालना और लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाना तो सत्ता पक्ष का काम है विपक्ष को साधते हुए संसद चलाना, आगे बढ़ना। ऐसे में जब हम 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं को गंभीरता से सोचना चाहिए कि ऐसा कौन-सा रास्ता निकाला जाए जिससे एक-दूसरे पर तीखे कटाक्ष और मतभेद को मनभेद में बदलने वाली मानसिक जकड़न से आजादी मिले। संसद में लोकहित और राष्ट्र हित की बात हो। क्योंकि यहां मसला केवल आमजन के कल्याण का ही नहीं स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रणाली और व्यवस्था की गरिमा को बचाने का भी है। जिसकी मिसालें दुनियाभर में दी जाती हैं।

अयोध्या से लेकर यूएई तक भारत की समृद्ध संस्कृति का लहराया परचम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल में भारत ने सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने मजबूती के साथ प्रदर्शित किया है। साल 2024 में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के एक नए युग की शुरुआत हुई। 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो फरवरी 2024 में यूएई में भव्य मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुआ। दुनिया ने सनातन का डंका बजते देखा।

500 साल के बाद भगवान राम का आगमन अयोध्या में हुआ। यहां पर प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद से अब तक करोड़ो भक्त अयोध्या पहुंचे। चहुमुखी विकास हुआ। पर्यटन को बढ़ावा मिला तो रोजगार के कई अवसर भी पैदा हुए। 2024 की विदाई देते हुए नव वर्ष में हम महाकुंभ जैसे भव्य आयोजन संग प्रवेश कर रहे हैं।13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाला महाकुंभ हमारे देश की समृद्ध, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगा।

इस वर्ष की शुरुआत अयोध्या में श्री राम लला की ऐतिहासिक प्राण-प्रतिष्ठा के साथ हुई, जिसने लाखों लोगों के सदियों पुराने सपने को पूरा किया। श्री राम अपने जन्मस्थान पर लौटे। 2024 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की सभ्यतागत विरासत और सांस्कृतिक गौरव का उल्लेखनीय कायाकल्प हुआ।

अयोध्या राम मंदिर में श्री राम लला का अभिषेक एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक क्षण था, जिसने दुनिया भर के हिंदुओं की सदियों पुरानी आकांक्षा को पूरा किया। इस घटना ने भारत की सभ्यतागत कथा में अयोध्या के स्थायी महत्व को रेखांकित किया। पीएम मोदी द्वारा अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर, बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन भारत की सांस्कृतिक कूटनीति की सफलता का ऐतिहासिक क्षण था। इसे प्राचीन हिंदू स्थापत्य सिद्धांतों के अनुसार डिजाइन किया गया है। ये न केवल प्रवासी भारतीयों के योगदान का जश्न बना बल्कि वैश्विक अंतरधार्मिक सद्भाव का भी प्रतीक बना। पूर्वोत्तर में भी संस्कृति को सहेजने की मंशा आकार लेते दिखी। असम में प्रतिष्ठित मां कामाख्या मंदिर तक पहुंच बढ़ाने के लिए मां कामाख्या दिव्य परियोजना की आधारशिला रखी गई। जबकि इसकी पवित्र विरासत को संरक्षित किया गया। ये पहल भारत की विरासत को पुनर्जीवित करने और इसके गौरवशाली अतीत पर गर्व करने के लिए पीएम मोदी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मोदी सरकार के प्रयासों से असम में मोइदम को भारत के 43वें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता मिली। जिसने भारत की सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक महत्व को प्रदर्शित किया। कुरुक्षेत्र में "अनुभव केंद्र" के उद्घाटन ने महाभारत और भगवद गीता जैसे प्राचीन ग्रंथों को जीवंत कर दिया, जो भारत की विरासत को सुलभ और अनुभवात्मक बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गुजरात में ऐतिहासिक कोचरब आश्रम के पुनर्विकास ने गांधीवादी मूल्यों के संरक्षण के लिए सरकार के समर्पण की पुष्टि की। संभल में श्री कल्कि धाम की आधारशिला ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केंद्रित किया। ये प्रयास भारत के प्राचीन ज्ञान को संरक्षित करने की कोशिश को दर्शाता है।

इतना ही नहीं, साल 2024 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 1.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार पार किया और 10 लाख नौकरियां पैदा की। जो आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। यह वृद्धि खादी के वैश्विक उत्थान को इको-फैशन स्टेटमेंट के रूप में उजागर करती है, जो वोकल फ़ॉर लोकल द्वारा संचालित है। 13 जून, 2024 को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के सभी चार द्वारों को फिर से खोलने से भक्तों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई और इस प्रतिष्ठित आध्यात्मिक स्थल तक पहुंच बहाल हुई।

13 सितंबर, 2024 को पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर 'श्री विजया पुरम' करने से भारत के अपने इतिहास, विशेष रूप से स्वतंत्रता संग्राम में इस क्षेत्र के महत्व का सम्मान करने के प्रति समर्पण पर और जोर दिया गया।

13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेले 2025 के लिए भी तैयारी कर रहा है। यह आयोजन दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समारोहों में से एक होने का अनुमान है। 45 करोड़ भक्तों के आने की संभावना जताई गई है।

मोदी सरकार के 10 वर्ष ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने वाले साबित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार से लेकर भव्य काशी विश्वनाथ धाम जैसे आध्यात्मिक गलियारों को नया रूप देने और देश भर में मंदिरों के पुनर्निर्माण तक, इन प्रयासों ने हमें अपनी जड़ों से फिर से जोड़ा है। मीरा बाई जैसे भूले-बिसरे संतों और भगवान बिरसा मुंडा जैसे आदिवासी नायकों को सम्मानित किया गया है। जबकि महाकुंभ जैसी परंपराओं को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है, जो भारत की आध्यात्मिक भव्यता को प्रदर्शित करता है। अयोध्या में दिवाली जैसे रिकॉर्ड तोड़ उत्सव और संसद में पवित्र सेंगोल की स्थापना हमारे सभ्यतागत मूल्यों के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाती है। स्पष्ट है कि 2024 में भारत ने सांस्कृतिक कूटनीति में महत्वपूर्ण प्रगति की, जिससे वैश्विक मंच पर हमारी स्थिति मजबूत हुई। भारत और अमेरिका ने अपने पहले 'सांस्कृतिक संपदा समझौते' पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों को अवैध तस्करी से बचाना है। **-आईएएनएस**

दिल्ली आर.एन.आई. नं. 40474/83
पंजाब केसरी
दिल्ली कार्यालय :
फोन आफिस: 011-30712200, 45212200,
प्रसार विभाग: 011-30712224
विज्ञापन विभाग: 011-30712229
सम्पादकीय विभाग: 011-30712292-93
मैगजीन विभाग: 011-30712330
फैक्स : 91-11-30712290, 30712384, 011-45212383, 84
Email: Editorial@punjabkesari.com
स्वत्वाधिकारी दैनिक समाचार लिमिटेड, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, नजदीक वजीरपुर डीटीसी डिपो, दिल्ली-110035 के लिए मुद्रक, प्रकाशक तथा सम्पादक अनिल शारदा द्वारा पंजाब केसरी प्रिंटिंग प्रैस, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से मुद्रित तथा 2, प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से प्रकाशित।

वरिष्ठजनों ने मनमोहिनी पिकनिक में पाई खुशियां

शीला-मनोहर पश्चिम विहार शाखा

वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब व शाखाध्यक्ष रमा अग्रवाल सदस्यों की मनचाही खुशियां हेतु सदैव कर्मठता से संलग्न रहती हैं। गत् दिनों शाखा की ओर से बुद्धा गार्डन नईऍदिल्ली में बस भरकर सदस्यों ने पिकनिक यात्रा का आनंद लिया। सफर की शुरुआत गायत्री मंत्र के साथ

मनोरंजक गीतों से हुई। रास्ते में हंसी से भरपूर चुटकुलों तथा सुन्दर भजनों से सबने खुशियां पाई। वहीं सुरेश शर्मा, अंजना, मीना तिवारी, आशा शर्मा, डी एल सभरवाल-वी पी गिरोत्रा ने गीत-संगीत से सबको आंनद मग्न कर दिया। हंसी-मजाक भरी पिकनिक में संगीतमय कप जीतो, टोपी पहनाओ के साथ म्यूजिकल चेयर कम्पीटीशन में नीलम जुनेजा, विजय सरीन, कौशल्या जसूजा विजेता रहे। तम्बोला प्रतियोगितओं में के के शर्मा, अनिता, शकुन्तला, कविता रिजवानी, सरला भाटिया, अल्का भट्ट, सुनीता रस्तोगी, जगदीश चंद्र, संयोगिता बग्गा, सुदर्शन सचदेवा का विजयी उत्साह देखते ही बनता था। बौद्धकालीन, शिल्पकला से जुड़े पार्क में सुन्दर सरोवर में बत्तखों का कलरव कौतूहल का विषय रहा। पिकनिक में सदस्यों ने शाखाध्यक्ष से कई पुरस्कार जीते। स्वादिष्ट प्रीतिभोज, मिष्ठान्न का सुप्रबंध रहा।

सुनील सचदेवा, सतवंत कौर ने सेवा कार्य किये।

●**रिपोर्ट: चन्द्र मोहन आर्य**

होने वाला कार्यक्रम

शाखा की बैठक 2 जनवरी को होगी।

हैल्पलाइन नं. 9311123220, 7503009779

स्थान ए2/34 पश्चिम विहार नई दिल्ली -63

वरिष्ठ सदस्य का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

चौखंडी शाखा

शाखा की शुरुआत गायत्री मंत्र से हुई। तुम जीओ हजारों साल, साल के दिन हों, पचास हजार। हैप्पी बर्थडे टू यू ये शुभकामनाएं शाखाध्यक्ष श्याम लाल नरूला की देखरेख में सदस्य रणवीर सिंह के जन्मदिवस पर मंगल गीत गाते, धूम मचाते नाचते हुए सदस्यों ने दी। सदस्य यश पाल आर्य ने कहा कि क्लब सभी सदस्यों के लिए वरदान है। जहां सभी साथी एक-दूसरे के सुख-दुख में भागीदार रहते हैं। हमें संगठित प्रयासो से सहयोगी रहना है। वहीं एम एल खेड़ा के अनुसार कौन किसके लिए गम खाता है, नेक वही है जो दूसरों का दर्द अपनाता है। एस के शर्मा ने बतलाया कि माह में एक बार यहां सभी बुजुर्ग उर्जा भरते हैं

तो उन्हें यहां नव जीवन मिल जाता है। विजय धवन ने नववर्ष आगमन पर सुन्दर गीत गाया। शाखा को-हैड महेश बग्गा ने नए सदस्य यश आनंद, सत पाल, रमा शरण का स्वागत किया। ज्योत से ज्योत जलाते चलो प्रेम की गंगा बहाते चलो। समूहगान में वीना, कृष्ण मेंहदी रत्ता, राजीव सहगल, डी एस माथुर, अजमेर सिंह, सुदेश ग्रोवर ने नया जोश भरा। प्रेम लाल अरोड़ा ने सेवा कार्य किये।

स्थान: शिव शक्ति मंदिर, चांद नगर, रवि नगर, चौखंडी।

संपर्क: 9871075220, 8826063487, 9013389133

पटेल नगर शाखा

शाखा गायत्री मंत्र से प्रारम्भ हुई। शाखाध्यक्ष उषा शास्त्री के निर्देशन में सदस्यों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। सदस्य वीरेन्द्र कुमार ने मेरी शव यात्रा, व्यंग्य रचना से सबको हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया। श्रीभगवान, शिव नारायण, बलदेव राज, गुरुदीप कौर, विनोद धवन ने भक्ति गीतों से सबको आनंदित किया। कैलाश चंद्र शाही ने कविता में कहा यदि रूठ जाये मित्र तो उसे मनाने में देरी न करें। सेवा राम आर्य ने अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती पर प्रेरक कविता सुनाई। सुधीर, रणवीर सिंह, श्रीकृष्ण निर्मल ने भी अपनी सुरीली कविताओं से सबका मनमोह लिया। ओ पी ग्रोवर ने सेवा कार्य किया। ●

होने वाला कार्यक्रम

शाखा की बैठक 6 जनवरी सोमवार को होगी।

स्थान : श्री राधा कृष्ण मंदिर, सी ब्लाक, वैस्ट पटेल नगर, दिल्ली।

अब दानियों के अनुरोध पर 'एक मिशन एक सेवा' का प्रकाशन प्रतिदिन किया जा रहा है ताकि दानदाता अपने प्रियजनों के जन्मदिन, पुण्यतिथि, वैवाहिक वर्षगांठ या किसी खास मौके की तिथि विशेष पर अपनी इच्छानुसार दान राशि प्रकाशित करा सकें।

एक मिशन एक सेवा

बुढ़ापा जीवन का अटल सत्य है। गरीबी, बीमारियां, तथा अपनों का मुंह फेर लेना, इसे अभिशाप बना देते हैं। आईये! ऐसे बुजुर्गों का सहारा बनें। सुखी-सम्पन्न लोगों के सहयोग से इनका अकेलापन, दुःख दूर किये जा सकते हैं। ताकि भावी पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले सकें।

श्री आदित्य नारायण चोपड़ा	5100 रु.
पंजाब केसरी दैनिक समाचार पत्र समूह	2000 रु.
कुल राशि	7100 रु.

दानियों के लिए विशेष सूचना

वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब के लिए दान देने वाले सज्जन अब देशभर में **पंजाब नैशनल बैंक** की किसी भी शाखा में जाकर सहायता राशि जमा करवा सकते हैं, इसके लिए ध्यान रखें कि उक्त राशि **वृद्ध केसरी, रोमेश चंद्र ट्रस्ट के अकाऊंट नंबर** 3075002102006705 में देय होनी चाहिए। हमारा अनुरोध है कि सहायता राशि जमा करवाने के बाद हमें सूचित जरूर करें, ताकि रसीद भेजी जा सके। यह राशि आयकर छूट प्राप्त है। **जो सज्जन पंजाब नैशनल बैंक की किसी शाखा में नकद राशि जमा कराएं, वे बैंक की रसीद हमें कोरियर करा दें, ताकि आपको हम रसीद भेज सकें। सभी दानकर्ताओं से अनुरोध है कि दान भेजते समय पूरा पता, टेलीफोन नंबर और पैन कार्ड नंबर भी साथ में लिखें।**

दिल्ली के बाहर के दानकर्ता 500/- रुपए से कम की दानराशि कृपया ड्राफ्ट या मनीआर्डर से ही भेजें

कृपया अपना ड्राफ्ट या चैक **वृद्ध केसरी रोमेश चंद्र ट्रस्ट**, के नाम बना कर हमें भेजें। सभी दानी सज्जनों के नाम प्रति दिन प्रकाशित किए जाएंगे। लेकिन फोटो 5100/- या इससे अधिक की दान राशि देने वाले सज्जनों के प्रकाशित किए जाएंगे। दान के लिए पंजाब केसरी कार्यालय में प्रात: 10 से 5.30 बजे तक सम्पर्क करें।

*** यह राशि आयकर कानून की धारा 80-जी के अन्तर्गत करमुक्त है!**

पता :- वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब
2, प्रिंटिंग प्रेस काम्प्लेक्स, नियर वजीरपुर डिपो, दिल्ली-35

दान के लिए कृपया 01130712376,09871598497,9810107375 पर संपर्क करें। यदि कोई सज्जन या संस्था हमारे नाम से पैसा इकट्ठा करे तो इसका जिम्मेदार वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब नहीं होगा।

नया साल मुबारक हो...

आप सबको नया साल मुबारक हो। सभी को 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं। आप सब हमारे समाज की, देश की नींव हों और आप सबके अनुभव हमारे लिए एक अमूल्य धरोहर हैं। यह नया वर्ष आपके जीवन में नई ऊर्जा, नई आशाएं और नई खुशियां लेकर आए। नव वर्ष एक नई शुरूआत का समय है। इसे पूरे जोश और सकारात्मकता के साथ शुरू करें ताकि आपका हर दिन खुशहाल और स्वस्थ हो। यही मेरी प्रभु से कामना है, प्रार्थना है। 2024 में हमने अपने बहुत से साथियों को खोया, बहुत से साथी नए सदस्य बने। अब बहुत ठंड पड़ रही है तो मुझे लगता है कि 10 जनवरी तारीख से 15 फरवरी तक छुट्टियां कर देनी चाहिए। मुझे मालूम है कि आप सबको यह बात अच्छी नहीं लगेगी परन्तु क्या करूं मुझे सबसे पहले आपके स्वास्थ्य का ध्यान रखना है। क्योंकि मेरा हमेशा यही मानना है व्यस्त रहो, मस्त रहो, स्वस्थ रहो। सबसे पहले स्वास्थ्य का ध्यान रखें। गर्म कपड़े पहनें और ठंड से बचाव करें। रोजाना हल्का-फुल्का व्यायाम करें और संतुलित पौष्टिक खाना खायें।

सर्दियों में पानी कम पीने की आदत होती है इसलिए पानी पर्याप्त मात्रा में अवश्य पीयें। हो सके तो थोड़ा सुबह जरूर टहलें, सैर करें। हो सके तो धूप में सैर करें। यह विटामिन डी के लिए भी अच्छा है। आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। अपनी रोज की दिनचर्या को रोचक बनाएं, संगीत सुनें, पुस्तकें पढ़ें और परिवार के साथ समय बिताएं। जरूरतमंदों की सहायता करें। अपने लिए तो सभी जीते हैं, हो सके तो दूसरों के जीवन में खुशियां लाने की कोशिश करें। छुट्टियां हैं आपको खाली तो नहीं रहने दूंगी, चलो आप सब वीडियो बनाएं और भेजें।

इस बार आप अपने बचपन को याद करते हुए जो आपने-अपने बचपन में स्कूल की नर्सरी क्लास में कविता सीखी थी या गाई थी, उसको गाते और सुनाते हुए वीडियो बनाकर भेजें। उसके साथ एक्टिंग भी करें। जैसे मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है, हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी या चंदा मामा दूर के... या वो लोरी गाकर सुनाओ जो आपकी मां आपको बचपन में सुनाकर सुलाती थी। मां, दादी, नानी का कोई दिलचस्प किस्सा सुनाओ, बचपन का देशभक्ति का गीत भी सुना सकते हो। याद रहे यह वीडियो 10 जनवरी से 5 फरवरी तक भेज सकते हैं और वीडियो 2 मिनट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर ज्यादा होगी तो वह अपलोड नहीं होगी। जिसकी सबसे अधिक दिलचस्प वीडियो होगी पहले 10 को ईनाम मिलेंगे। पहला पुरस्कार कश्मीर की टिकट, दूसरा पुरस्कार गोवा की टिकट, तीसरा पुरस्कार अयोध्या की टिकट, बाकी रोचक ईनाम मिलेंगे। तो चलो सभी शुरू हो जाओ और अपने बचपन में लौट आओ। आप बचपन की ड्रेस पहनकर भी कविता लय में गा सकते हैं। ध्यान रहे एक सदस्य एक वीडियो ही भेज सकता है, दो नहीं। चलो सभी तैयार हो जाओ। व्यस्त-मस्त और स्वस्थ रहने के लिए खुद भी खुश रहो, दूसरों को भी खुश रखो और अपने बचपन को याद करते हुए बचपन की यादों को ताजा करो। ●

श्रीमती किरण चोपड़ा
डायरेक्टर- पंजाब केसरी दैनिक समाचार लि.
चेयरपर्सन- वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब
मुख्य संरक्षिका- चौपाल
सदस्या- राष्ट्रीय सलाहकार मण्डल, एकल
संरक्षिका- भारतीय लोक विकास परिषद
f/kiranchopra01
kiranchopra@punjabkesari.com
kiranchopradesk@gmail.com

वरिष्ठ सदस्यों की वैवाहिक स्वर्ण जयंती मनाई

पंजाबी बाग शाखा

शाखा की शुरुआत गायत्री मंत्र पाठ से हुई। शाखाध्यक्ष किरण मदान की देखरेख में आशा महाजन-सतीश महाजन की 50 वीं वैवाहिक वर्षगांठ सदस्यों ने नाच गाकर धूमधाम से मनाई। दुल्हा सतीश महाजन गाजे-बाजे, मित्र- बंधुओं के साथ हाल में पधारे, वहीं दुल्हन सजी-संवरी सहेलियों संग तारों की छांव में पहुंची। मंच पर हर्षोल्लास से जयमाला के दौरान नृत्य व धमाकेदार संगीत कार्यक्रम हुआ। भाई-भाभी शशि कांत-अनीता महाजन बहन-किरण महाजन, बेटी रश्मि, सहेलियां सरोज, रीटा, रुक्मणि, शुगन ने गोल्डन जुबली वर्षगांठ पर केक काटकर खुशियां बांटी। यादगार वैवाहिक समारोह पर बिटिया रश्मि ने कहा- क्लब सदस्यों की मस्तीभरी खुशियां बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है, जो सबके लिए आनंददायक है। शाखाध्यक्ष ने क्लासिकल गीत से अतिथियों का स्वागत गान किया। करुणा गोयल, रूबी खुराना ने नये सदस्यों का स्वागत किया।
रमेश खुराना ने योगासन कराये। पी सी गोयल ने ऐक्यूप्रैशर से सदस्यों के दर्द दूर किये। शहीद फौजी भाईयों की सहायतार्थ अभियान चलाया गया। महाजन परिवार ने सबको प्रीतिभोज का प्रसाद दिया। ●

स्थान: जेआर मीडिया संस्थान, पंजाब केसरी परिसर, वजीरपुर दिल्ली।
हैल्पलाइन नं. : 9910593661/ 9711140798, 9136683602

Price Rs. 4.50 (वार्षिक शुल्क 1980 रुपए डाक द्वारा) PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom
पंजाब केसरी DELHI
R.N.I. No. 404 74/83, Postal Regn.No. DL(N)/0169/2018-20, Posted at Delhi RMS Delhi-6

मजबूत नेतृत्व का कमाल
विश्वगुरु बनने की राह पर भारत

पीएम मोदी साठ साल में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले पीएम बने, बल्कि उनके नेतृत्व में भाजपा ने हरियाणा और महाराष्ट्र में शानदार सफलता हासिल की।

पूरी दुनिया के साथ-साथ साल 2024 भारत के लिए भी बेहद खास रहा। केंद्र की मोदी सरकार ने देश में ऐसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिससे सर्वजन के कल्याण के साथ ही एक देश के रूप में भारत को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत किया। देश के प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चाहे वो अर्थव्यवस्था, सामाजिक कल्याण और देश के बुनियादी ढांचे का विकास हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्रों में नीतियों और निर्णयों का निर्धारण हो, भारत की तरफ से दुनिया को यही संदेश दिया गया कि अब न केवल देश विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, बल्कि उसके बागडोर मजबूत हाथों में भी है। इसी साल ना सिर्फ पीएम मोदी साठ साल में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले पीएम बने, बल्कि उनके नेतृत्व में भाजपा ने हरियाणा और महाराष्ट्र में शानदार सफलता हासिल की। केंद्र की एनडीए सरकार के प्रमुख निर्णय नए आपराधिक कानूनों को लागू करना, पीएम-सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी देना, प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार और संसद में 'एक राष्ट्र एक चुनाव'' विधेयक पेश करना रहा। यही नहीं पीएम मोदी की गुलामी की निशानियों को खत्म करने की दिशा में इस साल सबसे बड़ी पहल अंग्रेजों के जमाने के कानूनों की जगह नए कानूनों को मंजूरी दी गई। भारत सरकार ने इस साल फरवरी में पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी, ताकि छत पर सौर ऊर्जा संयंत्रों के ज़रिए आवासीय घरों में बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाया जा सके। साथ ही पीएम इंटर्नशिप योजना का पालयट प्रोजेक्ट तीन अक्टूबर को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य 2024-25 के दौरान इंटर्नशिप के 1.25 लाख अवसर प्रदान करना है। महिलाओं के लिए पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री विद्या लक्ष्मी योजना के अंतर्गत क्वालिटी हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में दाखिला लेने वाले छात्रों को फीस और बाकी खर्चों के लिए बिना गारंटी बैंकों और फाइनेंशियल संस्थाओं से लोन की योजना शुरू की। इसके साथ ही पीएम मोदी ने भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया।

दुनियाभर में वर्ष 2025 का रंगारंग आगाज, जमकर आतिशबाजी, जश्न में डूबे लोग

ग्लोबल Window

सिडनी में 2025 के स्वागत में की गई आतिशबाजी का शानदार नजारा। सिडनी के हार्बर ब्रिज पर आतिशबाजी देखने 10 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। (दूसरे चित्र में) मेलबर्न में नए साल के जश्न के दौरान आतिशबाजी देखते लोग।

चीन का ताइवान से एकीकरण कोई नहीं रोक सकता

शी चिनफिंग की चेतावनी

बीजिंग, (भाषा): राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने नव वर्ष पर दिये गए अपने संदेश में कहा कि चीन के साथ ताइवान के पुर्नएकीकरण को कोई कभी नहीं रोक सकता। उन्होंने अर्थव्यवस्था में जारी मंदी को लेकर देश में बढ़ती चिंताओं और अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बीच यह बात कही। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान बीजिंग के खिलाफ दंडात्मक आयात शुल्क और व्यापार उपाय लागू करने की पहले ही धमकी दे चुके हैं। शी ने सरकारी टीवी चैनल पर प्रसारित अपने नए साल-2025 के संबोधन में कहा, ''ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर रहने वाले हम चीनी एक ही परिवार के हैं। कोई भी हमारे बीच नातेदारी के बंधन को कभी भी खत्म नहीं कर सकता है।'' चीन स्व-शासित द्वीप ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा होने का दावा करता है और एक अनिवार्य राजनयिक नीति के रूप में ताइवान को अपने हिस्से के रूप में मान्यता देते हुए 'एक चीन' की बात करता है। अपने तीसरे पंचवर्षीय कार्यकाल के तहत शासन कर रहे शी ने हाल के वर्षों में ताइवान को चीन के साथ फिर से मिलाने के प्रयासों को तेज करने के लिए इसे एक प्रमुख सैन्य और राजनयिक पहल बनाया। विदेश नीति के मोर्चे पर, शी ने वैश्विक शासन सुधार को बढ़ावा देने और विश्व शांति और स्थिरता कायम रखने में योगदान देने के लिए चीन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''परिवर्तन और अशांति दोनों की दुनिया में, चीन एक जिम्मेदार प्रमुख देश के रूप में, सक्रिय रूप से वैश्विक शासन सुधार को बढ़ावा दे रहा है और 'ग्लोबल साउथ' के बीच एकजुटता और सहयोग को प्रगाढ़ कर रहा है।''

शी के नए साल के संदेश का एक अन्य मुख्य ध्येय चीनी जनता को अर्थव्यवस्था के बारे में आश्वस्त करना था, जो कि कोविड-19 के बाद काफी धीमी हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप आकर्षक रियल एस्टेट क्षेत्र धराशायी हो गया है और देश भर में व्यवसायों के बंद होने के कारण लोगों की नौकरी चली गई है।

बर्लिन में राहगीरों पर चाकू से हमला, हमलावर दबोचा

बर्लिन, (एपी) बर्लिन शहर के चार्लोटनबर्ग इलाके में कई लोगों पर हमला करने और उन्हें घायल करने के बाद एक व्यक्ति को मंगलवार को हिरासत में लिया गया। यह जानकारी बर्लिन पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि दो लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अपराह्न 12 बजे से कुछ पहले, आपातकालीन सेवाओं को चार्लोटनबर्ग में बुलाया गया, क्योंकि एक व्यक्ति ने कई लोगों को संभवत: चाकू से घायल कर दिया था।'' पुलिस ने कहा कि गवाहों से पूछताछ की जा रही है। तत्काल कोई और विवरण उपलब्ध नहीं है। बर्लिन के अखबार बी.जेड. ने बताया कि कई राहगीरों ने हमलावर को काबू किया और पुलिस के आने तक उसे पकड़े रखा।

नए साल पर भी रूस ने यूक्रेन पर बरसाये बम

कीव, (एपी) : रूस ने मंगलवार को यूक्रेन की राजधानी कीव तथा अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाते हुए कई मिसाइल और ड्रोन दागे। यूक्रेन की वायु सेना ने तड़के तीन बजे बैलिस्टिक मिसाइल के खतरे की सूचना दी, जिसके कुछ ही मिनटों बाद कीव में कम से कम दो धमाके सुने गए। सुबह आठ बजे एक और मिसाइल अलर्ट जारी किया गया, जिसके बाद शहर में कम से कम एक विस्फोट हुआ। स्थानीय प्रशासन ने कहा कि मिसाइल का मलबा राजधानी के डार्नित्स्की जिले में गिरा, लेकिन किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। पूर्वोत्तर में सूमी क्षेत्र के अधिकारियों ने शोस्तका शहर के पास हमलों की सूचना दी। सूमी के मेयर मायकोला नोहा ने कहा कि 12 आवासीय इमारतों के साथ-साथ दो शैक्षणिक परिसरों को भी नुकसान पहुंचा है।
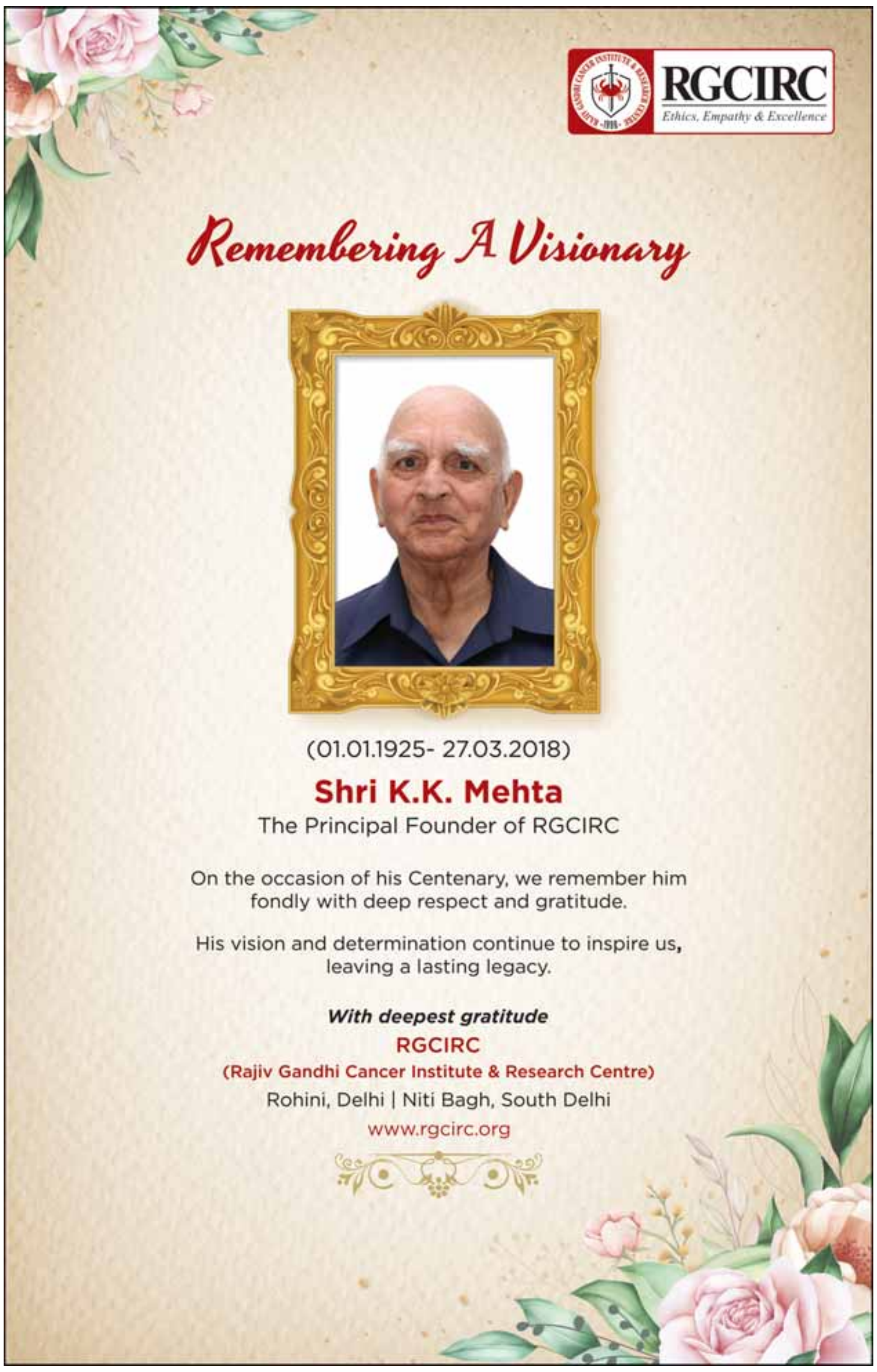
वायु सेना ने यूक्रेन के कई अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाकर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किए जाने की भी सूचना दी है। युद्ध के दौरान यूक्रेन का लगभग आधा ऊर्जा बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया है, और बड़े पैमाने पर बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों ने उसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए वायु रक्षा प्रणाली प्रदान की है। लेकिन, रूस ने बड़ी संख्या में मिसाइलों और ड्रोन के साथ संयुक्त हमलों के जरिए उसकी वायु रक्षा को तबाह करने की कोशिश की है।